धनबाद
शुक्रवार 30.01.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-31 अंक-335 पृष्ठ- 12
माघ शुक्ल पक्ष- 12
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

पीएम ने दिया रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म का मंत्र, युवाओं के लिए बताए नए अवसर

नई दिल्ली (ईएमएस): संसद का बहुप्रतीक्षित बजट सत्र गुरुवार से शुरू हो गया। सत्र के पहले दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद परिसर में मीडिया को संबोधित करते हुए देश के विकास और भविष्य की योजनाओं का खाका खींचा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की नीति रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म (सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन) पर आधारित है और इसी दिशा में रिफॉर्म एक्सप्रेस तेजी से आगे बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण का जिक्र करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ने सांसदों के सामने जो अपेक्षाएं रखी हैं, वे अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी सांसद इन अपेक्षाओं को गंभीरता से लेंगे और सदन की कार्यवाही में सकारात्मक योगदान देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि २०२६ के प्रारंभ में राष्ट्रपति द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का यह एक बड़ा अवसर है।

वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती धमक प्रधानमंत्री ने भारत की बढ़ती वैश्विक साख पर जोर देते हुए कहा कि आज का आत्मविश्वास से भरा भारत दुनिया के लिए आशा की किरण और आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। उन्होंने विशेष रूप से भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते का उल्लेख किया। उन्होंने इसे

भारतीय युवाओं, किसानों और मछुआरों के लिए स्वर्णिम अवसर बताया। पीएम ने कहा कि २७ यूरोपीय देशों का विशाल बाजार अब भारतीय उत्पादों के लिए खुल गया है, जो युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धा पर जोर प्रधानमंत्री ने देश के उत्पादकों और सर्विस सेक्टर के लोगों से अपील की कि वे इस वैश्विक अवसर का पूरा लाभ उठाएं। उन्होंने कहा, अब जब भारत-यूरोपीय संघ का बाजार खुल गया है, तो हमें केवल हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठना चाहिए। हमें अंतरराष्ट्रीय मानकों की उत्तम गुणवत्ता वाले सामान के साथ बाजार में उतरना होगा ताकि हमारे उत्पाद प्रतिस्पर्धी कीमतों पर दुनिया भर में अपनी पहचान बना सकें।

व्यवधान नहीं, समाधान का समय विपक्ष और संसद की कार्यप्रणाली पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज का समय व्यवधान पैदा करने का नहीं, बल्कि समाधान खोजने का है। उन्होंने सांसदों से आग्रह किया कि वे अपनी भूमिका को आलोचनाओं तक सीमित न रखकर समाधान ढूंढने और उन्हें धरातल पर उतारने में लगाएं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने हमेशा लास्ट माइल डिलीवरी यानी अंतिम छोर तक लाभ पहुंचाने पर बल दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि योजनाओं को केवल फाइलों तक सीमित रखना उनका उद्देश्य नहीं है, बल्कि उन्हें लोगों के जीवन (लाइफ) तक पहुंचाना ही असली सफलता है।

अगली पीढ़ी के सुधारों की तैयारी प्रधानमंत्री मोदी ने भविष्य की योजनाओं का संकेत देते हुए कहा कि सरकार नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म (अगली पीढ़ी के सुधारों) की दिशा में आगे बढ़ रही है। बजट के प्रति देश की उत्सुकता को स्वाभाविक बताते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि रिफॉर्म एक्सप्रेस की यह गति रुकने वाली नहीं है। उन्होंने इस प्रक्रिया में सहयोग देने ▶▶ 8

बजट के लिए झारखंडवासियों से मांगे गये सुझाव

जनभावनाओं के अनुरूप काम अबुआ सरकार की कोशिश है : हेमंत सोरेन

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि झारखंड २५ वर्षों का सफर तय कर चुका है और अब राज्य को एक मजबूत, बहुआयामी और दूरदर्शी बजट की आवश्यकता है। बजट ऐसा होना चाहिए जो संतुलित, समावेशी और व्यापक हो, जिसमें जन-आकांक्षाएं भी दिखें और विकास को भी नई गति मिले। मुख्यमंत्री झारखंड मंत्रालय में वित्त विभाग की ओर से आयोजित अबुआ दिशोम बजट संगोष्ठी-२०२६-२७ को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट हर वर्ग और हर क्षेत्र को पूरी मजबूती के साथ आगे ले जाने वाला होना चाहिए, ताकि इस युवा राज्य की संभावनाओं को सही दिशा मिल सके।

मुख्यमंत्री ने बताया कि आगामी बजट लगभग एक लाख करोड़ रुपये का होने का अनुमान है। आने वाले वर्षों में बजट की राशि और बढ़ेगी। ऐसे में राजस्व संग्रहण को मजबूत करना जरूरी है, ताकि विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में संसाधनों की कमी न हो।

बजट से आम लोगों को जोड़ने की जरूरत

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर बजट के लिए आम लोगों की भागीदारी जरूरी है। सरकार लगातार जनता से सुझाव ले रही है। लोगों की सहभागिता से ही राज्य के लिए संतुलित और विकास आधारित बजट तैयार किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में दावोस में विश्व आर्थिक मंच की बैठक और लंदन दौरे के दौरान उन्होंने वहां की नीतियों, अर्थव्यवस्था और कार्य संस्कृति को करीब से देखा-समझा है। इन अनुभवों का उपयोग झारखंड को नई दिशा देने में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी पारंपरिक व्यवस्थाओं से अलग सोच के साथ आगे ▶▶ 8

बस ट्रेलर में घुसी, 4 लोगों की मौत

भरतपुर (ईएमएस): भरतपुर में स्लीपर बस और ट्रेलर की भीषण टक्कर में मां-बेटे समेत ४ यात्रियों की मौत हो गई। ५ यात्री घायल हो गए। बस कासगंज (उत्तर प्रदेश) से जयपुर जा रही थी। इस दौरान सेवर पुल पर खड़े ट्रेलर में घुस गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। बस में फंसे यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। एक्सीडेंट सेवर थाना इलाके में आगरा-जयपुर नेशनल हाईवे पर बुधवार देर रात करीब २:३० बजे हुआ। सेवर थाना के स्वु अवधेश ने बताया- सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया

दीनानगर (ईएमएस): अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात बीएसएफ जवानों ने बड़ी कार्रवाई कर पाकिस्तान से भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की कोशिश कर रहे घुसपैठियों को मार गिराया है। यह घटना बुधवार रात कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बीच गुरदासपुर जिले की भारत-पाक सीमा पर हुई। जानकारी के अनुसार, बीएसएफ की ११३ बटालियन की बीओपी घनिया के पास सतर्क जवानों ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में दाखिल हो रहे घुसपैठिये को चुनौती दी। चेतावनी के बावजूद आगे बढ़ने पर जवानों ने फायरिंग की, जिसमें घुसपैठिया मारा गया।

रांची समेत झारखंड-बिहार के कई जिलों में आयकर विभाग का छापा

रांची (एजेंसी): आयकर विभाग की अनुसंधान शाखा ने गुरुवार को रांची सहित झारखंड और बिहार के कई जिलों में एक साथ छापेमारी शुरू की है। यह छापेमारी केवल रांची तक ही सीमित नहीं है, बल्कि जमशेदपुर, हजारीबाग और बिहार के भी कुछ प्रमुख जिलों में आयकर विभाग की टीमें छापेमारी कर रही हैं। इस अचानक हुई कार्रवाई से व्यावसायिक गलियारों में हड़कंप मच गया है। यह कार्रवाई बाबा राइस मील के विभिन्न ठिकानों पर की जा रही है, जिसमें रांची के कांके रोड, नगड़ी, हरमू, बरियातू और रातू रोड सहित कई ठिकाने भी शामिल हैं। विभाग को सूचना मिली थी कि कई बड़े व्यापारी अपनी वास्तविक आय छिपाकर बड़े पैमाने पर टैक्स की चोरी कर रहे हैं। इसी इनपुट के आधार पर विभाग की टीमों ने आज सुबह कई ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। वर्ष २०२६ में आयकर विभाग द्वारा की जाने वाली यह पहली बड़ी कार्रवाई है।

सुनेत्रा पवार बन सकती हैं महाराष्ट्र की डिप्टी सीएम!

प्रफुल्ल पटेल और छगन भुजबल ने की मुलाकात

नई दिल्ली (ईएमएस): महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का प्लेन क्रैश में निधन के बाद उनकी पत्नी सुनेत्रा पवार राज्य की डिप्टी सीएम बन सकती हैं। प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल, धनंजय मुंडे और सुनील तटकरे ने सुनेत्रा से मुलाकात की।

सूत्रों के मुताबिक, सुनेत्रा को डिप्टी सीएम बनाए जाने का प्रस्ताव दिया जाएगा। सुनेत्रा पवार अपने दिवंगत पति अजित पवार की सीट से चुनाव लड़ सकती हैं। कहा जा रहा है कि प्रफुल्ल पटेल एनसीपी के अध्यक्ष बन सकते हैं। इस प्रस्ताव पर चर्चा के लिए वे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलेंगे। इस दौरान एनसीपी (एसपी) के विलय पर भी चर्चा हो सकती है।

अजित पवार के निधन के बाद एनसीपी के भविष्य को लेकर पूछे गए सवाल पर एनसीपी नेता नरहरि जिरवाल ने कहा कि लोग वाहिनी को मंत्रिमंडल में शामिल करने की इच्छा जता रहे हैं।अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) राज्य में सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन की एक प्रमुख पार्टी है, जिसमें बीजेपी और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना भी शामिल हैं। बता दें कि सुनेत्रा पवार मौजूदा समय में राज्यसभा सांसद हैं।

बता दें कि महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का विमान बुधवार को बारामती में क्रैश हो गया था। इस घटना में अजित पवार समेत पांच लोगों की मौत हो थी। प्लेन में अजित पवार के साथ एक सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू मेंबर थीं। अजित पवार पांच फरवरी को पुणे में होने वाले जिला परिषद चुनावों के लिए रैलियों को संबोधित करने वाले थे। वह सुबह ▶▶ 8

बीजापुर में डीआरजी और सशस्त्र माओवादियों की बीच मुठभेड़, दो माओवादियों के शव बरामद

बीजापुर (ईएमएस): छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के दक्षिणी क्षेत्र में सशस्त्र माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन चलाया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार बुधवार को मिली जानकारी के आधार पर डीआरजी (जिला रिजर्व गार्ड) की टीम को रवाना किया था। इसके बाद गुरुवार को सुरक्षाबलों और सशस्त्र माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ स्थल से अब तक दो माओवादियों के शव बरामद किए हैं। मौके से एक एके-४७ राइफल, ९ एमएम पिस्टल सहित अन्य हथियार एवं गोला-बारूद भी जब्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार, जिले के दक्षिण बस्तर क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) की टीम सर्च ऑपरेशन पर निकली थी।

तभी सुबह करीब ७ बजे से डीआरजी और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ शुरू हो गई। सर्चिंग के दौरान मुठभेड़ स्थल से दो

माओवादियों के शव बरामद किए हैं। अभियान अभी जारी होने के चलते मुठभेड़ के सटीक स्थान, आपरेशन में शामिल सुरक्षाबलों की संख्या और अन्य संवेदनशील जानकारियां साझा नहीं की जा रही हैं, ताकि अभियान में लगे जवानों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। फिलहाल आसपास के क्षेत्र में सघन सर्चिंग अभियान लगातार जारी है।

एसआईआर प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली (ईएमएस): तमिलनाडु में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं। याचिकाओं में चुनाव आयोग की प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को चुनौती दी गई थी।

जिस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि जिन लोगों के नाम लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी यानी तार्किक विसंगति सूची में शामिल किए गए हैं, उनकी सूची को ग्राम पंचायत भवन, प्रत्येक उपखंड (तालुका) कार्यालय और शहरी क्षेत्रों के वार्ड कार्यालयों में प्रदर्शित किया जाए। १० दिनों के भीतर दस्तावेज जमा कर सकते हैं।

भारत ने ब्राजील से खरीदा तेल, इधर रुस ने भारत को दे दिया सबसे बड़ा डिस्काउंट

नई दिल्ली (ईएमएस): एक ओर रूस का सबसे सस्ता तेल दूसरी ओर अमेरिका का दबाव जो ना किसी की धमकी से डरता है ना किसी के लालच में फंसता है। लेकिन हम बात कर रहे हैं उस गेम की जिसमें भारत ने एक चाल चली और रूस को मजबूरी में १० डालर प्रति बैरल का डिस्काउंट देना पड़ गया। दरअसल पिछले कुछ महीनों से रूस पर अमेरिका के सबसे कड़े प्रतिबंध लागू हैं। लकोइल, रुसफ जैसे दिग्गज रूसी कंपनियां सीधे अमेरिकी निशाने पर आ गई है। अमेरिका ने भारत पर दबाव बनाया। यहां तक कि भारतीय सामानों पर २५ प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा डाला। संदेश साफ था अगर रूस से तेल खरीदी करते हो, तब कीमत चुकानी पड़ेगी और भारत ने बिना शोर मचाए ना कोई बयानबाजी की बस चुपचाप गेम पलट दिया। पिछले दो महीनों में भारत ने रूस से तेल आयात में बड़ी कटौती कर दी। यह वहीं भारत था जो २०२२ के बाद रूस का सबसे बड़ा तेल ग्राहक बन चुका था। लेकिन जैसे ही भारत ने ब्रेक लगाया रूस की परेशानी बढ़ गई क्योंकि रूस के पास ▶▶ 8

यूजीसी के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

केंद्र को नए सिरे से ड्राफ्ट करने के निर्देश, कोर्ट ने कहा- इनका दुरुपयोग हो सकता है

नई दिल्ली(ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या की बेंच ने कहा कि इसके प्रावधान स्पष्ट नहीं हैं और इनका दुरुपयोग हो सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और यूजीसी को नोटिस जारी किए। साथ ही नियमों का ड्राफ्ट फिर से तैयार करने का निर्देश दिया। सीजेआई सूर्यकांत ने केंद्र से पूछा कि हमने जातिविहीन समाज की दिशा में कितना कुछ हासिल किया है। क्या अब हम उल्टी दिशा में चल रहे हैं?

कोर्ट ने कहा कि पीड़ितों को न्याय से वंचित नहीं छोड़ा जा सकता। हमें जनरल कैटेगरी की शिकायतों से कोई मतलब नहीं है। हमारी चिंता यह है कि आरक्षित समुदायों के लिए निवारण प्रणाली लागू रहनी चाहिए। मामले की अगली सुनवाई ▶▶ 8

इजरायल ने भारत को चेताया कहा- पाकिस्तान और बांग्लादेश में अपनी जड़ें जमा रहा हमास

नई दिल्ली (ईएमएस): पश्चिम एशिया में जारी तनाव और निशस्त्रीकरण की चर्चाओं के बीच एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। आतंकी संगठन हमास अब अपने पैर मध्य पूर्व से बाहर पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों में पसार रहा है। इस घटनाक्रम ने सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता बढ़ा दी है। भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने बुधवार को इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि हमास नेताओं का पाकिस्तान और बांग्लादेश में संपर्क स्थापित करना किसी एक देश के लिए नहीं, बल्कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक देशों के लिए गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। एक विशेष चर्चा के दौरान अजार ने स्पष्ट किया कि इजरायल और भारत इस उभरते खतरे को लेकर निरंतर संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि कट्टरवाद के इस प्रसार के खिलाफ हमें मिलकर लड़ना होगा। हमास जिस तरह से नए क्षेत्रों में अपना आधार बना रहा है, वह भविष्य के लिए एक बड़ा खतरा है। राजदूत ने उम्मीद जताई कि आपसी सहयोग और रणनीतिक बातचीत के माध्यम से ▶▶ 8

लैंड फॉर जॉब केसः 9 मार्च से रोजाना सुनवाई लेकिन लालू-राबड़ी को पेशी से मिली छूट

नई दिल्ली (ईएमएस): बहुचर्चित लैंड फॉर जॉब मामले में दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने गुरुवार को अहम आदेश देते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और तेजप्रताप यादव को बड़ी राहत दी है। अदालत ने १ से २५ फरवरी के बीच औपचारिक रूप से आरोप तय करने की प्रक्रिया के दौरान उन्हें सशरीर पेश होने से छूट प्रदान की है।

गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत के समक्ष पेश हुए। वहीं, पाटलिपुत्र से राजद सांसद और लालू की

बड़ी बेटी मीसा भारती तथा उनकी बहन हेमा यादव व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित रहीं। दोनों ने अदालत के समक्ष अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों से इनकार किया।

कोर्ट ने इस दौरान यह भी स्पष्ट किया कि ९ मार्च से मामले की नियमित सुनवाई शुरू होगी। इस चरण में ट्रायल की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी और अभियोजन पक्ष (प्रॉसिक्यूशन) अपने सबूत रिकॉर्ड कराएगा। अदालत ने इस केस को रोजाना सुनवाई के लिए ▶▶ 8

अजित पवार का पार्थिव शरीर पंचतत्व में विलीन, राजकीय सम्मान के साथ हुआ अंतिम संस्कार

मुंबई (ईएमएस): महाराष्ट्र के वरिष्ठ नेता एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार का अंतिम संस्कार गुरुवार को बारामती में पूरे राजकीय सम्मान के साथ संपन्न हुआ। गमगीन माहौल में उनके पुत्र पार्थ पवार और जय पवार ने पिता की चिता को मुखाग्नि दी। अंतिम विदाई के दौरान हजारों की संख्या में लोग, पार्टी कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और आम नागरिक मौजूद रहे।

अजित पवार के निधन की खबर कल सुबह एक विमान दुर्घटना के बाद सामने आई थी, जिसने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। उनके आकस्मिक निधन से राजनीतिक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। आज अंतिम संस्कार के अवसर पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया और सभी राजकीय परंपराओं का पालन करते हुए अंतिम विदाई दी गई।

श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत सहित कई वरिष्ठ नेता बारामती पहुंचे। सभी नेताओं ने अजित पवार के राजनीतिक जीवन, प्रशासनिक अनुभव और महाराष्ट्र के विकास में उनके योगदान को याद किया। इस दुखद घटना को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। इस अवधि में राज्यभर की सभी सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और किसी भी प्रकार के आधिकारिक मनोरंजन कार्यक्रम स्थगित रहेंगे।

विमान दुर्घटना को लेकर पुलिस ने एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज कर ली है, जबकि एयरक्राफ्ट दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त विमान लीयरजेट ४५ था, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर वीटी-एसएसके था और इसे वीएसआर वेंचर्स द्वारा ऑपरेट किया जा रहा था। विमान में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के अलावा एक पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (पीएसओ), एक फ्लाइट अटेंडेंट और दो क्रू मेंबर-पायलट-इन-कमांड (पीआईसी) सुमित कपूर और ▶▶ 8

संपादकीय

मणिपुर में टूट रही है शांति की उम्मीद?

मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर उपजे विरोध के बाद जारी हिंसा और अराजकता का हल आज तक नहीं निकल सका है। काफी मुश्किल से मणिपुर में हालात थोड़े काबू में आते दिखने लगे थे और इसी वजह से उम्मीद की जाने लगी थी कि वहां जटिल हो चुकी समस्या का अब शायद कोई समाधान निकल सके। मगर राज्य में बीते कुछ दिनों के भीतर जिस तरह हिंसा की एक नई लहर देखी जा रही है, उससे एक बार फिर स्थिति बिगड़ने की आशंका खड़ी हो गई है।

गौरतलब है कि मणिपुर के कांगपोकपी जिले के सोंगलुंग गांव में सोमवार को उग्रवादियों ने कई घरों और फार्म हाउसों में आग लगी दी। यह इलाका कुकी-जो बहुल है और पहले भी कुछ उग्रवादी संगठनों के निशाने पर रहा है। हालांकि आगजनी और हमले में किसी की जान नहीं गई, लेकिन यह साफ है कि इस वारदात का मकसद जातीय तनाव की आग को भड़काना और राज्य को फिर से अराजकता की आग में झोंकना था।

इसके संकेत भी सामने आए जब कांगपोकपी जिले के एक कुकी संगठन ने सरकार से चौबीस घंटे के भीतर अपराधियों को गिरफ्तार करने की मांग की और ऐसा न होने पर कार्रवाई करने की चेतावनी दी। संगठन ने यह भी कहा कि जिले के कुकी बहुल इलाकों के गांवों को जानबूझ कर निशाना बनाया जा रहा है। ऐसे में अगर हालात बिगड़ते हैं तो उसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

अफसोस की बात यह है कि हिंसा की आग से उपजी व्यापक त्रासदी के बावजूद अब भी कोई ऐसा हल सामने नहीं आ सका है, जिससे विवाद और टकराव में शामिल सभी समुदाय सहमत हों और शांति की राह निकल सके। इसके उलट अब

ऐसे मुद्दों पर भी हिंसक गतिविधियां सामने आती दिखने लगी हैं, जो दो समुदायों के बीच दूरी को पाटने की एक कड़ी बन सकती थी। हाल ही में एक कुकी युवती से विवाह करने वाले मैतेई युवक की संदिग्ध उग्रवादियों ने हत्या कर दी। दूसरी ओर, खबरों के मुताबिक, सोंगलुंग गांव में ताजा हमला करने वाले उग्रवादी संगठन का कहना है कि जिस इलाके में घरों और फार्महाउसों को जलाया गया, वहां अफीम की अवैध खेती होती थी। जबकि कुकी-जो संगठनों का कहना है कि सोंगलुंग गांव में कभी अफीम की खेती नहीं हुई और अस्थायी फार्महाउसों के बजाय आवासीय मकानों को जला दिया गया। सवाल है कि अगर कहीं कोई अवैध गतिविधि चल रही है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने की जिम्मेदारी प्रशासन की है या उग्रवादी संगठन की? यह छिपा नहीं है कि मई, 2023 से मणिपुर में जारी हिंसा की आग का सबसे बड़ा कारण अलग-अलग स्थानीय समुदायों के बीच कई मसलों पर सीधा टकराव रहा है। हिंसा और अराजकता में अब तक वहां ढाई सौ से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए।

मगर अफसोस की बात है कि मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के सवाल पर उपजे विरोध के बाद जारी हिंसा और अराजकता का हल आज तक नहीं निकल सका है, जबकि केंद्र सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय विवाद में शामिल जातीय संगठनों के बीच कई स्तर पर बातचीत हुई। हैरानी की बात है कि देश के किसी भी इलाके में हिंसा और अराजकता जैसे हालात पर काबू पाने के मकसद से गठित सुरक्षा बलों का तंत्र भी वहां नाकाम दिखता है।

दरअसल, जिन सवालों पर वहां विभिन्न समुदायों के बीच टकराव खड़ा हुआ, सबसे पहले उसका समाधान निकालने की जरूरत है। मगर इसके लिए ईमानदार इच्छाशक्ति की जरूरत है, जिसका फिलहाल राज्य और शासन से लेकर हर स्तर पर अभाव दिखता है।

तेजाब पर रोक, फिर भी हमले जारी

तेजाब से हमले की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इससे केवल शारीरिक पीड़ा ही नहीं, बल्कि गहरा मानसिक और भावनात्मक आघात भी पहुंचता है। कई बार पीड़ित महिलाओं को अवसाद और सामाजिक अलगाव का सामना भी करना पड़ता है, जो उनके लिए जिंदगी भर का दर्द बन जाता है। सवाल है कि इस तरह के हमलों पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? साथ ही पीड़ित महिलाओं को समय पर न्याय मिल रहा है या नहीं, उनके पुनर्वास के लिए सरकारी योजनाओं की स्थिति क्या है और पीड़ितों को उनका लाभ मिल पा रहा है या नहीं? ये ऐसे सवाल हैं, जिनको लेकर सर्वोच्च न्यायालय भी चिंतित है। यही वजह है कि मंगलवार को शीर्ष अदालत ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से तेजाब हमलों से संबंधित मामलों का वर्ष वार ब्योरा, अदालतों में उनकी स्थिति तथा पीड़ितों की मदद के लिए पुनर्वास उपायों का विस्तृत विवरण देने को कहा है। साथ ही केंद्र सरकार से संबंधित कानून में बदलाव पर विचार करने को भी कहा है, ताकि दोषियों को कड़ी सजा मिल सके। गौरतलब है कि सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2013 में खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक लगा दी थी। इसके बाद तेजाब से हमले की घटनाओं में थोड़ी कमी देखी गई, मगर पिछले कुछ वर्षों से यह आंकड़ा फिर बढ़ने लगा है। राष्ट्रीय अपराध रेकार्ड ब्यूरो की एक रपट के मुताबिक, वर्ष 2017 में तेजाब हमलों के 244 मामले दर्ज हुए थे, जबकि वर्ष 2021 में ऐसे 176 मामले सामने आए। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा बढ़कर 207 हो गया। ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण है कि जब खुले बाजार में तेजाब की बिक्री पर रोक है, तो फिर आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की इस तक पहुंच कैसे संभव हो पा रही है। जाहिर है, कुछ लोग अवैध तरीके से तेजाब की बिक्री करते हैं और सरकारी तंत्र की अनदेखी का दंश कई महिलाओं को झेलना पड़ता है। यह बात भी छिपी नहीं है कि तेजाब हमले के पीड़ितों एवं उनके परिजनों को कई बार न्याय के लिए वर्षों तक अदालत के चक्कर काटने पड़ते हैं और उनके पुनर्वास की सरकारी योजनाएं भी कागजों तक ही सीमित रह जाती है।

आज का कार्टून

जी राम जी कानून का जिक करते ही विपक्ष का हंगामा

प्रभावशाली नेता थे अजित पवार

> देखा जाये तो अजित पवार का जाना सिर्फ एक व्यक्ति का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक शैली का अंत है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखती थी। उनकी राजनीति प्रशासनिक पकड़, आंकड़ों की समझ और सत्ता की नस पहचानने की कला से बनी थी। शरद पवार की विशाल छाया में राजनीति शुरू करना आसान था, लेकिन उस छाया से निकलकर अपनी पहचान बनाना बेहद कठिन था। अजित पवार ने यह कठिन रास्ता चुना। वह हमेशा इस द्वंद्व में रहे कि उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाए या एक स्वतंत्र नेता के रूप में। शायद इसी बेचैनी ने उन्हें बार-बार जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया। 2019 की वह सुबह भारतीय राजनीति के सबसे नाटकीय क्षणों में गिनी जाती है जब उन्होंने अचानक सत्ता का समीकरण बदल दिया था। उनकी काफी आलोचना हुई, अविश्वास भी पैदा हुआ, लेकिन यह भी सच है कि उसी क्षण ने उन्हें निर्णायक नेता के रूप में स्थापित किया। बाद में चुनाव आयोग का फैसला उनके पक्ष में जाना इस बात का संकेत था कि राजनीति में साहस कई बार वैधता भी दिला देता है।

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र की राजनीति को आज तब गहरा आघात लगा जब उपमुख्यमंत्री अजित पवार का बारामती में विमान हादसे में निधन हो गया। लैंडिंग के दौरान विमान में आई तकनीकी खराबी के बाद यह दुर्घटना हुई। हादसे की खबर फैलते ही राज्य भर में शोक की लहर दौड़ गई। देखा जाये तो अजित पवार महाराष्ट्र के उन नेताओं में थे जिन्होंने सत्ता के केंद्र में रहते हुए भी जमीन से नाता नहीं तोड़ा। वह भले ही कभी मुख्यमंत्री न बने हों, लेकिन राज्य में सबसे लंबे समय तक उपमुख्यमंत्री रहने का इतिहास उनके नाम दर्ज है। छह बार उपमुख्यमंत्री के रूप में सेवा देने वाले अजित पवार ने अलग-अलग सरकारों में अपनी प्रशासनिक पकड़ और राजनीतिक प्रभाव बनाए रखा। बारामती में अजित पवार की राजनीति का सबसे बड़ा प्रमाण उनका काम खुद था। वह उन गिने चुने नेताओं में थे जिनके लिए अपना खुद का चुनाव प्रचार एक औपचारिकता भर था। विधानसभा चुनावों में वह हमेशा समय पर अपना नामांकन दाखिल करते थे, लेकिन उसके बाद बारामती की गलियों में शायद ही कभी उन्हें प्रचार करते देखा गया। जनता जानती थी कि किसे वोट देना है, इसलिए जनता ही उनका प्रचार करती थी। अजित पवार का भरोसा नारों पर नहीं, काम पर था। इसी आत्मविश्वास के चलते वह बारामती से निश्चिंत रहकर राज्य के दूसरे इलाकों में पार्टी उम्मीदवारों के प्रचार में जुट जाते थे। बारामती उनके लिए सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र नहीं था, वह उनका कर्मक्षेत्र था, जहां उन्होंने यह साबित किया कि जब विकास बोलता है तो नेता को खुद बोलने की जरूरत नहीं पड़ती।

अजित पवार ने 1982 में सहकारी क्षेत्र से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। वह चीनी मिल के बोर्ड में चुने गए और यहीं से बारामती की राजनीति में उनकी जड़ें मजबूत होती गईं। 1991 में वह पुणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष बने और उसी वर्ष बारामती से लोकसभा सांसद चुने गए। बाद में उन्होंने यह सीट शरद पवार के लिए खाली की। इसके बाद वह बारामती से सात बार विधायक बने। उनके परिवार में पत्नी सुनेत्रा पवार और दो पुत्र जय और पार्थ हैं। सहकार से सत्ता तक का उनका सफर बारामती से शुरू हुआ और वहीं समाप्त हुआ।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन के बाद अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को चुनाव आयोग ने पार्टी का मूल नाम और चुनाव चिन्ह सौंपा था। यह गुट भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति के साथ जुड़ा। वहीं उनके चाचा और वरिष्ठ नेता शरद पवार ने अलग रह कर एनसीपी-एससीपी का नेतृत्व संभाला। यह विभाजन महाराष्ट्र की राजनीति का सबसे भावनात्मक और निर्णायक मोड़ माना गया। दोनों पक्षों का विवाद अदालत के दरवाजे तक पहुँचा लेकिन हाल के दिनों में पवार परिवार एकजुट नजर आ रहा था। हम आपको याद दिला दें कि 2024 के लोकसभा चुनावों में अजित पवार ने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को अपनी चचेरी बहन सुप्रिया सुले के खिलाफ उतार कर पारिवारिक और राजनीतिक रिश्तों में तीखापन ला दिया था, लेकिन समय के साथ उन्होंने यह स्वीकार किया था कि वह फैसला एक भूल था। राजनीति के उस कठोर दौर के बाद हालिया निकाय चुनावों में उन्होंने जिस परिपक्वता का परिचय दिया, वह उनके व्यक्तित्व का

दूसरा और अधिक मानवीय पक्ष सामने लाता है। शरद पवार की पार्टी के साथ गठबंधन कर दोनों एनसीपी को एक मंच पर लाने की पहल उन्होंने खुद की थी। बहन सुप्रिया के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने साफ कहा था कि परिवार में कोई मतभेद नहीं हैं और जनता चाहती है कि दोनों दल साथ मिलकर काम करें। यह सिर्फ राजनीतिक बयान नहीं था, बल्कि एक भावनात्मक स्वीकारोक्ति भी थी। देखा जाये तो अपने निधन से पहले अजित पवार कम से कम इतना तो कर ही गए कि उन्होंने परिवार से सुलह कर ली, टूटे रिश्तों को जोड़ दिया और महाराष्ट्र की राजनीति को यह संकेत दे दिया कि टकराव नहीं, संवाद ही आगे का रास्ता है।

अपने लंबे राजनीतिक जीवन में अजित पवार ने पृथ्वीराज चव्हाण, देवेंद्र फडणवीस, उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे जैसे मुख्यमंत्रियों के साथ काम किया। गठबंधनों के बदलते दौर में भी अपनी उपयोगिता और असर बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी रही। अजित पवार चूंकि केंद्र और महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ एनडीए के प्रमुख घटक थे इसलिए उनका निधन बड़ा राजनीतिक नुकसान भी है।

देखा जाये तो अजित पवार का जाना सिर्फ एक व्यक्ति का जाना नहीं है, यह उस राजनीतिक शैली का अंत है जो चुपचाप काम करने में यकीन रखती थी। उनकी राजनीति प्रशासनिक पकड़, आंकड़ों की समझ और सत्ता की नस पहचानने की कला से बनी थी। शरद पवार की विशाल छाया में राजनीति शुरू करना आसान था, लेकिन उस छाया से निकलकर अपनी पहचान बनाना बेहद कठिन था। अजित पवार ने यह कठिन रास्ता चुना। वह हमेशा इस द्वंद्व में रहे कि उन्हें उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाए या एक स्वतंत्र नेता के रूप में। शायद इसी बेचैनी ने उन्हें बार-बार जोखिम लेने के लिए प्रेरित किया।

2019 की वह सुबह भारतीय राजनीति के सबसे नाटकीय क्षणों में गिनी जाती है जब उन्होंने अचानक सत्ता का समीकरण बदल दिया था। उनकी काफी आलोचना हुई, अविश्वास भी पैदा हुआ, लेकिन यह भी सच है कि उसी क्षण ने उन्हें निर्णायक नेता के रूप में स्थापित किया। बाद में चुनाव आयोग का फैसला उनके पक्ष में जाना इस बात का संकेत था कि राजनीति में साहस कई बार वैधता भी दिला देता है। अजित पवार की राजनीति नैतिकता के आदर्शों की किताब से कम और यथार्थ की जमीन से ज्यादा निकली थी। यही कारण है कि वह आलोचकों के निशाने पर भी रहे और समर्थकों के भरोसे का केंद्र भी बने। वह जानते थे कि सत्ता स्थायी नहीं होती, लेकिन प्रभाव बनाया जा सकता है। उन्होंने वही किया। विभिन्न लोकसभा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान मैंने खुद देखा कि वह समर्थकों और कार्यकर्ताओं के कितने करीब रहते हैं और सबकी बातें ध्यान से सुनते हैं। यही कारण था कि बारामती में खासतौर पर अजित दादा के नाम का बोलबाला हर जगह देखने को मिलता है।

आज जब उनका जाना अचानक और असमय हुआ है, महाराष्ट्र की राजनीति एक खालीपन महसूस कर रही है। यह खालीपन सिर्फ पद का नहीं, उस अनुभव का है जो दशकों में गढ़ा जाता है। आने वाले समय में यह सवाल और तीखा होगा कि क्या कोई नेता सहकार से सत्ता तक के इस रास्ते को फिर उसी धार और दृढ़ता से तय कर पाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि अजित पवार की विरासत विरोधाभासों से भरी रही, लेकिन शायद यही उनकी सच्ची पहचान भी है। वह सरल नहीं थे, पर प्रभावशाली थे। वह आदर्शवादी नहीं थे, पर निर्णायक थे। और इसी वजह से महाराष्ट्र की राजनीति में उनका नाम लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

हम तुच्छ लाभ की खातिर क्यों कुर्बान बड़े हित करते हैं?

> हम मनुष्य जब तक प्रकृति का ध्यान रखते रहे तब तक प्रकृति भी हमारा ध्यान रखती रही, लेकिन अब जब हम पर्यावरण को तबाह करने पर तुले हैं तो प्रकृति भी तबाही लाने लगी है. ऐसा नहीं है कि प्रो. जी.डी. अग्रवाल मानव जाति के हितों के खिलाफ थे, लेकिन वे देख पा रहे थे कि तात्कालिक फायदों के लिए हम किस तरह से अपने दीर्घकालिक भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मूढ़ताएं आज हमें कितनी भी हास्यास्पद लगें, लेकिन अगर हमने विकास का अपना तरीका नहीं बदला तो हम सबका हाल भी ट्रम्प जैसा ही होना है, क्योंकि एक सीमा के बाद हम स्वार्थ में इतने अंधे हो जाते हैं कि महसूस ही नहीं होता विवेक नाम की भी कोई चीज होती है.

हेमधर शर्मा

उत्तराखंड में सरकार ने लोहारीनाग पाला जलविद्युत परियोजना को बंद करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है. 650 करोड़ रु. खर्च होने के बाद बंद की जाने वाली इस परियोजना के खिलाफ पर्यावरणविद्? व आईआईटी प्रोफेसर जी.डी. अग्रवाल ने वर्ष 2018 में ही आमरण अनशन कर 111 दिनों बाद अपने प्राण त्याग दिए लेकिन सरकार का दिल नहीं पसीजा था. अब पिछले दिनों धराली आपदा में सड़क बहने और नदी के बीच बने डायवर्सन को नुकसान पहुंचने के बाद सुरंगें सील करने का फैसला किया गया है.

अगर आईआईटी का प्रोफेसर रह चुका व्यक्ति किसी चीज के लिए अपनी जान की बाजी लगा रहा था तो उसे इतने हल्के में तो नहीं लिया जाना चाहिए था! परंतु शासन की जिस हठधर्मिता को रोकने के लिए प्रकृति को धराली जैसी आपदा लाकर सैकड़ों लोगों की जान लेनी पड़े, वह सिर्फ एक व्यक्ति की मौत की कीमत पर रुक भी कैसे सकती थी! 650 करोड़ रु. पानी में जाना मामूली बात नहीं है लेकिन जब हमें पता हो कि परियोजना पूरी होने के बाद कितनी जबर्दस्त तबाही मचती तो शायद यह नुकसान भी कम लगता है. हमें जानना चाहिए कि बांध सिर्फ पानी ही नहीं रोकते, जलीय जीवों के पूरे जीवन-चक्र को बाधित कर देते हैं. प्रो.

अग्रवाल की चिंता थी कि हिल्सा मछली, जो बंगाल की खाड़ी से ऊपर तक यानी गंगोत्री और बद्रीनाथ तक अंडे देने जाती है, बांध बनने के बाद ऊपर कैसे जा पाएगी? इसी तरह गंगा में पाई जानेवाली विशेष डॉल्फिन अब नीचे नहीं आ पाती हैं.

हम मनुष्य खुद को भले ही सर्वाधिक बुद्धिमान मानें लेकिन वास्तव में हमारी तर्कबुद्धि स्वार्थपूर्ति का औजार ही रही है. हर मनुष्य अपने स्वार्थ के पक्ष में तर्क गढ़ लेता है. जब दुनिया में सुख-सुविधा के अत्याधुनिक साधन नहीं थे, तब दास प्रथा आम थी और बड़े-बड़े विद्वान भी इसे गलत नहीं मानते थे क्योंकि तब समाज के प्रभुत्वशाली वर्ग की सेवा कौन करता?

जिस अंग्रेज जाति को अपनी न्यायप्रियता का अहंकार रहा है, उसने सदियों तक अगर करीब आधी दुनिया को अपना गुलाम बनाए रखा तो इसका कारण आखिर और क्या हो सकता है? हमारे देश का जैसा निर्मम शोषण उन्होंने किया उसे भारत का बच्चा-बच्चा महसूस करता था लेकिन ब्रिटेन के बड़े-बड़े बुद्धिजीवियों को भी अगर वह दिखाई नहीं पड़ता था तो सिर्फ इसलिए कि इससे उन्हें फायदा हो रहा था. लेकिन अपना फायदा ही तो दुनिया के सारे प्राणी देखते हैं, फिर इसमें गलत क्या है?

जंगल में पशुबल ही कानून होता है. बिल्ली को कुत्ते खा जाते हैं और चूहे को बिल्ली. हम मनुष्य अगर पाशविक बल की सोच से ऊपर उठ पाए तो शायद इसीलिए कि अतीत में हमारे स्वार्थ के दायरे में पूरी दुनिया का हित समाया रहा होगा. दरअसल जब हम स्वार्थ के सबसे छिछले स्तर पर सोचते हैं तो सिर्फ तात्कालिक लाभ को ध्यान में रखते हैं लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से सोचने पर समझ में आता है कि अगर दूसरों का भला करेंगे तो वही भलाई पलट कर हमारे पास आएगी.

कहानी है कि एक बार असुरों ने भगवान से शिकायत की कि हम भी तो आप ही की संतान हैं, फिर आप देवताओं से पक्षपात क्यों करते हैं? भगवान ने देवों-दैत्यों को अलग-अलग समूह में इकट्ठा किया और सबके हाथ में एक-एक लकड़ी बांध दी. फिर स्वादिष्ट भोजन की थाली सबके सामने रखवाकर कहा कि उसे खाएं. चूंकि लकड़ी बंधी होने से हाथ मुड़ नहीं सकता था, इसलिए असुरों ने खाने की कोशिश में सारा खाना जमीन पर गिरा दिया. उधर देवताओं ने हाथ सीधा रखते हुए भी एक-दूसरे को खिलाया और सबका पेट भर गया. तब भगवान ने असुरों को समझाया कि जो अपने बारे में सोचते हैं, उनके बारे में मैं नहीं सोचता लेकिन जो दूसरों का ध्यान रखते हैं, उनका ध्यान मैं रखता हूं.

हम मनुष्य जब तक प्रकृति का ध्यान रखते रहे तब तक प्रकृति भी हमारा ध्यान रखती रही, लेकिन अब जब हम पर्यावरण को तबाह करने पर तुले हैं तो प्रकृति भी तबाही लाने लगी है. ऐसा नहीं है कि प्रो. जी.डी. अग्रवाल मानव जाति के हितों के खिलाफ थे, लेकिन वे देख पा रहे थे कि तात्कालिक फायदों के लिए हम किस तरह से अपने दीर्घकालिक भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मूढ़ताएं आज हमें कितनी भी हास्यास्पद लगें, लेकिन अगर हमने विकास का अपना तरीका नहीं बदला तो हम सबका हाल भी ट्रम्प जैसा ही होना है, क्योंकि एक सीमा के बाद हम स्वार्थ में इतने अंधे हो जाते हैं कि महसूस ही नहीं होता विवेक नाम की भी कोई चीज होती है. दुनिया में ट्रम्प की बेशर्मी के नंगे नाच को देखकर भी अगर अमेरिकियों को शर्म नहीं आ रही है तो इसीलिए कि उन्हें लग रहा है वे उनके फायदे के लिए यह सब कर रहे हैं.

असम्भव नहीं है कि निकट भविष्य में ट्रम्प की ही राह दुनिया के सारे देश अपना लें और ट्रम्पवादी सोच समूची मानव जाति को फिर से जंगली जानवरों की श्रेणी में ला खड़ा करे, जहां पशुबल को ही कानून माना जाता है!

पोक्सो एक्ट, स्वस्थ व सुरक्षित बालिका जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गोविंदपुर (ससे) : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में पोक्सो एक्ट तथा स्वस्थ एवं सुरक्षित बालिका जागरूकता कार्यक्रम का

आयोजन किया गया। इसमें गोविंदपुर, धनबाद, निरसा एवं टुंडी प्रखंडों के हाई स्कूलों और प्लस टू हाई स्कूलों के एकएक शिक्षकों एवं दोदो बालिकाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बाल कल्याण समिति के पूर्व अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी ने कहा कि देश में जेजे एक्ट, जेजे रूल, पॉक्सो एक्ट व रूल समेत अनगिनत कानून और धाराएँ रहने तथा निर्भया कांड के बाद सख्त कानून बनने के बाद भी पौने दो लाख बच्चे अपराध के शिकार हो गए। इनमें ४५ प्रतिशत अपहरण और ३८ प्रतिशत पॉक्सो के मामले हैं। उन्होंने धनबाद के पॉक्सो पीड़िताओं के दर्द, आरोपियों को मिली सजा और बच्चों के पुनर्वास पर बात रखी। शिक्षकों से पितृहीन बच्चों को प्रायोजन योजना का लाभ हेतु आवेदन करने को कहा, ताकि बच्चों को प्रतिमाह चार हजार रुपये मिल सके। इसके लिए अभिभावक और बच्चे सीडब्ल्यूसी में आवेदन कर सकते हैं।

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी ने बालिकाओं से प्रताड़ना बर्दाश्त नहीं करने और बेड टच का पुरजोर विरोध करने की अपील की। उन्होंने कहा कि विद्यालय में यदि कोई सहपाठी या अन्य बुरी नीयत से परेशान करते हैं तो चुप बैठने की जरूरत नहीं है। इसके लिए पर्याप्त कानून है। सीडबलूसी ऐसे मामलों में बालिकाओं का पूरा सहयोग करेगी। डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। डायट प्राचार्य जगरनाथ लोहरा एवं उप प्राचार्य ओमप्रकाश ने सभी का स्वागत किया।

कार्यशाला को बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रीति कुमारी, सीडब्ल्यूसी की सदस्य ममता अरोड़ा, डायट फैकल्टी सुनीता कुमारी, सुधीर राय, सुमन सिंह, विनीता प्रसाद, सुनील कर्मकार आदि ने संबोधित किया। इस अवसर पर शिक्षकों और बालिकाओं ने विभिन्न सवाल रखे, जिसका उत्तर पदाधिकारियो ने दिया। शुक्रवार को शेष प्रखंडों के लिए कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

छात्रों को दिया गया आपदा प्रबंधन व प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण

धनबाद (कासं) : भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, धनबाद ने शंकर दयाल +२ उच्च विद्यालय रोआम, टीएपी +२ उच्च विद्यालय तोपचांची एवं कस्तुरबा गांधी झारखंड आवासीय विद्यालय तोपचांची में स्कूली छात्रों को आपदा प्रबंधन एवं प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया।

इस दौरान विद्यालय में युथ रेडक्रास का चयन, मॉक ड्रिल, प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी धनबाद के कार्यकारिणी सदस्य कुमार मधुरेन्द्र सिंह, कोषाध्यक्ष श्वेताम्बरा पाठक, प्रधानाचार्य डब्लु कुमार डे, प्रधानाचार्य डॉ ओमप्रकाश पाण्डेय, प्रधानाचार्य कुमारी सुनीता महतो के अलावा बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित रहे।

हत्याकांड का आरोपी गया जेल

बलियापुर (ससे) : बिरसिंहपुर गांव में जून २०२२ को घटी किरण देवी हत्याकांड मामले के फरार अभियुक्त बोकारो जिला अंतर्गत चंदनक्यारी के नोनियाडी निवासी ३८ वर्षीय संजय कर्मकार को बलियापुर पुलिस ने गिरफ्तार का जेल भेज दिया। मालूम हो कि उक्त हत्याकांड की घटना में कूल सात अभियूक्तों में छः अभियुक्त को न्यायालय द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद सभी जेल में है। सातवां अभियुक्त संजय कर्मकार घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। जिसे बलियापुर पुलिस ने चंदनकियारी स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया गया।

ननि चुनाव : पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल ने भरा पर्चा

धनबाद (कासं) : धनबाद नगर निकाय चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। पूर्व मेयर व मेयर पद के प्रत्याशी चंद्रशेखर अग्रवाल ने समाहरणालय पहुंचकर अपना नामांकन पत्र

दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक मौजूद रहे। नामांकन से पहले चंद्रशेखर अग्रवाल ने झरिया स्थित श्याम मंदिर से समर्थकों के साथ भव्य रैली निकाली। यह रैली झरिया से धनसार होते हुए शक्ति मंदिर पहुंची। इसके बाद नया बाजार, राजेंद्र सरोवर, सिटी सेंटर होते हुए मेमको मोड़ तक पहुंची। मेमको मोड़ से चंद्रशेखर अग्रवाल अपने समर्थकों के साथ पैदल ही समाहरणालय पहुंचे, जहां उन्होंने नामांकन प्रक्रिया पूरी की। रैली के दौरान जगहजगह समर्थकों ने उनका स्वागत किया।

मीडिया से बातचीत करते हुए चंद्रशेखर अग्रवाल ने कहा कि पूर्व में मेयर रहते हुए उन्होंने जनता के हित में कई विकास कार्य किए हैं, जिसे धनबाद की जनता भलीभांति जानती है। उन्होंने विश्वास जताया कि उन्हीं कार्यों के आधार पर जनता एक बार फिर उन्हें सेवा का अवसर देगी।

आगे उन्होंने कहा कि यदि जनता का समर्थन मिला और वे दोबारा मेयर चुने गए तो धनबाद के विकास के लिए और अधिक मजबूती से काम करेंगे।

महापौर के 16, अध्यक्ष पद के 6 नामांकन पत्रों की हुई बिक्री

धनबाद (कासं) : नगर निकाय चुनाव में धनबाद नगर निगम क्षेत्र में महापौर के पद के लिए १६ नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। वहीं चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष पद के लिए ६ एवं वार्ड पार्षद के लिए ३६ नामांकन पत्रों की बिक्री हुई। महापौर के पद के लिए एक प्रत्याशी ने नामांकन दाखिल किया। जबकि चिरकुंडा नगर परिषद के अध्यक्ष पद एवं वार्ड पार्षद तथा धनबाद नगर निगम के वार्ड पार्षद के लिए एक भी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं किया।

हिक्की गजट दिवस पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

जोड़ापोखर (ससे) : हिक्की गजट दिवस के अवसर पर बीबीएमकेयू के मास कम्युनिकेशन विभाग की ओर से भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय डिजिटल सुनामी में अखबारों का अंत या नई शुरुआत रखा गया था। कार्यक्रम में कुल १६ विद्यार्थियों ने अपने वक्तव्य रखेते हुए विषय के पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने डिजिटल मीडिया के बढ़ते प्रभाव और प्रिंट मीडिया की बदलती भूमिका पर तार्किक एवं प्रभावशाली वक्तव्य दिए। निर्णायक मंडल के मूल्यांकन के बाद अनिमेष कुमार को प्रथम, अंजलि चक्रवर्ती को द्वितीय तथा राज आर्यन शर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। विजेता एवं सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को विभाग की ओर से प्रमाण पत्र एवं सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. अमूल्य सुमन बेक ने की। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. विकास चंद्र एवं हर्षित कच्छप उपस्थित रहे। साथ ही स्कॉलर अंजलि कुमारी सहित अन्य विद्यार्थी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विभाग के शिक्षकों ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से विद्यार्थियों में समसामयिक मुद्दों की समझ के साथसाथ अभिव्यक्ति कौशल का विकास होता है।

राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर में दीक्षा समारोह आयोजित

धनबाद (कासं) : राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर , धनबाद में कक्षा बारहवीं की छात्राओं के लिए दीक्षा समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर

नैतिक मूल्यों से बढ़कर कुछ भी नहीं : एसएसपी

का उद्देश्य विद्यार्थियों को जीवन के आगामी चरण के लिए प्रेरित करना तथा उन्हें संस्कार, अनुशासन और मूल्यों से जोड़े रखना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभात कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, धनबाद रहे। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों को परिश्रम, धैर्य, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि सफलता केवल पुरस्कारों से नहीं, बल्कि मूल्यों, साहस और चरित्र से प्राप्त होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्लेषण करने, अपनी कमजोरियों पर कार्य करने तथा निरंतर परिश्रम करने की प्रेरणा दी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि तकनीक को अपना सेवक बनाएं, स्वामी नहीं।

इस अवसर पर विद्यालय की पूर्व छात्राओं निहारिका सिंह, २०२५ सीए टॉपर एवं नीतू सिंह बीसीसीएल, डिप्टी मैनेजर तथा सीबीएसई राष्ट्रीय खेलकूद प्रतियोगिता की स्वर्ण पदक विजेता ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतरता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि प्रत्येक विद्यार्थी में आगे बढ़ने की समान क्षमता होती है तथा जीवन में उत्कृष्टता, अनुशासन एवं सही दिशा में किए गए प्रयासों से प्राप्त होती है।

अध्यक्ष विनोद कुमार तुलस्यान ने संस्कार और सभ्यता को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ने की मंगल कामना की ।

विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने विद्यार्थियों को दीक्षा दी तथा अपने दीक्षा संबोधन में कहा कि वे अपने विद्यालय से जुड़े रहें, भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को जीवन में अपनाएं तथा भविष्य की चुनौतियों का सामना आत्मविश्वास एवं अनुकूलन क्षमता के साथ करें। विद्यालय की उप प्राचार्या लीला सिंह ने छात्राओं के परीक्षा परिणाम को घोषित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय की प्रभारी प्रतिमा चौबे द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

दीक्षा समारोह भावनात्मक, प्रेरणादायी एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें छात्राओं ने अपने विद्यालय पर गर्व व्यक्त किया और उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होने का संकल्प लिया।

आशीष अंबष्ठ बने डीआरयूसीसी के सदस्य

धनबाद (कासं) : सामाजिक और जनहित के मुद्दों पर सक्रिय रहने वाले धनबाद रघुवर नगर निवासी व लायकडीह डीप कोलियरी चिरकुंडा के आशीष अंबष्ठ को धनबाद रेल मंडल के मंडल रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति से स्थानीय रेल यात्रियों और व्यवसायिक संगठनों में खुशी की लहर है।

अपनी नई जिम्मेदारी पर आशीष अंबष्ठ ने कहा कि वे धनबाद रेल मंडल के तहत यात्री सुविधाओं के विस्तार, ट्रेनों के ठहराव और स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को समिति की बैठकों में प्रमुखता से रखेंगे। उनका मुख्य उद्देश्य यात्रियों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना और रेल सेवाओं को बेहतर बनाने में सहयोग देना होगा। उनकी इस उपलब्धि पर विभिन्न संगठनों और गणमान्य व्यक्तियों ने उन्हें उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

स्वर्णकार कारीगर संघ का निर्जला उपवास शुरू

धनबाद (कासं) : सोना और चांदी के लगातार बढ़ती कीमतों को देखते हुए गोल्ड कन्ट्रोल एक्ट एवं एक्साईज ड्यूटी लगवाने के लिए तथा सोना चांदी को शेयर मार्केट से हटवाने सहित सोना एवं चांदी के सभी व्यापारियों एवं कारीगरों के पास मात्र १०० ग्राम सोना एवं ५ किलो चांदी रखने का आदेश भारत सरकार द्वारा जारी किये जाने के मामले में स्वर्णकार कारीगर संघ के द्वारा धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर दो दिवसीय निर्जला उपवास अनशन शुरू किया गया है।

निर्जला उपवास के द्वारा आंदोलन कर रहे स्वर्णकार कारीगर संघ के लोगों ने बताया कि इस आंदोलन के माध्यम से जनता एवं सरकार को जगाने एवं यह बताने की कोशिश की जा रही है कि आज गोल्ड कन्ट्रोल एक्ट एवं एक्साईज ड्यूटी हट जाने के कारण सोना एवं चांदी की बनी हुई जेवरात, रेडिमेट आभूषण अलगअलग राज्यों से अवैध तरीके से तस्करी कर यहां लाया जा रहा है। जिसके कारण देश के लाखों सोना चांदी के गरीब कारीगरों को सोना चांदी का काम मिलना मुश्किल हो गया है। आज परिस्थिति ऐसी हो चुकी है कि देश के लाखों सोनार कारीगरो के परिवारो की स्थिति भूखमरी के कगार पर पहुँच गई है। ऐसा न हो कि देश के सोनार कारीगरो को मजबूर होकर आत्महत्या करना पड़ जाए। स्वर्णकार कारीगर संघ ने सरकार एवं प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि सोना एवं चांदी पर सरकार कन्ट्रोल एक्ट एवं एक्साईज ड्यूटी लागू करे।

वहीं, धरना दे रहे स्वर्णकार संघ से मिलने पहुंचे पूर्व मेयर सह धनबाद मेयर प्रत्याशी चंद्रशेखर अग्रवाल ने कहा कि बड़े-बड़े व्यवसायी छोटे दुकानदारों को खा जाएंगे, यह उसी का जीता जागता उदाहरण है। आज बड़े बड़े कॉरपोरेट घरानों की वजह से गलीकूचों में दिखने वाले सोनेचांदी के दुकान आहिस्ताआहिस्ता समाप्त होते जा रहें हैं। उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस ओर ध्यान देने की मांग की।

आईएसएम का देश के प्रतिष्ठित सेमीकंडक्टर प्रोग्राम में चयन

धनबाद (कासं) : आईआईटी आईएसएम धनबाद के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के लिए यह गर्व का मौका है कि यहां की एक छात्र टीम को देशभर की टॉप ३७ टीमों में जगह मिली है। इनका चयन वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया के प्रतिष्ठित (वन टेपआउट पर स्टूडेंट) प्रोग्राम में हुआ है, जिसका मकसद भारत में इंडस्ट्रीरेडी चिप डिजाइन टैलेंट तैयार करना है।

इस प्रोग्राम के तहत वीएसआईछात्रों को एमपीडब्लू चिप टेपआउट के लिए ५ लाख तक की फंडिंग देगी, जिससे वे अपना पूरा सिलिकॉन प्रोटोटाइप तैयार कर सकें। आईआईटी-आईएसएम की टीम वालेशम इस दौरान ६५ नैनोमीटर टेक्नोलॉजी पर आधारित एक लोपावर और लोएरिया आरआईएससी- वी सिस शिसटम ऑन चिप (एसओसी) डिजाइन और टेप-आउट करेगी।

यह एसओसी खास तौर पर रोबोटिक्स और ड्रोन एप्लिकेशन को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। इसमें लिनौक्स सपोर्ट वाला आरआईएससी-वी कोर और कस्टम एआई एक्सेलेरेटर होगा, जो सीएनएन जैसे रियल-टाइम कंप्यूटर विज़न टास्क संभाल सकेगा। यह प्रोजेक्ट ओपनसोर्स आरआईएससी-वी आर्किटेक्चर और स्वदेशी वीएलएसआई डिजाइन वर्कफ्लो पर आधारित है, जो इंडिया सेमी कंडक्टर मिशन और आत्मनिर्भर भारत के विज़न के साथ पूरी तरह मेल खाता है।

टीम को अकादमिक मार्गदर्शन प्रो. राजीव कुमार रंजन दे रहे हैं, जबकि इंडस्ट्री मेंटर के तौर पर सुमित कुमार, सीनियर मैनेजर - डिजाइन वेरिफिकेशन इंजीनियरिंग, अनलोग डिविसेस जुड़े हैं, जिनके पास १५ साल से ज्यादा का अनुभव है। संस्थान ने डॉ. सत्य गुप्ता, सीईओ, वी एस आई और उनकी टीम को १ टॉप्स पहल के जरिए भारत में मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

टीम में महारिशि सोनवानी, सौम्यजीत सामंता, नितिन सिंघल, अमरकांत, आदित्य रंजन, धनंजय झा, कृष्ण सुरलाकर और प्रद्युम्न अग्रवाल शामिल थे। यह उपलब्धि आईआईटीआईएसएम धनबाद की उभरती भूमिका को दर्शाती है।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक घायल

धनबाद (कासं) : कुमारधुबी स्टेशन में आसनसोल्मया ईएमयू एक्सप्रेस चलती ट्रेन से उतरने के क्रम में गिरने से बराकर का एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्टेशन में पदास्थापित आरपीएफ व जीआरपी पुलिस तत्काल घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल भिजवा दिया। उक्त युवक चलती ईएमयू ट्रेन से उतरने के दौरान गिर गया। उक्त युवक का एक पैर एक हाथ बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया की युवक चलती ट्रेन से उतर रहा था। तभी वह प्लेटफार्म एवं ट्रेन के बीच में युवक गिर गया। जिसमें उसका पैर एवं हाथ बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया है। यह घटना बड़ी दुखदायी एवं भयानक है। घायल युवक के पिता का नाम बबुआ गुप्ता तथा युवक का नाम करण गुप्ता बताया जाता है।

आठवीं प्री बोर्ड परीक्षा संपन्न

बलियापुर (ससे) : उपायुक्त धनबाद के निर्देश पर बलियापुर क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में आठवीं प्री बोर्ड परीक्षा का आयोजन दो पालियों में किया गया। परीक्षा संचालन हेतु गठित प्रखंड अनुश्रवण दल में शामिल प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रीना कुमारी एवं बीआरपी राकेश प्रसाद ने क्षेत्र के बोर्ड मध्य विद्यालय बलियापुर, उर्दू मध्य विद्यालय सिगिंयाटांड़, बालिका मध्य विद्यालय बलियापुर, उत्क्रमित उच्च विद्यालय डगेपाड़ा का निरीक्षण किया। परीक्षा में कूल १८६१ छात्र-छात्राओं में १७७३ विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रीना कुमारी ने बताया कि परीक्षा कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एक शुभचिंतक

चंदनकियारी रोड

चास

बीसीसीएल में पोश अधिनियम पर सेंसिटाइजेशन कार्यक्रम का आयोजन

धनबाद (कासं) : कल्याण भवन, एचआरडी बीसीसीएल में 'कार्यस्थल पर महिला यौन उत्पीड़न संरक्षण अधिनियम (पीओएसएच एक्ट) २०१३' के प्रावधानों पर बीसीसीएल के आंतरिक समिति (आईसी) के सदस्यों तथा क्षेत्रीय प्रबंधकों (मानव संसाधन) हेतु एक दिवसीय सेंसिटाइज़ेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों में अधिनियम के कानूनी प्रावधानों, भूमिकाओं, दायित्वों तथा आंतरिक समिति द्वारा अनुसरण की जाने वाली जांचप्रक्रिया के संबंध में व्यापक जागरूकता और स्पष्ट समझ विकसित करना था, जिससे संगठन में पीओएसएच अधिनियम का प्रभावी और संवेदनशील क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कोयला भवन मुख्यालय एवं बीसीसीएल के सभी क्षेत्रों से ५० अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम में निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने बतौर मुख्य अतिथि अपनी सहभागिता की। अवसर पर महाप्रबंधक (एचआरडी) अनूप कुमार रॉय, विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना), शोभा.जे.कुजूर सहित कोयला भवन मुख्यालय एवं एचआरडी के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। कोलकाता की प्रसिद्ध व्यवहार परामर्शदाता (बिहेवियरल कंसल्टेंट) शयंती रॉय ने विषयविशेषज्ञ तथा प्रशिक्षक के तौर पर कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने प्रतिभागियों को पूरे दिन आयोजित सत्रों में पोश अधिनियम के महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया।

अपने संबोधन में निदेशक (मानव संसाधन) श्री रमैया ने कहा कि पीओएसएच अधिनियम कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का एक महत्वपूर्ण विधायी प्रावधान है, जिसका अनुपालन कर एक बेहतर और संवेदनशील कार्यसंस्कृति का निर्माण किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी, प्रबंधक और आंतरिक समिति सदस्य का दायित्व है कि वे अधिनियम के प्रावधानों की गहन समझ रखते हुए निष्पक्ष और संवेदनशील कार्य वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँ। उन्होंने कहा कि एक उत्तरदायी और संवेदनशील संस्कृति विकसित करने के लिए ऐसे कानूनों के प्रति जागरूकता और उनका प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है।

शयंती रॉय ने अपने विस्तृत व रोचक सत्रों में आंतरिक समिति (आईसी) के गठन, उसकी संरचना एवं कार्यप्रणाली, आईसी की भूमिका और दायित्व, साक्ष्य एवं

परिस्थितिजन्य गवाहों की महत्ता, शिकायतकर्ता और प्रतिवादी की प्रक्रिया, तथा जांचप्रक्रिया की चरणबद्ध विधि जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिभागियों की व्यावहारिक समझ विकसित करने हेतु एक काल्पनिक परिदृश्य तैयार किया गया, जिसके माध्यम से उन्हें वास्तविक परिस्थितियों में समिति की कार्यप्रणाली का अनुभव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के दौरान क्विज़, संवादात्मक चर्चाओं और वनटूबन इंटरैक्शन ने प्रशिक्षण को और अधिक प्रभावी और सारगर्भित बनाया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के औपचारिक स्वागत, सामूहिक दीपप्रज्वलन और कोल इंडिया गीत के साथ की गयी, जिसके उपरांत विविध सत्रों का आयोजन हुआ। समापन सत्र में विभागाध्यक्ष (अधिकारी स्थापना) शोभा जे. कुजूर ने बीसीसीएल प्रबंधन की ओर से प्रशिक्षक शयंती रॉय को स्मृतिचिह्न भेंट कर सम्मानित किया और औपचारिक रूप से धन्यवाद ज्ञापित कर सभी गणमान्य अतिथियों, प्रतिभागियों, अधिकारियों तथा आयोजन टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का औपचारिक समापन हुआ, जिसमें सभी उपस्थित अधिकारियों एवं प्रतिभागियों ने राष्ट्रनिर्माण और संगठनात्मक विकास के प्रति अपनी सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम का संचालन वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन) सफुरा रुबाब ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में एचआरडी के प्रबंधक (मानव संसाधन) सुमित कुमार, प्रबंधक (खनन) दीपक कुमार तथा अन्य कर्मियों का विशेष योगदान रहा।

उप विकास आयुक्त ने किया जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करना एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करना था। बैठक में अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला परिवहन पदाधिकारी मारूति मिंज, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, ट्रैफिक डीएसपी विद्या शंकर, उत्पाद अधीक्षक, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि जिले के अधिक से अधिक नौजवानों को सड़क सुरक्षा वोलेंटियर के रूप में प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि युवाओं की भागीदारी से सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ेगी। इसके लिए जिले के सभी विद्यालयों में विशेषकर सड़क किनारे स्थित विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रमों का एक वार्षिक कैलेंडर तैयार करने का निर्देश जिला शिक्षा पदाधिकारी को दिया। ताकि स्कूल, कॉलेज, चौक-चौराहों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित अभियान चलाया जा सके।

बैठक में चास नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत सड़क किनारे संचालित अवैध मोटर वाहन गैरेजों एवं अवैध पार्किंग की समस्या पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। उप विकास आयुक्त ने नगर निगम प्रशासन को निर्देश दिया कि ऐसे अवैध गैरेजों एवं अवैध पार्किंग स्थलों की पहचान कर त्वरित एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें, जिससे यातायात बाधित नहीं हो और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो।

ट्रैफिक विभाग को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक माह की गई सभी कार्रवाई, जैसे चालान, वाहन जांच, जागरूकता अभियान एवं दुर्घटना से संबंधित आंकड़ों की समेकित रिपोर्ट तैयार कर जिला सड़क सुरक्षा समिति के समक्ष प्रस्तुत करें, ताकि नियमित समीक्षा के आधार पर आगे की रणनीति तय की जा सके।

जिले के चरगी, पेटरवार से दांतू चौक तक एनएच-२३, एनएच-३२ एवं २१८ मार्ग पर दुर्घटना संभावित स्थलों को चिह्नित करते हुए सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रिफ्लेक्टिव स्टड्स एवं डिलाइनेटर लगाने का निर्देश राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) प्रतिनिधि को दिया गया। इससे रात्रि के समय दृश्यता बढ़ेगी और दुर्घटनाओं में कमी आएगी।

स्कूल बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उप विकास आयुक्त ने डीटीओ एवं डीईओ को स्कूल प्रबंधन के साथ संयुक्त रूप से बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्कूल बसों के लिए जारी सभी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि बच्चों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित हो सके।

हिट एंड रन से संबंधित लंबित मुआवजा आवेदनों की समीक्षा* करते हुए उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि ऐसे सभी मामलों के निष्पादन में तेजी लाई जाए। उन्होंने विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने को कहा कि दुर्घटना में मृतक के परिजनों को यथाशीघ्र मुआवजा राशि का भुगतान हो, ताकि उन्हें आर्थिक सहायता समय पर मिल सके।

बैठक के अंत में उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी के संयुक्त प्रयास से ही सुरक्षित यातायात व्यवस्था संभव है। इससे पूर्व, जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) मारूति मिंज ने पिछली बैठक में विभिन्न विभागों को दिए गए निर्देशों के अनुपालन की क्रमवार जानकारी दी। जिस पर डीडीसी ने संबंधित विभागों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया।

सब साथ मिलकर कर रहे काम : थरूर

नई दिल्ली(ईएमएस): कांग्रेस में पार्टी हाईकमान से मतभेद की खबरों के बाद कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े और राहुल गांधी से मुलाकात की। तीनों के बीच बैठक संसद में खडग़े के कार्यालय में हुई। मुलाकात के बाद थरूर ने कहा कि मेरी पार्टी के दोनों नेताओं से बातचीत हुई। सब ठीक है। हम सब एक साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मैंने हमेशा पार्टी के लिए प्रचार किया है।

यह मुलाकात ऐसे समय हुई, जब थरूर और पार्टी लीडरशिप के बीच कुछ मतभेद सामने आए थे। हाल ही में केरल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर एआईसीसी की एक बैठक हुई थी, जिसमें थरूर शामिल नहीं हुए थे। वहीं केरल का सीएम बनने के सवाल पर थरूर ने कहा कि मेरी इस बारे में कभी बात नहीं हुई। मुझे किसी भी चीज के लिए उम्मीदवार बनने में कोई दिलचस्पी नहीं है।

नाम निर्देशन प्रक्रिया को लेकर डीडीसी व एसी ने बेरमो प्रखंड कार्यालय का लिया जायजा

बोकारो (ससे): नगर पालिका आम निर्वाचन २०२६ को लेकर प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। गुरुवार से नगर पालिका क्षेत्र में मेयर, चेयरमैन एवं वार्ड सदस्यों के लिए नाम निर्देशन प्रपत्र दाखिल करने की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है।

इसी क्रम में फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के लिए नाम निर्देशन की व्यवस्थाओं का जायजा लेने हेतु उप विकास आयुक्त (डीडीसी) शताब्दी मजूमदार एवं अपर समाहर्ता (एसी) मोहम्मद मुमताज अंसारी ने बेरमो प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान डीडीसी एवं एसी द्वारा प्रखंड कार्यालय के विभिन्न कक्षों का भ्रमण किया गया। इस क्रम में निर्वाची पदाधिकारी (आरओ) एवं सहायक निर्वाची पदाधिकारी (एआरओ) के कक्षों का निरीक्षण करते हुए उपलब्ध सुविधाओं, आवश्यक व्यवस्थाओं एवं नाम निर्देशन प्रक्रिया से संबंधित तैयारियों की जानकारी ली गई। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। वहीं, क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सख़्ती से सुनिश्चित करने का निर्देश पदाधिकारियों को दिया।

मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी, बेरमो सह निर्वाची पदाधिकारी मुकेश मछुआ, निर्वाची पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी, बेरमो मुकेशकुमार,निर्वाची पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी बेरमो संजीत कुमार, निर्वाची पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी जरीडीह प्रणव ऋतुराज, निर्वाची पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी चंद्रपुरा ईश्वर दयाल महतो, सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह कार्यपालक दंडाधिकारी कुमार कनिष्क सहित अन्य कोषांगों के पदाधिका- कर्मी उपस्थित थे।

सड़क एवं कार्यस्थल सुरक्षा को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र में सड़क एवं कार्यस्थल सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा सुरक्षा सर्वप्रथम की भावना को कार्य संस्कृति में प्रभावी रूप से आत्मसात करने के उद्देश्य से निरंतर विविध प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है. इसी क्रम में एसएमएस-न्यू विभाग द्वारा सुरक्षा जागरूकता संवाद कार्यक्रम तथा प्लांट प्लाज़ा रोड पर विशेष मानव श्रृंखला कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य कर्मियों में सुरक्षा चेतना को सशक्त बनाना और सड़क एवं कार्यस्थल सुरक्षा को दैनिक कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाना रहा.सुरक्षा जागरूकता संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त उपस्थित रहे. उनके साथ मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) बी. के.सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-न्यू) पी. वी. राव सहित एसएमएस-न्यू एवं सुरक्षा अभियंत्रण विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक उपस्थित थे. कार्यक्रम के दौरान अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त ने एसएमएस-न्यू विभाग में कार्यरत कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों से सीधा संवाद किया. उन्होंने सभी कर्मियों से सुरक्षित कार्य व्यवहार अपनाने और प्रत्येक परिस्थिति में सतर्क रहने का आह्वान किया. श्री दत्त ने सुरक्षित, स्वस्थ एवं दुर्घटना-मुक्त कार्य वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष बल देते हुए कहा कि सुरक्षा के प्रति जागरूकता ही सतत उत्पादन और संगठन की प्रगति की आधारशिला है.

संवाद सत्र के दौरान उन्होंने उपस्थित कर्मियों से सुरक्षा से संबंधित सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त किए तथा अपने अनुभव भी साझा किए. इस अवसर पर कर्मियों ने सक्रिय सहभागिता निभाते हुए सुरक्षित कार्य परिवेश को और अधिक सुदृढ़ बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की तथा शून्य-दुर्घटना कार्यस्थल की दिशा में निरंतर प्रयास जारी रखने का संकल्प दोहराया. वहीं, प्लांट प्लाज़ा रोड पर आयोजित मानव श्रृंखला कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों ने सुरक्षा संदेशों से युक्त तख्तियाँ के माध्यम से सड़क एवं कार्यस्थल दोनों पर सतर्कता, अनुशासन एवं जिम्मेदार व्यवहार का सशक्त संदेश दिया.

एसएमसी का पुनर्गठन 31 को

डुमरी (ससे): राजकीय बुनियादी विद्यालय डुमरी के प्रांगण में प्रबंधन समिति एवं सरस्वती वाहिनी संचालन समिति के पुनर्गठन हेतु ३१ जनवरी (शनिवार) को एक आम सभा का आयोजन किया गया है।उक्त जानकारी स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक दिवाकर महतो ने दी है। वहीं उन्होंने बताया कि आम सभा में विद्यालय पोषक क्षेत्र के पढ़ने वाले बच्चों के माता-पिता, अभिभावक, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं व शिक्षाविदों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए संबंधित लोगों से संपर्क किया जा रहा है।

ताकि समिति में पोषक क्षेत्र के सभी अभिभावकों की भागीदारी हो सके।

अवैध माईका भंडारण के विरुद्ध छापामारी

गिरिडीह (ससे): उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रामनिवास यादव के निर्देश आलोक में तिसरी प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम चकलमुण्डा, पंचायत खिजुरी में गुप्त सूचना के आधार पर अवैध माईका भंडारण के विरुद्ध छापामारी अभियान चलाया गया। अंचल अधिकारी, तिसरी अखिलेश प्रसाद के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई जांच के दौरान विभिन्न परिसरों में काफी मात्रा में अवैध माईका का भंडारण पाया गया, जिसे तिसरी थाना के सहायक अवर निरीक्षक श्री लव कुमार की उपस्थिति में विधिवत सील कर दिया गया है।

बरामद माईका की कुल मात्रा लगभग ५४.५ टन आँकी गई है, जिसमें एक स्थल से लगभग ४.५ टन तथा दूसरे स्थल से लगभग ५० टन माईका बरामद किया गया। साथ ही खनन एवं खनिज अधिनियम सहित अन्य सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी, खोरीमहुआ, अनिमेष रंजन ने कहा कि अनुमंडल प्रशासन अवैध खनन, भंडारण एवं खनिज के अवैध व्यापार के विरुद्ध निरंतर सघन अभियान चला रहा है। उपायुक्त -सह- जिला दंडाधिकारी, गिरिडीह के निदेश के आलोक में की गई इस कार्रवाई के तहत अवैध रूप से संग्रहित माईका को जब्त कर गोदामों को सील किया गया है तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा की भविष्य में भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी.

समीर वानखेड़े को हाई कोर्ट से झटका

नई दिल्ली(ईएमएस): आर्यन खान ड्रग केस के जांच अधिकारी रहे समीर वानखेड़े को गुरुवार को दिल्ली हाई कोर्ट से झटका लगा। अदालत ने आर्यन खान की वेब सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड के खिलाफ दायर उनकी याचिका को खारिज कर दिया।

कोर्ट ने कहा कि इस मामले की सुनवाई करने का उसके पास अधिकार नहीं है। हालांकि, अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि समीर वानखेड़े चाहें तो उचित अदालत में दोबारा याचिका दायर कर सकते हैं। अंतरिम याचिका पर फैसला सुनाते हुए अदालत ने दो अहम सवालों पर विचार किया। समीर वानखेड़े ने इस मुकदमे में २ करोड़ रुपए का मुआवजा भी मांगा था। उनका कहना था कि वह इस राशि को टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल में कैंसर मरीजों के इलाज के लिए दान करना चाहते हैं।

बीएसएल में महिला अधिकारियों के लिए बहीखाता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो (ससे): प्रबंधकीय क्षमताओं को संगठनात्मक लक्ष्यों के अनुरूप विकसित करने के उद्देश्य से मानव संसाधन विभाग के ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र में महिला अधिकारियों के लिए बहीखाता नामक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में विभिन्न विभागों की कुल १४ महिला अधिकारियों ने भाग लिया. वरीय प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) सुश्री प्रीति कुमारी ने अपने स्वागत सम्बोधन में आज के गतिशील कारोबारी माहौल में वित्तीय साक्षरता के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला. कार्यक्रम के दौरान सभी सत्रों का संचालन श्री अमित आनंद, सहायक महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) के द्वारा किया गया, जिन्होंने संकाय के रूप में बुनियादी लागत, वित्तीय विवरणों की समझ और विश्लेषण, वाणिज्यिक पहलुओं के बुनियादी सिद्धांत और अनुपात विश्लेषण सहित प्रमुख विषयों के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की तथा व्यावहारिक अनुप्रयोग पर विशेष रूप से डिजाइन किए गए कार्यक्रम में प्रतिभागियों को क्रॉस-फ़ंक्शनल निर्णय लेने और बेहतर व्यावसायिक प्रदर्शन के बारे में अपने मूल्य-संचालित अनुभवों को साझा किए.

सेल के विभिन्न समीक्षा बैठकों में, परिचालन दक्षता बढ़ाने और संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ व्यक्तिगत प्रदर्शन को संरेखित करने के लिए अधिकारियों के वित्तीय और वाणिज्यिक कौशल को मजबूत करने की आवश्यकता पर लगातार जोर दिया गया है. वित्तीय और वाणिज्यिक अवधारणाओं की अच्छी समझ अधिकारियों को निर्णय लेने, संसाधन उपयोग को अनुकूलित करने और बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) की लाभप्रदता और दीर्घकालिक स्थिरता में सार्थक योगदान करने के लिए सशक्त बनाती है.

कार्यक्रम के समापन सत्र में मुख्य महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) नीता बा ने प्रतिभागियों को संगठनात्मक प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए अपनी संबंधित भूमिकाओं में कार्यक्रम में शामिल विषयों को व्यवसायिक जीवन में लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया. कार्यक्रम का समन्वय प्रीति कुमारी, वरीय प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) द्वारा किया गया. कार्यक्रम के सुचारू संचालन में सीमा कुमारी का विशेष योगदान था.मानव संसाधन के अन्तर्गत ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग बीएसएल में वित्तीय रूप से सूचित, व्यावसायिक रूप से जागरूक और प्रदर्शन संचालित प्रशिक्षण को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता के रूप में बहीखाता कार्यक्रम को भविष्य में भी जारी रखेगा.

जेईई मेन के पहले सेशन में बोकारो के कुल 3479 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा, 138 रहे अनुपस्थित

बोकारो (ससे): राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की ओर से इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए आयोजित देश की प्रतिष्ठित संयुक्त प्रवेश परीक्षा मुख्य (जेईई मेन) गुरुवार को बोकारो में शांतिपूर्वक संपन्न हो गई। २१ से २९ जनवरी की अवधि में यहां छह दिनों की परीक्षा में कुल आवंटित ३६१७ अभ्यर्थियों में ३४७९ ने परीक्षा दी। जबकि, १३८ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के लिए यहां दो केंद्र बनाए गए थे। पहला सेंटर चिकसिया (चास) में डॉ. एस. राधाकृष्णन बीएड कॉलेज के समीप बोकारो एजुकेशन ट्रस्ट कैंपस स्थित अल्फा आईसीटी सेंटर तथा दूसरा ग्वालाडीह मोड़, पुरुलिया रोड, चास स्थित क्रिसेन्ट लैब्स (क्रिसेन्ट पब्लिक स्कूल के निकट) बनाया गया था। अंतिम दिन केवल एक केन्द्र अल्फा आईसीटी सेंटर पर सिर्फ पहली पाली में पेपर २ए (बी. आर्क), पेपर २बी (बी.प्लानिंग) तथा पेपर-२ए और २बी, दोनों की परीक्षाएं ली गईं। इसमें कुल आवंटित ४९ परीक्षार्थियों में से ३८ उपस्थित तथा ११ अनुपस्थित रहे। इसके पूर्व, परीक्षा के पहले दिन २१ जनवरी को कुल ६७६, दूसरे दिन २२ जनवरी को ६९५, २३ जनवरी को ६९२, २४ जनवरी को ६९४ तथा २८ जनवरी को कुल ६४४ अभ्यर्थी पेपर-१ (बीई/बीटेक) की परीक्षा में शामिल हुए।

एनटीए के सिटी कोऑर्डिनेटर एवं डीपीएस बोकारो के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने परीक्षा के सफल, सुचारू एवं कदाचारमुक्त आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसके लिए सभी केंद्राधीक्षकों, पर्यवेक्षकों तथा जिला प्रशासन के सहयोग के प्रति विशेष रूप से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि परीक्षाएं पूर्णयता शांतिपूर्ण माहौल में हुईं। कहीं से भी किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी की सूचना नहीं है।

सिटी कोऑर्डिनेटर डॉ. गंगवार ने बताया कि अब आगामी ०२ से ०८ अप्रैल, २०२६ की अवधि में जेईई मेन के दूसरे सत्र की परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपना करियर संवारने को इच्छुक विद्यार्थियों के लिए जेईई मेन मुख्य आधार है। जेईई मेन का एग्जाम दो सत्रों में इसलिए करवाया जाता है, ताकि स्टूडेंट्स अगर एक सेशन में अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाएं तो दूसरे सत्र में वे फिर से अच्छा परसेंटाइल पाने की कोशिश कर सकें। अभ्यर्थियों के लिए स्कोर बढ़ाने का यह एक अच्छा मौका होता है। एनटीए दोनों सत्रों में से उसी सत्र का स्कोर फाइनल रिजल्ट में शामिल करता है, जिसमें परीक्षार्थी को ज्यादा अंक मिले होते हैं। लिहाजा, दोनों सेशन में एग्जाम देने से फाइनल रैंक सुधारने का अवसर मिलता है, जिसका लाभ विद्यार्थियों को अवश्य लेना चाहिए।

नामांकन प्रक्रिया शुरू, 198 उम्मीदवारों ने खरीदे पर्चे

बोकारो (ससे): नगरपालिका आम निर्वाचन २०२६ को लेकर जिले में नामांकन प्रपत्रों की बिक्री एवं नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पहले दिन बोकारो जिले के दोनों नगर निकाय क्षेत्रों में कुल १९८ उम्मीदवारों ने नामांकन प्रपत्रों की खरीदारी की।

चास नगर निगम क्षेत्र में महापौर पद के लिए कुल १६ उम्मीदवारों ने नामांकन प्रपत्र खरीदे, जबकि वार्ड पार्षद पद के लिए ११६ उम्मीदवारों ने प्रपत्र लिया। वहीं, नगर परिषद फुसरो में अध्यक्ष पद के लिए कुल ०२ उम्मीदवारों तथा वार्ड पार्षद पद के लिए ६४ उम्मीदवारों ने नामांकन प्रपत्र की खरीदारी की। इस प्रकार, पहले दिन जिले के दोनों नगर क्षेत्रों में कुल १९८ उम्मीदवारों द्वारा नामांकन प्रपत्र खरीदा गया।

नामांकन प्रक्रिया को सुचारु एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन ने एसडीओ कार्यालय, चास परिसर तथा प्रखंड विकास पदाधिकारी, बेरमो कार्यालय परिसर के मुख्य द्वार के समक्ष बैरिकेटिंग की व्यवस्था की है। इसके तहत केवल उम्मीदवार, उनके प्रस्तावक एवं समर्थकों को ही परिसर में प्रवेश की अनुमति दी जा रही है, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था नहीं हो।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नामांकन प्रपत्र की बिक्री एवं नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया ०४ फरवरी २०२६ तक जारी रहेगी। चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

नगरपालिका आम निर्वाचन २०२६: नामांकन प्रक्रिया शुरू, पहले दिन १९८ उम्मीदवारों ने खरीदे पर्चे।

वेदांता लिमिटेड का दमदार प्रदर्शन: तीसरी तिमाही में मुनाफ़ा 60% बढ़कर 7,807 करोड़

मुंबई : वेदांता लिमिटेड ने वित्त वर्ष २०२५-२६ की तीसरी तिमाही में शानदार नतीजे दर्ज किए हैं। कंपनी का कर के बाद मुनाफ़ा सालाना आधार पर ६० फीसदी बढ़कर ₹७,८०७ करोड़ हो गया है। इस तिमाही में कंपनी की आय ₹४५,८९९ करोड़ रही, जो पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले १९ फीसदी अधिक है। वहीं, कंपनी का - ₹१५,१७१ करोड़ दर्ज किया गया, जिसमें ३४ फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। बेहतर संचालन और लागत नियंत्रण के चलते - मार्जिन बढ़कर ४१ फीसदी तक पहुँच गया।

वेदांता की वित्तीय स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। कंपनी का नेट कर्ज़ बनाम अनुपात १.४० गुना से घटकर १.२३ गुना रह गया है। वहीं, निवेश पर मिलने वाला रिटर्न २७ फीसदी रहा।

कंपनी ने वित्त वर्ष २६ के पहले नौ महीनों में विकास और विस्तार कार्यों पर करीब १.३ अरब डॉलर का निवेश किया है। इस दौरान वेदांता के सभी प्रमुख कारोबारों में मज़बूत और रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया गया। एलुमिनियम उत्पादन ६२० किलोटन रहा एलुमिना उत्पादन ५७ फीसदी बढ़कर ७९४ किलोटन पहुँचा जिंक इंडिया में खनन और परिष्कृत धातु उत्पादन में बढ़ोतरी हुई आयरन ओर और पिग आयरन उत्पादन में इज़ाफा दर्ज किया गया कॉपर कैथोड का उत्पादन पिछले सात सालों में सबसे अधिक रहा पावर कारोबार में बिक्री ६१ फीसदी बढ़ी

तिमाही के दौरान वेदांता को अपने प्रस्तावित डीमर्जर के लिए माननीय एनसीएलटी से मंज़ूरी मिली है। इसके बाद उठखडखड और खउठ- ने कंपनी की -- क्रेडिट रेटिंग को बरकरार रखा है। कंपनी के शेयरों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है और इस तिमाही में निवेशकों को करीब ३० फीसदी का रिटर्न मिला है। वहीं, पिछले पाँच वर्षों में वेदांता ने निवेशकों को ४२८ फीसदी का कुल रिटर्न दिया है।

वेदांता लिमिटेड के एग्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर अरुण मिश्रा ने कहा कि यह तिमाही कंपनी के लिए बेहद अहम रही है। सभी प्रमुख कारोबार में रिकॉर्ड प्रदर्शन के साथ डीमर्जर की मंज़ूरी वेदांता के अगले विकास चरण की मज़बूत नींव रखती है।वहीं, कंपनी के चीफ़ फाइनेंशियल ऑफिसर अजय गोयल ने कहा कि मुनाफ़े, आय और एइखढ़ऊ- में हुई बढ़ोतरी से कंपनी की वित्तीय मजबूती और बाज़ार का भरोसा साफ़ झलकता है।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

ननि चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशियों के नाम की घोषणा नहीं करेगी : बाबूलाल मराण्डी

गोविंदपुर (ससे) : भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा कि नगर निकाय चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशियों की नाम की घोषणा नहीं करेगी और न ही भाजपा के सांसद विधायक किसी प्रत्याशी के लिए खुलकर प्रचार ही करेंगे। उन्होंने गोविंदपुर में समाजसेवी शंभूनाथ अग्रवाल के आवास पर कहा कि निकाय चुनाव दलीय आधार पर नहीं हो रहा है। इसलिए पार्टी किसी खास नाम की घोषणा नहीं करेगी। कार्यकर्ताओं को आंतरिक रूप से समझने का प्रयास किया जाएगा कि दल समर्थित एक ही प्रत्याशी मैदान में रहे और यदि एक से अधिक प्रत्याशी मैदान में रहेंगे तो आकलन कर मजबूत प्रत्याशी को आंतरिक समर्थन दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भाजपा मांग कर रही थी कि दलीय आधार पर चुनाव हो, परंतु हेमंत सोरेन सरकार ने ऐसा नहीं किया। इसलिए पार्टी ने अब किसी भी निकाय में मजबूत प्रत्याशी को आंतरिक रूप से समर्थन देने का निर्णय लिया है। यदि दलीय आधार पर चुनाव होते तो सभी निकायों के लिए भाजपा अलगअलग प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करती। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी पार्टी यह कोशिश करेगी कि अपने दल का एक ही व्यक्ति चुनाव लड़े। इसके लिए आपस में तालमेल हो।

रायशुमारी कर मजबूत प्रत्याशी का समर्थन दिया जाए । भाजपा कोशिश करेगी की कार्यकर्ताओं में पास में टकराव नहीं हो। मिलजुल कर चुनाव लड़े। यदि किसी स्थान से भाजपा के कई लोगों ने नामांकन कर दिया हो तो कोशिश रहेगी कि मजबूत प्रत्याशी के पक्ष में सभी को बैठा दिया जाए। गोविंदपुर पहुंचने पर उद्योगपति प्रदीप संथालिया, भाजपा नेता नंदलाल अग्रवाल व बलराम अग्रवाल ने उनका स्वागत किया। उन्होंने समाजसेवी शंभूनाथ अग्रवाल की दिवंगत माता को श्रद्धांजलि दी और श्राद्ध कर्म में भाग लिया। श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड सरकार नगर निकाय चुनाव कराने के पक्ष में नहीं थी। विभिन्न निकायों के कार्यकाल समाप्ति के ५ वर्ष बीत चुके थे पर उच्च न्यायालय के आदेश से चुनाव हो रहे हैं।

नगर निकाय का चुनाव होना सराहनीय है। इससे नगर के लोगों को निकायों में प्रतिनिधित्व मिलेगा। पिछले राज्यसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के रूप में प्वाइंट एक मत से पराजित उद्योगपति प्रदीप संथालिया को फिर से प्रत्याशी बनाए जाने के सवाल पर श्री मरांडी ने कहा कि अभी राज्यसभा चुनाव नहीं हो रहे हैं। जब चुनाव होगा, तब देखा जाएगा कि पार्टी किसके नाम पर विचार करती है। इस संबंध में अभी कुछ भी कहना उचित नहीं होगा।

राज्यसभा सीट के लिए भाजपा के पास बहुमत नहीं होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि बहुमत जुगाड़ किया जाता है। चुनाव के समय पार्टी इस पर विचार करती है। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष मोहन कुंभकार, घनश्याम ग्रोवर, ओमप्रकाश बजाज, रामप्रसाद अग्रवाल, विजय अग्रवाल, कमल अग्रवाल, किशन अग्रवाल, निताई रजवार, बाबू भगत आदि मौजूद थे।

बार एसोसिएशन का अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू

धनबाद (कासं) : सदर अस्पताल परिसर केप भीतर स्थित मार्ग को बंद किए जाने के विरोध में धनबाद बार एसोसिएशन अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चला गया है। अधिवक्ताओं के पेन डाउन के कारण धनबाद कोर्ट परिसर में न्यायिक कार्य ठप हो गया हैं। जिससे न्यायालय आने वाले आम वादकारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बार एसोसिएशन के अनुसार सदर अस्पताल परिसर से होकर बार भवन तक आनेजाने का एक महत्वपूर्ण मार्ग वर्षों से अधिवक्ताओं के आवागमन एवं वाहन पार्किंग के लिए उपयोग में था। हाल ही में जिला प्रशासन द्वारा उक्त रास्ते को बाउंड्री वॉल निर्माण कर पूरी तरह बंद कर दिया गया, जिससे अधिवक्ताओं के साथसाथ आम नागरिकों को भी गंभीर असुविधा हो रही है। रास्ता बंद किए जाने के विरोध में विगत बुधवार को धनबाद बार एसोसिएशन से जुड़े सभी अधिवक्ताओं ने कोर्ट परिसर से रणधीर वर्मा चौक तक जोरदार विरोध मार्च निकाला था। इस दौरान अधिवक्ताओं ने जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शीघ्र समाधान की मांग की थी, लेकिन बावजूद इसके अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई।

अधिवक्ताओं का कहना है कि बार एसोसिएशन भवन इसी मार्ग से जुड़ा हुआ है। रास्ता बंद हो जाने से अधिवक्ताओं के साथसाथ न्यायालय आने वाले वादकारी, बुजुर्ग एवं महिलाएं भी पार्किंग और आवागमन को लेकर गंभीर कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। बार एसोसिएशन ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे को लेकर जिला प्रशासन से कई बार बातचीत की गई, लेकिन हर बार केवल आश्वासन ही मिला। समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से अधिवक्ताओं में आक्रोश बढ़ता गया, जिसके बाद अनिश्चितकालीन हड़ताल का निर्णय लिया गया। इस संबंध में बार एसोसिएशन के महासचिव जितेंद्र कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अधिवक्ता हमेशा कानून व्यवस्था और प्रशासन का सहयोग करते आए हैं, लेकिन प्रशासन का रवैया निराशाजनक है। जब तक रास्ता बहाल कर पार्किंग की स्थायी व्यवस्था नहीं की जाती है, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में 637 मरीजों के नेत्रों की हुई जाँच

धनबाद (कासं) : स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड सीसीएसओ/सेल के अंतर्गत निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के तहत आयोजित दो दिवसीय नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर का सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस जनकल्याणकारी शिविर का उद्देश्य क्षेत्र के जरूरतमंद नागरिकों को उच्च गुणवत्ता की नेत्र चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराना था, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ उठाया।

इस दो दिवसीय नेत्र जाँच शिविर में कोलकाता शंकर नेत्रालय से आए अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा कुल ६३७ मरीजों की गहन नेत्र जाँच की गई। जाँच के दौरान ८७ मरीजों को मोतियाबिंद से पीड़ित पाया गया, जिन्हें उन्नत उपचार हेतु आगामी ९ फरवरी को सुबह बस द्वारा कोलकाता ले जाया जाएगा, जहाँ उनका नि:शुल्क ऑपरेशन एवं उपचार किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, जाँच के उपरांत ४३७ मरीजों को नि:शुल्क चश्मा प्रदान किया जाएगा, जिसका वितरण आगामी २२ फरवरी को सेल कार्यालय परिसर में किया जाएगा। यह पहल कमजोर एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए दृष्टि सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

इस नेत्र जाँच शिविर को सफल बनाने में सीएसओ/सेल के वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन) ब्रजेश कुमार वर्मा की अहम भूमिका रही। उनके साथ-साथ राजेश रजक, शंकर टोप्पो, चंद्रकांत रजक एवं कंपनी के अन्य वरीय पदाधिकारियों का भी सराहनीय योगदान रहा। आयोजन के दौरान प्रशासनिक सहयोग, व्यवस्थाओं की सुचारुता तथा मरीजों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया।

स्थानीय नागरिकों एवं लाभार्थियों ने इस शिविर की भूरिभूरि प्रशंसा करते हुए सीएसओ/सेल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। कंपनी प्रबंधन ने भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इस शिविर के समापन के अवसर पर कंपनी के कार्यकारी निदेशक विनीत रावल ने अपने कर्मचारी और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

आखिरी पलों को याद कर भावुक हो गए पूर्व विधायक

झरिया (ससे) : झरिया बस्ताकोला के वाटर बोर्ड कॉलोनी में स्व. रंजय सिंह की नवमी पुण्यतिथि पर शोक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में रंजय के परिजनों के साथ साथ स्थानीय लोग और भाजपा के पूर्व विधायक संजीव सिंह शामिल हुई। पूर्व विधायक संजीव सिंह ने स्वर्गीय रंजय के परिजनों से मिलकर उन्हें ढांढस बंधाते हुए गहरी संवेदनाएं व्यक्त की। संजीव सिंह ने स्वर्गीय रंजय की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान परिजनों के आंखें नम थी। इस दौरान पूर्व विधायक संजीव सिंह ने कहा कि स्वर्गीय रंजय सिंह भाजपा के पुराने कार्यकर्ता थे। संगठन से समर्पित जब बिछड़ जाता है तो कैसा महसूस हो सकता है। कॉलोनी के लोगों में ओर उनके दोस्तों में उनकी कमी खल रही है। इस दौरान पूर्व विधायक रंजय साथ बिताए गए आखिरी पलों को याद कर काफी भावुक हो गए।

यूजीसी कानून पर रोक लगाये जाने से हर्ष

बलियापुर (ससे) : यूजीसी के नए कानून पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा तत्काल रोक लगाए जाने से भाजपाइयों में हर्ष है। मालूम हो की केंद्र सरकार द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों में यूजीसी के नए कानून लागू किए जाने के बाद भाजपा नेता एवं कार्यकर्ताओं द्वारा देश भर में आलोचना की जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा यूजीसी के नए कानून पर तत्काल रोक लगाए जाने का बलियापुर के भाजपा के युवा नेता विश्वजीत मुखर्जी समेत अन्य भाजपाइयों ने सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश का स्वागत किया है।

अंग्रेजी शराब के साथ एक गिरफ्तार

धनबाद (कासं) : धनबाद रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्लेटफॉर्म संख्या २ से एक व्यक्ति को २१ बोतल अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। रात्रि गश्त के दौरान संदिग्ध अवस्था में पकड़े गए व्यक्ति के बैग से विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बिहार के औरंगाबाद निवासी सीटू कुमार के रूप में हुई है। बरामद शराब की कुल कीमत लगभग ११,३९० रुपये बताई जा रही है। आरोपी को जब्त शराब के साथ आगे की कार्रवाई के लिए उत्पाद विभाग धनबाद को सौंप दिया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय मीडिया व वैश्विक प्रमुखों ने भारतईयू एफटीए की प्रशंसा की

नई दिल्ली (एजेंसी) : भारतईयू मुक्त व्यापार समझौते के पूर्ण होने पर दुनिया भर में, अंतर्राष्ट्रीय मीडिया, विदेशी राजनीतिक नेतृत्व, वैश्विक व्यापार प्रमुखों और सम्मानित नीति विशेषज्ञों ने मज़बूत और सकारात्मक प्रतिक्रियाएं दी हैं। इस समझौते को आर्थिक और भू-राजनीतिक दोनों तरह से ऐतिहासिक, रणनीतिक और सही समय पर उठाया गया कदम बताया जा रहा है।

दुनिया के प्रमुख मीडिया संस्थानों ने भारतईयू एफटीए की व्यापकता, महत्वाकांक्षा और रणनीतिक समय का उल्लेख किया है। द टेलीग्राफ ने जेम्स क्रिस्प के मोदी इज़ द रियल विनर इन मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स विद् ईयू शीर्षक से एक लेख में इस समझौते को सभी व्यापार समझौतों की जननी बताते हुए कहा कि भारत इस मामले में असली रणनीतिक विजेता के रूप में उभरा है। अख़बार ने बताया कि यह समझौता ईयू से भारत को होने वाले ९६.६ प्रतिशत निर्यात पर टैरिफ को खत्म या कम करता है, जबकि ईयू सात वर्षों में ९९.५ प्रतिशत भारतीय सामानों पर टैरिफ कम करेगा।

ब्लूमबर्ग ने डैन स्ट्रमफ के ऑल रोड्स लीड टू मोदी एज़ वर्ल्ड हेजिज ट्रम्प शीर्षक से एक लेख में कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ मदर ऑफ ऑल डील्स समझौता एक उभरते हुए पैटर्न का नवीनतम उदाहरण है: भारत देशों के लिए पसंदीदा पार्टनर बन रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इस समझौते को वैश्विक टैरिफ बाधाओं के प्रति मध्यम शक्तियों की प्रतिक्रिया के रूप में पेश करते हुए लिखा कि कैसे भारत और ईयू अमेरिकी व्यापार नीतियों से पैदा हुई अनिश्चितता के बीच गठबंधन का विस्तार कर रहे हैं।

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह समझौता लगभग दो दशकों की बातचीत के बाद दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक ब्लॉक और सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था को एक साथ लाता है। द वाशिंगटन पोस्ट ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताया और अपनी हेडलाइन में कहा कि 'भारत और ईयू ने एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते में 'मदर ऑफ ऑल डील्स' पर मुहर लगाई'। ईयू और भारत ने मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए' के तौर पर अपनी खबरों में जगह दी।

इसी तरह की हेडलाइन बीबीसी ने भी देते हुए कहा-भारत और ईयू ने 'मदर ऑफ ऑल डील्स' की घोषणा की। ब्लूमबर्ग ने अपने एक और लेख में सघन आपूर्ति श्रृंखला समेकन की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए बताया कि कारों पर ड्यूटी पहले के १०० प्रतिशत से अधिक के स्तर की तुलना में १० प्रतिशत तक कम हो जाएगी और ऑटो कंपोनेंट्स पर ड्यूटी खत्म कर दी जाएगी। एसोसिएटेड प्रेस ने इस समझौते की व्यापकता की जानकारी देते हुए अपनी हेडलाइन में कहा कि 'भारत और यूरोपीय संघ ने एक मुक्त व्यापार समझौते पर सहमति जताई जो वैश्विक व्यापार का एक तिहाई हिस्सा है'। इस समझौते के पैमाने को अल जज़ीरा ने भी इस समझौते को प्रमुखता से दिखाते हुए कहा कि 'मदर ऑफ ऑल डील्स': भारतईयू ट्रेड डील से २७ ट्रिलियन डॉलर का बाज़ार बनेगा।

रॉयटर्स ने इसे एक ऐतिहासिक समझौता बताते हुए कहा कि 'भारत, ईयू ने ऐतिहासिक व्यापारिक समझौता किया, ज़्यादातर सामानों पर टैरिफ कम किए जाएंगे'। फॉक्स न्यूज़ पर पाकिस्तानी पत्रकार कमर चीमा ने कहा कि इस समझौते से भारत को फायदा होने वाला है, क्योंकि कई अहम सेक्टर में टैरिफ घटाकर ज़ीरो कर दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देश अब यूरोपीय बाज़ार में भारत से मुकाबला नहीं कर पाएंगे।

ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉक ने कहा कि यह समझौता दो अरब लोगों को फायदा पहुंचाने वाला एक मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाता है और इसे तेजी से बदलती वैश्विक व्यवस्था में यूरोप की उदार नीति के लिए एक बड़ा कदम बताया। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने समझौते को पूरा समर्थन देते हुए इसे भूसजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बताया और दो अरब लोगों के संयुक्त बाजार में पहले कदम उठाने के लाभ पर जोर दिया। फ्रांस के विदेश व्यापार और आर्थिक मंत्री निकोलस फोरिसियर ने ईयूभारत समझौते को एक बड़ा राजनीतिक कदम बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह दूसरे समझौतों से अलग है।

यूरोपीय संसद के सदस्य सैंड्रो गोज़ी ने कहा कि यह समझौता साफ तौर पर साझेदारी में विविधता लाने और अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता बढ़ाने की ईयू की जरूरत को दिखाता है। उन्होंने भारत को एक प्रमुख वैश्विक राष्ट्र बताते हुए कहा कि भूसजनीतिक और कूटनीतिक नजरिए से, यह समझौता यूरोपीय और भारतीयों दोनों के लिए महत्वपूर्ण अवसर खोलता है।

भारत में काम कर रहे यूरोपीय और वैश्विक व्यापार प्रमुखों ने इस समझौते से अत्यंत उम्मीद जताते हुए इसे लंबे समय से प्रतीक्षित सफलता बताया। एयरबस में भारत और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक और फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया के अध्यक्ष जुर्गन वेस्टरमेयर ने एफटीए को २० वर्ष की वार्ता के बाद एक बड़ा पल बताते हुए कहा कि यह दोनों पक्षों के लिए अवसरों को बढ़ाने का काम करेगा।

एयरबस इंटरनेशनल के अध्यक्ष वाउटर वैन वर्श ने इसे शानदार दिन बताया, और मेक इन इंडिया, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, रक्षा, अंतरिक्ष और अत्याधुनिक विनिर्माण के प्रति एयरबस की लंबी अवधि की प्रतिबद्धता को दोहराया। इंडोजर्मन चैंबर ऑफ कॉमर्स के महानिदेशक जान नोएथर ने कहा कि यह समझौता दो अरब लोगों और वैश्विक जीडीपी के लगभग एक चौथाई हिस्से को एक साथ लाता है, और इसे मदर ऑफ ऑल ट्रेड्स बताया। बर्लिन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएचके बर्लिन) के अध्यक्ष, सेबेस्टियन स्टीज़ेल ने भारतईयू एफटीए को लगातार तनावपूर्ण वैश्विक स्थिति में खुलेपन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि भारत अब भविष्य का बाज़ार नहीं, बल्कि वर्तमान का बाज़ार है, जिसमें बर्लिन को अब अवसरों का फ़ायदा उठाना चाहिए।

सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज (सीएसआईएस) के वरिष्ठ सलाहकार रिचर्ड रॉसो ने कहा कि यह समझौता दुनिया की एक चौथाई आबादी और वैश्विक व्यापार के एक बड़े हिस्से को एक साथ लाता है और उन्होंने कहा कि यह सकारात्मक दृष्टिकोण मजबूत आधार को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के हाल के एफटीए गहरे और अधिक महत्वाकांक्षी व्यापार प्रतिबद्धताओं की ओर एक स्पष्ट बदलाव दिखाते हैं। अटलांटिक काउंसिल के सीनियर फेलो माइकल कुगेलमैन ने भारतईयू एफटीए को सही समय पर सही समझौता बताते हुए इस बात पर जोर दिया कि यह अमेरिकी टैरिफ से परे है और एक व्यापक, तेजी से बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है।

भूराजनीतिक रणनीतिकार वेलिना चकारोवा ने इसे पैमाने और रणनीतिक इरादे दोनों के मामले में इस दशक के सबसे महत्वपूर्ण भूआर्थिक समझौतों में से एक बताया। कील इंस्टीट्यूट फॉर द वर्ल्ड इकोनॉमी ने कहा कि गहरे ईयूभारत एकीकरण से द्विपक्षीय व्यापार में ४१ से ६५ प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है, दोनों पक्षों में जीडीपी के ०.१२०.१३ प्रतिशत तक वास्तविक आय बढ़ सकती है। यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस ने ईयूभारत एफटीए को हाल के वर्षों में हुए सबसे बड़े व्यापार समझौतों में से एक बताया, जिसमें सामान, सेवाएं, निवेश, डिजिटल व्यापार और नियामक सहयोग शामिल हैं।

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) ने कहा कि कई भागीदारों के साथ व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाने पर भारत की हाल की प्रगतिएक अधिक खुली अर्थव्यवस्था की ओर एक कदम का संकेत देती है और यह भारत के अपने दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की संभावनाओं को बढ़ाएगा।

ग्रामीणों ने पुलिया निर्माण में विशेष ध्यान देने का किया आग्रह

पुटकी (ससे) : पुटकी थाना क्षेत्र के पण्डरकनाली पंचायत अन्तर्गत झारखंड सरकार के मद से डीएमएफटी योजना के तहत लोयाबाद कोक प्लांट ऊपर धौडा कंचन मैदान से पावर हाउस जोरिया तक एक किलेमीटर नाला और कल्वर्ट निर्माण का शिलान्यास दिनांक १७/४/२०२५ को धनबाद विधायक राज सिन्हा के द्वारा किया गया था। यह काम कार्यपालक अभियंता ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, धनबाद के देखरेख में संचाल्ति हो रहा है। विगत दिनों अत्याधिक वर्षों के कारण पावर हाउस के समीप पुल्यिा में नाला निर्माण के दौरान सड़क को ठेकेदार के द्वारा अवरूद्ध कर दिया गया था। जिस कारण बगल से राहगीर दो पहिया और चार पहिया वाहन बहुत कठिनाई से पार करते थे। फिसलन के कारण कई टोटो और छोटे चक्के का वाहन पलटने की घटना घटी थी। बाद में पुलिया का रास्ता खोल दिया गया था। लेकिन बड़े बड़े गड्ढे के कारण अन्यंत्रित होकर टोटो पलट गया था। मुखिया कुसुम देवी के पहल पर पुनः ठीकेदार के द्वारा काम शुरू करवाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि नये नाले से पुलिया के किनारे लगभग १० फीट गहराई को मिट्टी से भराई करवाया जा रहा है, लेकिन बारिश के दिनों में पानी के तेज बहाव से भरी गयी मिट्टी की कटाई होगी, और पुलिया कमजोर हो जाऐगा। बताया जाता है कि सड़क से पुटकी मेन रोड़ से लोयाबाद मेन सड़क का सम्पर्क होता है, दर्जनों बडे. और छोटे वाहन प्रति दिन इसकी सड़क से होकर गुजरते हैं। ग्रामीणों के द्वारा ठीकेदार से सड़क सम्पर्क पुलिया निर्माण में विशेष ध्यान देने का आग्रह किया गया है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

धनबाद (कासं) : शहर के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत जेसी मल्लिक के पटेल चौक के समीप अहले सुबह एक अनियंत्रित कार डिवाइडर से जा टकराई। जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

धनबाद में पहलीबार मिर्गी का मुफ्त इलाज

धनबाद (कासं) : कोयलांचल में पहली बार मिर्गी रोगियों के नि:शुल्क इलाज के लिए सर्वेश्वरी आश्रम जयप्रकाश नगर धनबाद द्वारा १ फरवरी को कैंप लगाया जा रहा है जिसमें मिर्गी पीड़ित व्यक्तियों का इलाज मुफ्त किया जाएगा सर्वेश्वरी आश्रम के मदन सिंह ने बताया की आने वाले मिर्गी रोगियों को दवाई और इलाज मुफ्त होगी रहने और खाने की व्यवस्था भी की गई है मिर्गी रोगियों का खबर सुनकर बहुत सारे लोग झारखंड और बिहार के भी मिर्गी पीड़ित मरीज अपना रजिस्ट्रेशन इलाज के लिए करवा रहे हैं १ फरवरी २०२६ को इस कैंप में देश के जाने माने डॉक्टरों द्वारा इलाज की जाएगी और दवा भी मुफ्त दिया जाए गा शिवा आईआर में देश के जानेमाने डॉक्टर द्वारा इलाज कराया जाएगा।

सिंदरी विस युवा कांग्रेस के कार्यकारिणी की बैठक

गोविंदपुर (ससे) : सिंदरी विधानसभा युवा कांग्रेस के कार्यकारिणी की बैठक गोविंदपुर स्थित डाक बंगला में आयोजित की गई। उक्त बैठक में धनबाद जिला युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आदित्य आनंद सहित युवा कांग्रेस के दर्जनों पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण मुख्य रूप से उपस्थित थे। मौके पर धनबाद जिला युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आदित्य आनंद ने कहा कि संगठन सशक्तिकरण को लेकर धनबाद जिला के सभी विधानसभा में कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की जा रही है एवं युवा कांग्रेस जिला के सभी प्रखंडों एवं नगरों में युवाओं को संगठन में जोड़कर संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया है,इसी कड़ी में सिंदरी विधानसभा के युवा कांग्रेस की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई।

बीबीएम कॉलेज के संस्थापक सदस्य का निधन, दी गई श्रद्धांजलि

बलियापुर (ससे) : बीबीएम कॉलेज के संस्थापक सदस्य इंजीनियर दयाल चंद्र महतो के निधन पर कॉलेज प्रांगण में शोकसभा का आयोजन किया गया। दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत की आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई। इस दौरान प्राचार्य डॉक्टर जितेंद्र महतो ने दिवंगत दयाल द्वारा कॉलेज की स्थापना के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की। मौके पर कॉलेज के अन्य प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रछात्राएं मौजूद थे।

लालू परिवार को व्यक्तिगत पेशी से मिली राहत, 9 मार्च से चलेगा मुकदमा

पटना (एजेंसी): लैंड फॉर जॉब मामले में गुरुवार को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में अहम सुनवाई हुई. इस दौरान मीसा भारती और हेमा यादव ने आरोपों को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है. उन्होंने कहा कि वो मुकदमे का सामना करेंगी. वही, लालू यादव और उनकी पत्नी रबड़ी देवी ने बढ़ती उम्र को देखते हुए अदालत में व्यक्तिगत पेशी से राहत मांगी थी. साथ ही, तेजस्वी यादव ने भी व्यक्तिगत पेशी से राहत मांगी थी. सभी को कोर्ट ने व्यक्तिगत पेशी से राहत दे दी है.

जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामला.लालू यादव की दोनो बेटी मीसा भारती, हेमा यादव राऊज एवेन्यु कोर्ट पहुंची. लालू यादव, राबड़ी यादव, तेजस्वी यादव वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए.

बता दें कि लालू और राबड़ी ने बढती उम्र, वही तेजस्वी ने खराब सेहत का हवाला देकर आज व्यक्तिगत पेशी से छूट मांगी थी. ऐसे में कोर्ट ने उन्हें इसकी इजाजत दे दी है. कोर्ट ने लालू परिवार के सदस्यों को इजाजत दी है कि वे फरवरी में (१-२५ फरवरी) के बीच कभी भी कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश हो सकते हैं, ताकि उनके खिलाफ औपचारिक रुप से आरोप तय किए जा सके. उन्हें पेशी से एक दिन पहले कोर्ट को इसकी जानकारी देनी होगी. ९ मार्च से जमीन के बदले नौकरी घोटाला मामले में मुकदमा शुरु हो जाएगा.सुनवाई के दौरान लालू की बड़ी बेटी मीसा भारती और उनकी बहन हेमा यादव व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश हुईं. दोनों ने कोर्ट के सामने कहा कि वे अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को स्वीकार नहीं करती हैं और कानूनी लड़ाई लड़ेंगी. बता दें कि लैंड फॉर जॉब मामले से जुड़े सीबीआई केस का ट्रायल ९ मार्च से शुरू होगा. इस दिन से नियमित रूप से सुनवाई होगी साथ ही गवाहों से पूछताछ सहित अन्य कानूनी कार्यवाही की जाएगी. इससे पहले राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई की चार्जशीट पर लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी, तेजप्रताप यादव, हेमा यादव और मीसा भारती समेत कुल ४६ लोगों के खिलाफ आरोप तय किए थे.

बिस्कुट फैक्ट्री में काम के दौरान मजदूर की मौत

हाजीपुर (ईएमएस) : बिहार के हाजीपुर के औद्योगिक क्षेत्र में बिस्कुट फैक्ट्री में काम के दौरान ३५ वर्षीय मजदूर चंदन पाठक की मौत हुई। वह दरार गांव के निवासी थे और पिछले नौ वर्षों से फैक्ट्री में काम कर रहे थे। मजदूरों के अनुसार, रात करीब ११ बजे चंदन की अचानक तबीयत खराब हुई। कई बार उल्टी हुई और हालत बिगड़ती गई। दवा लेने बाहर जाने की अनुमति न मिलने के कारण वापस काम पर लौट गए। बाद में साथी मजदूरों ने दबाव डालकर उन्हें सदर अस्पताल पहुँचाया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया। मजदूरों ने फैक्ट्री प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि फैक्ट्री में प्राथमिक उपचार की कोई व्यवस्था नहीं है और मजदूरों को आठ घंटे की बजाय १२ से २४ घंटे तक काम कराया जाता है।

हॉस्टल संचालक के गांव में एसआईटी का छापा

पटना (एजेंसी): पटना में नीट की तैयारी कर रही छात्रा मौत मामले में एसआईटी ने अपनी जांच तेज कर दी है. टीम ने शंभू गर्ल्स हॉस्टल के संचालक मालिक मनीष रंजन के पैतृक गांव जहानाबाद (मखदुमपुर थाना क्षेत्र के खरका गांव) पहुंची, और छापेमारी की. सूत्रों की माने तो एसआईटी की टीम ने मनीष रंजन के घर के एक-एक कमरे की तलाशी ली और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज-सामग्री जब्त की. छापेमारी के दौरान पुलिस ने मनीष रंजन के परिजनों और पड़ोसियों से भी पूछताछ की. टीम ने यह जानने की कोशिश की कि मनीष आखिरी बार गांव कब आया था और इस दौरान वह कहां-कहां गया.

जांच में सामने आया है कि ५ जनवरी को मनीष रंजन अपने गांव से पटना आया था, जबकि उसी दिन नीट छात्रा भी ट्रेन से पटना पहुंची थी. एसआईटी ने स्थानीय पुलिस से मनीष रंजन के आपराधिक और सामाजिक गतिविधियों की भी जानकारी ली. पुलिस के अनुसार, मखदुमपुर थाने में उसके खिलाफ पहले से एक मामला दर्ज है. वह पटना से अक्सर सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए मखदुमपुर आता-जाता रहा है और कई सफेदपोश लोगों से उसके संपर्क होने की भी जानकारी सामने आई है.

डखढ में शामिल अधिकारी करीब चार घंटे तक गांव में मौजूद रहे और परिजनों से कई बिंदुओं पर लंबी पूछताछ की. इस बीच, नीट छात्रा मौत मामले में हर दिन नई कड़ियां जोड़ने के लिए एसआईटीऔर पुलिस की टीमें अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर रही हैं. जांच के तहत परिजनों के ब्लड सैंपल भी लिए गए हैं. वहीं, इस मामले को लेकर राजनीतिक हलचल भी तेज है और लगातार छात्रा के परिजनों से मिलने के लिए विभिन्न नेताओं का आना-जाना लगा हुआ है.

भीम आर्मी के सांसद चंद्रशेखर केंद्रीय शिक्षा मंत्री को लिखी चिट्ठी

लखनऊ(ईएमएस) : देश के शैक्षणिक गलियारों में यूजीसी बिल-२०२६ को लेकर चल रही बहस के बीच भीम आर्मी के संस्थापक और सांसद चंद्रशेखर आज़ाद ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को एक विस्तृत पत्र लिखकर न केवल इस विधेयक का पुरजोर समर्थन किया, बल्कि इसके दायरे को और अधिक व्यापक बनाने की मांग भी की है। चंद्रशेखर ने इस बिल को सामाजिक न्याय की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया है।

सांसद चंद्रशेखर ने शिक्षा मंत्री को लिखे पत्र में कहा कि वर्तमान में यूजीसी बिल को लेकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों के छात्रों के अधिकारों के संदर्भ में भ्रामक और संगठित अफवाहें फैलाई जा रही हैं। उन्होंने इसे अत्यंत चिंताजनक बताते हुए कहा कि यह बिल उच्च शिक्षा संस्थानों में धर्म, नस्ल, जाति, लिंग, जन्म-स्थान या दिव्यांगता के आधार पर होने वाले भेदभाव को समाप्त कर समता और समावेशन सुनिश्चित करने वाला है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम), इस पहल का पूर्ण समर्थन करती है क्योंकि यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद १४, १५, १६ और २१ की मूल भावना के अनुरूप है। चंद्रशेखर ने अपने पत्र में एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह व्यवस्था वर्तमान में केवल यूजीसी से मान्यता प्राप्त संस्थानों तक ही सीमित है। उन्होंने शिक्षा मंत्री का ध्यान उन संस्थानों की ओर आकर्षित किया जो यूजीसी के सीधे अधिकार क्षेत्र में नहीं आते। उन्होंने लिखा कि आईआईटी, एनआईटी, आईआईएम, एम्स और विभिन्न मेडिकल व इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे केंद्रीय और स्वायत्त संस्थान इन प्रावधानों से बाहर हैं। सांसद ने तर्क दिया कि अक्सर संस्थागत भेदभाव और छात्रों के मानसिक उत्पीड़न की सबसे अधिक शिकायतें इन्हीं प्रतिष्ठित संस्थानों से आती हैं, जहाँ देश का भविष्य तैयार होता है।

शादी से पहले युवती पर ब्लेड अटैक

कानपुर,(ईएमएस) : उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के नजीराबाद से एक रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। यहाँ एक सिरफिरे आशिक ने एकतरफा प्रेम में नाकाम होने पर एक युवती के चेहरे को सर्जिकल ब्लेड से बुरी तरह गोद दिया।

मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़िता भदौरिया चौराहे के पास की निवासी है। आरोपी की पहचान गोलू के रूप में हुई है, जो पास के ही एल्युमिनियम कारखाने में काम करता था। जानकारी के मुताबिक, आरोपी युवती से एकतरफा लगाव रखता था और अक्सर उससे संपर्क करने की कोशिश करता था। बुधवार रात करीब ९:३० बजे, जब युवती रास्ते से जा रही थी, तब नशे में धुत गोलू ने युवती को रोकने का प्रयास किया। युवती द्वारा विरोध करने पर अचानक सर्जिकल ब्लेड निकलकर उसके चेहरे पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

खेल कर गए जीएसटी डिप्टी कमिश्नर, शासन को नहीं मिला त्यागपत्र

लखनऊ (ईएमएस) : प्रभु राम की नगरी अयोध्या में तैनात जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर प्रशांत कुमार सिंह द्वारा सार्वजनिक रूप से इस्तीफे की घोषणा करने के बावजूद, अब तक उनका त्यागपत्र न शासन स्तर पर पहुंचा है और न ही राज्य कर आयुक्त कार्यालय में इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि हुई है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि जब तक लिखित रूप में इस्तीफा प्राप्त नहीं होता, तब तक आगे की किसी भी प्रशासनिक कार्रवाई पर निर्णय नहीं हो सकता है।

दरअसल प्रशांत कुमार सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समर्थन में भावनात्मक बयान देकर अपने पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया था। घोषणा से प्रशासनिक महकमे के साथ-साथ राजनीतिक गलियारों में भी हलचल मच गई थी। कई लोगों ने सिंह के इस्तीफे को एक राजनीतिक संदेश के तौर पर देखा। हालांकि, उसी दिन देर रात उनके बड़े भाई डॉ. विश्वजीत सिंह ने गंभीर आरोप लगाकर दावा किया कि प्रशांत ने फर्जी दिव्यांग प्रमाणपत्र के सहारे सरकारी नौकरी हासिल की है और संभावित कार्रवाई से बचने के लिए इस्तीफे का सार्वजनिक ऐलान किया।

अब जबकि इस्तीफे की कोई औपचारिक पुष्टि नहीं हुई है, पूरे घटनाक्रम पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखकर उत्तर प्रदेश शासन ने राज्य कर आयुक्त से सिंह से संबंधित पूरी रिपोर्ट तलब कर ली है। शासन ने निर्देश दिए हैं कि रिपोर्ट में उनके खिलाफ चल रही जांच, अब तक की गई विभागीय कार्रवाई, जारी नोटिस और भविष्य में संभावित कदमों का विस्तृत विवरण शामिल किया जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि इस्तीफे की घोषणा किन परिस्थितियों में की गई और क्या इसका सीधा संबंध चल रही जांच से है।

इस पूरे मामले में विवाद की जड़ में डॉ. सिंह द्वारा लगाए गए आरोप हैं। उनका कहना है कि २० अगस्त २०२१ को उन्होंने दिव्यांग प्रमाणपत्र की जांच की मांग की थी। मंडलीय चिकित्सा परिषद द्वारा दो बार बुलाए जाने के बावजूद प्रशांत मेडिकल बोर्ड के सामने उपस्थित नहीं हुए। डॉ. विश्वजीत का दावा है कि जिस आंख की बीमारी के आधार पर प्रमाणपत्र बनवाया गया, वह ५० वर्ष से पहले होना चिकित्सकीय रूप से दुर्लभ है। प्रशांत कुमार सिंह की राजनीतिक पृष्ठभूमि भी चर्चा में है। वे अमर सिंह की पार्टी 'लोकमंच' में जिलाध्यक्ष रह चुके हैं। हाल ही में उनका एक पोस्टर भी वायरल हुआ है, जिसमें भगवा पृष्ठभूमि और अटल बिहारी वाजपेयी की कविता अंकित है। बताया जा रहा है कि वे बीजेपी से टिकट के दावेदार भी थे। अब शासन को सौंपी जाने वाली रिपोर्ट के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक तस्वीर सामने आ पाएगी।

यूजीसी के नए नियमों का लेकर प्रदर्शन पीएम नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया

भदौही (ईएमएस): उत्तरप्रदेश के भदौही जिले के डीघ ब्लॉक अंतर्गत तुलसीकला गांव में गुरुवार को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया गया। रामलीला मैदान में दोपहर करीब १२ बजे कोनिया क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों से आए ग्रामीणों और छात्रों ने एकजुट होकर धरना दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर अपना आक्रोश जताया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यूजीसी द्वारा लागू किए गए नए नियम छात्रहित के खिलाफ हैं और समाज में असमानता को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इन नियमों को तत्काल वापस लिया जाए या इन पर पुनर्विचार किया जाए। धरने को संबोधित कर कमलाकांत आलोक ने कहा कि सवर्ण समाज पर थोपा गया यह कानून किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने इसे सांकेतिक आंदोलन बताते हुए चेतावनी दी कि आगे व्यापक आंदोलन की रणनीति तैयार की जाएगी।

अतुल पाण्डेय और अभिषेक ओम ने यूजीसी के नियमों को मुगलों की तरह थोपा गया कानून बताते हुए कहा कि इससे समाज को बांटने की साजिश की जा रही है। वहीं बृजकिशोर पाण्डेय ने आरोप लगाया कि सवर्ण समाज को धीरे-धीरे गुलामी की ओर धकेला जा रहा है, जबकि भाजपा को सबसे अधिक समर्थन इसी वर्ग से मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि चुनी हुई सरकार को सभी वर्गों के लिए समान नीति अपनानी चाहिए। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि इससे पहले भी भदौही जिला मुख्यालय पर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर विरोध दर्ज कराया जा चुका है। कोनिया क्षेत्र के लोगों ने एकजुट होकर चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मांगें नहीं मानीं तो इसका राजनीतिक खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इस मौके पर बृजकिशोर पाण्डेय, कमलाकांत पाण्डेय, रतन गुड्डू, आलोक अतुल पाण्डेय, धर्मेंद्र, आशीष, वेद प्रकाश, त्र्यंबक, महेश, बबलू, राजकिशोर, मुकेश, रितेश, ओम, अभिषेक, विनय शुक्ला, रत्नेश, सनत और चन्दु मिश्रा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

आप पायलट हैं तो ईमानदारी से अपना काम कीजिए : कथावाचक अनिरुद्धाचार्य

मथुरा,(ईएमएस): वृंदावन के प्रसिद्ध कथावाचक अनिरुद्धाचार्य महाराज एक बार फिर अपने बयान को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में हुई मौत पर टिप्पणी करते हुए अनिरुद्धाचार्य ने मंच से ऐसा बयान दे दिया, जिस पर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कई लोग इसे असंवेदनशील बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे कर्तव्य और ईमानदारी से जोड़कर देख रहे हैं।

दरअसल कथा के दौरान अनिरुद्धाचार्य महाराज ने कहा, कि महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री का विमान हादसे में निधन हो गया, जो बेहद दुखद है। उन्होंने पायलट की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, प्लेन उड़ाने की पूरी जिम्मेदारी पायलट के पास होती है। पायलट के हाथ में प्लेन में सवार सभी लोगों की जान होती है। अगर आप पायलट हैं तो ईमानदारी से अपना काम कीजिए। अब आप पायलट हैं, आपको प्लेन उतारना है, लेकिन आप प्लेन न उतारकर कुछ और करने लग जाएं तो यह ठीक नहीं है। जो काम है आपका, वही करिए। वही आपकी भक्ति है। अनिरुद्धाचार्य यहीं नहीं रुके। उन्होंने अपने बयान को आगे बढ़ाते हुए सेना का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, हमारी सेना बॉर्डर पर खड़ी है। सेना का काम है कि सीमा पर कोई आतंकवादी गतिविधि न हो। अगर सारे सैनिक उठकर किसी मंदिर में जाकर बैठ जाएं तो व्यवस्था भंग हो जाएगी। सैनिक की ईमानदारी से की गई सेवा ही उसकी भक्ति है। उन्होंने यह भी दोहराया कि हर व्यक्ति को अपने कर्तव्य को ही सबसे बड़ा धर्म मानना चाहिए। हालांकि, इस बयान के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर तीखी बहस शुरू हो गई। कई यूजर्स ने कहा कि एक दुखद हादसे के तुरंत बाद इस तरह की टिप्पणी करना पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति असंवेदनशीलता दिखाता है।

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, धनबाद
(जिला भू-अर्जन शाखा)

ज्ञापांक-69/भू0अ0 | असाधारण अंक सं0-15 | दिनांक-17.01.2026 । दिनांक-22.01.2026 ।

-: अधिसूचना :-

राज्य सम्पोषित शंकरडीह-कमारडीह पथ परियोजना हेतु **मौजा-पिपराटॉंड़, थाना नं0-260**, अंचल-पूर्वी टुण्डी में अर्जित की जा रही भूमि के भू-अर्जन के लिए भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुरूप भूमि अर्जन किया जाना है। उक्त के आलोक में इस कार्यालय के द्वारा निम्नलिखित पत्रांक एवं दिनांक से पत्राचार किया गया है, जो निम्नवत है:-

क्रमांक	पत्रांक/दिनांक	कार्यालय का नाम	विषय/प्रयोजन
1	2	3	4
01	पत्रांक-324/भू0अ0, दिनांक-13.02.2024	कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद	पथांश पर पड़ने वाले संरचना मूल्यांकन संबंधी प्रतिवेदन।
02	पत्रांक-235/भू0अ0, दिनांक-30.01.2025		
03	पत्रांक-515/भू0अ0, दिनांक-11.03.2025		
04	पत्रांक-323/भू0अ0, दिनांक-13.02.2024	वन प्रमण्डल पदाधिकारी, धनबाद	वृक्ष की गणना से संबंधित प्रतिवेदन।
05	पत्रांक-236/भू0अ0, दिनांक-30.02.2024		
06	पत्रांक-518/भू0अ0, दिनांक-11.03.2025		
07	पत्रांक-1522/भू0अ0, दिनांक- 18.08.2025	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, धनबाद	भूमि का मुआवजा भुगतान हेतु प्राक्कलित राशि की मांग।
08	स्मार पत्रांक-1914/भू0अ0, दिनांक- 29.10.2025		

उपरोक्त पत्राचार के आलोक में यह पाया गया है, कि संबंधित प्रतिवेदन के अभाव में निर्धारित अवधि में अधिनियम की धारा-19(1) के अन्तर्गत अधिघोषणा ससमय निर्गत नहीं किया जा सका है।

अतः राज्य सम्पोषित शंकरडीह-कमारडीह पथ परियोजना हेतु **मौजा-पिपराटॉंड़, थाना नं0-260**, अंचल-पूर्वी टुण्डी में रकवा-**2.5775** एकड़ रैयती भूमि का भू-अर्जन के लिए भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-19(7) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की धारा-19(1) के अन्तर्गत अधिघोषणा हेतु दिनांक-**08.12.2025 से 07.12.2026** तक एक वर्ष की अवधि विस्तार की स्वीकृति प्रदान किया जाता है।

ह0/-
समुचित सरकार-सह-
उपायुक्त, धनबाद

PR 371934 Land Reforms(25-26)#D

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, धनबाद।
(जिला भू-अर्जन शाखा)

ज्ञापांक-68/भू0अ0 | असाधारण अंक सं0-14 | दिनांक-17.01.2026 । दिनांक-22.01.2026 ।

-: अधिसूचना :-

राज्य सम्पोषित शंकरडीह-कमारडीह पथ परियोजना हेतु **मौजा-टेसराटॉंड़, थाना नं0-259**, अंचल-पूर्वी टुण्डी में अर्जित की जा रही भूमि के भू-अर्जन के लिए भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुरूप भूमि अर्जन किया जाना है। उक्त के आलोक में इस कार्यालय के द्वारा निम्नलिखित पत्रांक एवं दिनांक से पत्राचार किया गया है, जो निम्नवत है:-

क्रमांक	पत्रांक/दिनांक	कार्यालय का नाम	विशय/प्रयोजन
1	2	3	4
01	पत्रांक-324/भू0अ0, दिनांक-13.02.2024	कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद	पथांश पर पड़ने वाले संरचना मूल्यांकन संबंधी प्रतिवेदन।
02	पत्रांक-235/भू0अ0, दिनांक-30.01.2025		
03	पत्रांक-515/भू0अ0, दिनांक-11.03.2025		
04	पत्रांक-323/भू0अ0, दिनांक-13.02.2024	वन प्रमण्डल पदाधिकारी, धनबाद	वृक्ष की गणना से संबंधित प्रतिवेदन।
05	पत्रांक-236/भू0अ0, दिनांक-30.02.2024		
06	पत्रांक-518/भू0अ0, दिनांक-11.03.2025		
07	पत्रांक-1522/भू0अ0, दिनांक-18.08.2025	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, धनबाद	भूमि का मुआवजा भुगतान हेतु प्राक्कलित राशि की मांग।
08	स्मार पत्रांक-1914/भू0अ0, दिनांक- 29.10.2025		

उपरोक्त पत्राचार के आलोक में यह पाया गया है, कि संबंधित प्रतिवेदन के अभाव में निर्धारित अवधि में अधिनियम की धारा-19(1) के अन्तर्गत अधिघोषणा ससमय निर्गत नहीं किया जा सका है।

अतः राज्य सम्पोषित शंकरडीह-कमारडीह पथ परियोजना हेतु **मौजा-टेसराटॉंड़, थाना नं0-259** अंचल-पूर्वी टुण्डी में रकवा-1.6465 एकड़ रैयती भूमि का भू-अर्जन के लिए भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-19(7) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की धारा-19(1) के अन्तर्गत अधिघोषणा हेतु दिनांक-**08.12.2025 से 07.12.2026** तक एक वर्ष की अवधि विस्तार की स्वीकृति प्रदान किया जाता है।

ह0/-
समुचित सरकार
-सह- उपायुक्त, धनबाद।

PR.NO.371931 Land Reforms(2526):D

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, धनबाद।
(जिला भू-अर्जन शाखा)

ज्ञापांक-75/भू0अ0 | असाधारण अंक सं0-21 | दिनांक-17.01.2026 । दिनांक-22.01.2026 ।

-: अधिसूचना

राज्य सम्पोषित शंकरडीह-कमारडीह पथ परियोजना हेतु **मौजा-बड़तोल, थाना नं0-261**, अंचल-पूर्वी टुण्डी में अर्जित की जा रही भूमि के भू-अर्जन के लिए भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुरूप भूमि अर्जन किया जाना है। उक्त के

क्रमांक	पत्रांक/दिनांक	कार्यालय का नाम	विशय/प्रयोजन
1	2	3	4
01	पत्रांक-324/भू0अ0, दिनांक-13.02.2024	कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद	पथांश पर पड़ने वाले संरचना मूल्यांकन संबंधी प्रतिवेदन।
02	पत्रांक-235/भू0अ0, दिनांक-30.01.2025		
03	पत्रांक-515/भू0अ0, दिनांक-11.03.2025		
04	पत्रांक-323/भू0अ0, दिनांक-13.02.2024	वन प्रमण्डल पदाधिकारी, धनबाद	वृक्ष की गणना से संबंधित प्रतिवेदन।
05	पत्रांक-236/भू0अ0, दिनांक-30.02.2024		
06	पत्रांक-518/भू0अ0, दिनांक-11.03.2025		
07	पत्रांक-1522/भू0अ0, दिनांक- 18.08.2025	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, धनबाद	भूमि का मुआवजा भुगतान हेतु प्राक्कलित राशि की मांग ।
08	स्मार पत्रांक-1914/भू0अ0, दिनांक- 29.10.2025		

उपरोक्त पत्राचार के आलोक में यह पाया गया है, कि संबंधित प्रतिवेदन के अभाव में निर्धारित अवधि में अधिनियम की धारा-19(1) के अन्तर्गत अधिघोषणा ससमय निर्गत नहीं किया जा सका है।

अतः राज्य सम्पोषित शंकरडीह-कमारडीह पथ परियोजना हेतु **मौजा-बड़तोल, थाना नं0-261**, अंचल-पूर्वी टुण्डी में रकवा-**1.9060** एकड़ रैयती भूमि का भू-अर्जन के लिए भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-19(7) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की धारा-19(1) के अन्तर्गत अधिघोषणा हेतु दिनांक-**08.12.2025 से 07.12.2026** तक एक वर्ष की अवधि विस्तार की स्वीकृति प्रदान किया जाता है।

ह0/-
समुचित सरकार
-सह- उपायुक्त, धनबाद।

PR.NO.371936 Land Reforms(2526):D

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, धनबाद
(जिला भू-अर्जन शाखा)

ज्ञापांक-77/भू0अ0 | असाधारण अंक सं0-23 | दिनांक-17.01.2026 । दिनांक-22.01.2026 ।

-: अधिसूचना :-

राज्य सम्पोषित शंकरडीह-कमारडीह पथ परियोजना हेतु **मौजा-फुलपहाड़ी, थाना नं0-240**, अंचल-पूर्वी टुण्डी में अर्जित की जा रही भूमि के भू-अर्जन के लिए भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुरूप भूमि अर्जन किया जाना है। उक्त के आलोक में इस कार्यालय के द्वारा निम्नलिखित पत्रांक एवं दिनांक से पत्राचार किया गया है, जो निम्नवत है:-

क्रमांक	पत्रांक/दिनांक	कार्यालय का नाम	विशय/प्रयोजन
1	2	3	4
01	पत्रांक-324/भू0अ0, दिनांक-13.02.2024	कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद	पथांश पर पड़ने वाले संरचना मूल्यांकन संबंधी प्रतिवेदन।
02	पत्रांक-235/भू0अ0, दिनांक-30.01.2025		
03	पत्रांक-515/भू0अ0, दिनांक-11.03.2025		
04	पत्रांक-323/भू0अ0, दिनांक-13.02.2024	वन प्रमण्डल पदाधिकारी, धनबाद	वृक्ष की गणना से संबंधित प्रतिवेदन।
05	पत्रांक-236/भू0अ0, दिनांक-30.02.2024		
06	पत्रांक-518/भू0अ0, दिनांक-11.03.2025		
07	पत्रांक-1522/भू0अ0, दिनांक- 18.08.2025	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, धनबाद	भूमि का मुआवजा भुगतान हेतु प्राक्कलित राशि की मांग।
08	स्मार पत्रांक-1914/भू0अ0, दिनांक- 29.10.2025		

उपरोक्त पत्राचार के आलोक में यह पाया गया है, कि संबंधित प्रतिवेदन के अभाव में निर्धारित अवधि में अधिनियम की धारा-19(1) के अन्तर्गत अधिघोषणा ससमय निर्गत नहीं किया जा सका है।

अतः राज्य सम्पोषित शंकरडीह-कमारडीह पथ परियोजना हेतु **मौजा-फुलपहाड़ी, थाना नं0-240**, अंचल-पूर्वी टुण्डी में रकवा-**0.4725** एकड़ रैयती भूमि का भू-अर्जन के लिए भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा-19(7) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की धारा-19(1) के अन्तर्गत अधिघोषणा हेतु दिनांक-**08.12.2025 से 07.12.2026 तक** एक वर्ष की अवधि विस्तार की स्वीकृति प्रदान किया जाता है।

ह0/-
समुचित सरकार-सह-
उपायुक्त, धनबाद

PR 371970 Land Reforms(25-26)#D

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की प्रक्रिया शुरू 31 प्रस्तावों पर लगी मुहर

पटना (एजेंसी): पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बिहार कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई, जिसमें कुल ३१ एजेंडों पर मुहर लगाई गई. इस बैठक में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 'बिहार औद्योगिक प्रोत्साहन नीति २०१६' के तहत उद्यमियों के लंबित दावों के भुगतान हेतु वर्ष २०२५-२६ के लिए ₹१७०० करोड़ की बड़ी राशि स्वीकृत की गई है. महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी बड़ा फैसला लिया गया है. 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत अब महिलाओं को उनकी आवश्यकतानुसार ₹२ लाख तक की अतिरिक्त आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी. इसके अलावा, नई दिल्ली स्थित 'बिहार निवास' के पुनर्विकास के लिए आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु ₹६.०१ करोड़ से अधिक की राशि की स्वीकृति दी गई है. इन फैसलों से राज्य में निवेश बढ़ने और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है.

नीतीश कुमार सरकार ने अनुसूचित जाति और जनजाति छात्रों के लिए छात्रवृत्ति की दरों में बड़ा फेरबदल करते हुए नई राशि तय की है. अब २०२५-२६ से प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति के तहत १ से ४ तक के छात्रों को १२०० रुपये, कक्षा ५ से ६ के लिए २४०० रुपये तो कक्षा ७ से १० तक के छात्रों को ३६०० रुपये वार्षिक छात्रवृत्ति दी जाएगी. हॉस्टल में रहने वाले कक्षा १ से १० तक के छात्रों के लिए ६००० रुपये वार्षिक तय किया गया है. नीतीश सरकार इस योजना पर ५१९.६४ करोड़ रुपये खर्च करने जा रही है.

पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए भी कैबिनेट ने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं. अब मुख्यमंत्री पिछड़ा वर्ग एवं अत्यंत पिछड़ा वर्ग छात्रावास अनुदान योजना के तहत छात्रों को मिलने वाले ₹१००० प्रति माह के अनुदान को बढ़ाकर ₹२००० कर दिया गया है. साथ ही, मेधावृत्ति योजना के लिए वार्षिक पारिवारिक आय की सीमा ₹१,५०,००० से बढ़ाकर ₹३,००,००० कर दी गई है, जिससे अधिक छात्र इस योजना का लाभ ले सकेंगे. इस वर्ग के प्री-मैट्रिक छात्रों के लिए भी छात्रवृत्ति दरों को बढ़ाकर ₹१२०० से ₹६००० तक किया गया है, जिस पर ₹१७५१.५६ करोड़ का वार्षिक व्यय होगा.

बक्सर जिले के डुमरांव में भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ के नाम पर बनने वाले संगीत महाविद्यालय को लेकर बड़ा निर्णय लिया गया है. पहले की प्रशासनिक स्वीकृति को रद्द करते हुए अब ₹८७.८१ करोड़ की लागत से इसके भव्य निर्माण को मंजूरी दी गई है, जिसमें फर्नीचर, आंतरिक सड़कें और चहारदीवारी शामिल होगी. साथ ही, नवगठित उच्च शिक्षा विभाग के सुचारू संचालन के लिए १६१ नए पदों के सृजन को भी हरी झंडी दी गई है.

सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कैबिनेट ने स्पेशल ऑक्जिलरी पुलिस (ड-झ) के जवानों का मानदेय बढ़ाने का निर्णय लिया है. वित्तीय वर्ष २०२६-२७ के लिए सेवानिवृत्त सैनिकों और अर्धसैनिक बलों के कुल १७,००० पदों पर अनुबंध के आधार पर नियोजन को विस्तार दिया गया है. इसके अलावा, पटना के नौबतपुर अंचल में बिहार विशेष सशस्त्र बल-०१ (गोरखा वाहिनी) के आधारभूत ढांचे के लिए ३० एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए ₹४०.५४ करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है.

बिहार में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने बिहार सेमीकंडक्टर पॉलिसी-२०२६ को मंजूरी दे दी है. यह राज्य में तकनीकी निवेश के नए द्वार खोलेगा. साथ ही, बिहार औद्योगिक प्रोत्साहन नीति, २०१६ के तहत उद्यमियों के लंबे समय से लंबित दावों के निपटारे के लिए ₹१७०० करोड़ की अतिरिक्त राशि आवंटित की गई है. यह कदम राज्य में व्यापारिक विश्वास को बढ़ाने में मददगार साबित होगा.

ग्रामीण विकास विभाग के तहत संचालित मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के लाभार्थियों के लिए सरकार ने अतिरिक्त वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है. इससे महिला उद्यमियों को अपने छोटे व्यवसायों को बड़ा बनाने में मदद मिलेगी. इसके अलावा, कृषि और कुटीर उद्योगों के उत्पादों के बेहतर विपणन के लिए बिहार राज्य विपणन प्राधिकार के गठन को भी मंजूरी दी गई है.

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए राज्य में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों के लंबित बिलों के भुगतान के लिए ₹५०० करोड़ (५ अरब) की राशि बिहार आकस्मिकता निधि से अग्रिम तौर पर स्वीकृत की गई है. यह राशि सुनिश्चित करेगी कि निर्माण कार्य बिना किसी बाधा के समय पर पूरा हो सके.

प्रशासनिक कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए भूमि सुधार उप समाहर्ता के पदनाम को अब अनुमंडल राजस्व पदाधिकारी के रूप में बदलने का निर्णय लिया गया है. इसके लिए राजस्व सेवा नियमावली में संशोधन किया गया है और १०१ नए स्थायी पदों के सृजन की भी स्वीकृति दी गई है.

साथ ही, बिहार दिव्यांगजन सशक्तिकरण सेवा नियमावली, २०२६ और सरकारी सेवकों के लिए संशोधित आचार नियमावली को भी पारित किया गया है.

102 रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू

पटना (एजेंसी): बिहार में पंचायती राज व्यवस्था को और अधिक मजबूत एवं पारदर्शी बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक अहम कदम उठाया है. पंचायती राज विभाग के अंतर्गत अंकेक्षक (बिहार पंचायत अंकेक्षण सेवा) के कुल १०२ रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. इनमें २८ पद पहले से रिक्त थे, जबकि ७४ पद नवसृजित किए गए हैं.

इन पदों पर बहाली से पंचायतों के वित्तीय कार्यों की निगरानी को मजबूती मिलेगी और ग्रामीण स्तर पर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सकेगी. इन पदों पर नियुक्ति के लिए ५ फरवरी से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है. इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी विभाग द्वारा निर्धारित आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं. आवेदन से संबंधित शैक्षणिक योग्यता, आयु सीमा, आरक्षण एवं अन्य शर्तें विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार होंगी. अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि आवेदन करने से पहले आधिकारिक अधिसूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ लें.

चयन प्रक्रिया बिहार पंचायत अंकेक्षण सेवा नियमावली के प्रावधानों के अनुरूप पूरी की जाएगी. चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति के बाद राज्य के विभिन्न जिलों में पंचायत स्तर पर तैनाती की जाएगी.अंकेक्षक की भूमिका पंचायतों के आय-व्यय, विकास योजनाओं के खर्च और सरकारी अनुदानों की जांच में महत्वपूर्ण होगी, जिससे वित्तीय गड़बड़ियों पर लगाम लग सकेगी.

पंचायती राज विभाग का मानना है कि अंकेक्षकों की नियमित नियुक्ति से पंचायतों में वित्तीय अनुशासन स्थापित होगा और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत होगी. इससे न सिर्फ पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों में पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि आम जनता का भी पंचायत व्यवस्था पर भरोसा मजबूत होगा. विभाग ने उम्मीद जताई है कि यह पहल ग्रामीण विकास को नई गति देने में सहायक साबित होगी.

बिहार की ऐतिहासिक पांडुलिपियों का होगा संग्रह

पटना (एजेंसी): बिहार में मौजूद ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पांडुलिपियों को अब अच्छे तरीके से संरक्षित किया जाएगा. इस विशेष कार्य की जिम्मेदारी कला-संस्कृति विभाग को सौंपते हुए नोडल बनाया गया है. इस मामले को लेकर बुधवार को शहर के बिहार संग्रहालय में पांडुलिपियों के संरक्षण और डिजिटाइजेशन विषय पर संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक आयोजित की गई. इसमें मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे. इस दौरान कला एवं संस्कृति विभाग के सचिव श्री प्रणव कुमार ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी. मुख्य सचिव श्री प्रत्यय अमृत ने राज्यभर में बिखरी पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया. राज्य में इस अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए कला, संस्कृति एवं युवा विभाग को 'नोडल ऑथोरिटी' तथा संग्रहालय निदेशक को नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है. इस दिशा में कार्य करने के लिए बिहार सरकार ने 'ज्ञान भारतम' (संस्कृति मंत्रालय) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर कुछ समय पहले हस्ताक्षर भी किया है.

हर जिले में होगा पांडुलिपि सर्वे, बिहार संग्रहालय नोडल

मुख्य सचिव ने पांडुलिपियों की खोज कर इन्हें सूचीबद्ध करने के लिए प्रत्येक जिले में एक तकनीकी दल गठित करने का निर्देश दिया. यह दल संस्थागत एवं निजी संग्रहों(जैसे- मठ, मंदिर, निजी पुस्तकालय) का भ्रमण कर इस सर्वेक्षण का काम करेगा. उन्होंने इन कार्यों को 'मिशन मोड' में लेते हुए सर्वे शीघ्र प्रारंभ करने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि इस कार्य की मॉनिटरिंग हर १४ दिनों में निदेशक, बिहार म्यूजियम द्वारा की जाएगी एवं प्रत्येक महीने कला एवं संस्कृति विभाग के सचिव के स्तर पर की जाएगी. उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि बिहार के पुराने जिलों के रिकॉर्ड रूम में भी काफी महत्वपूर्ण पांडुलिपियां उपलब्ध हैं, जिनका संरक्षण अति आवश्यक है.

मुख्य सचिव ने कहा कि यदि विभाग की तरफ से 'बिहार दिवस-२०२६' से पूर्व इस दिशा में ठोस कार्य किया जाता है, तो पांडुलिपि संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को उस अवसर पर सम्मानित किया जाएगा. उन्होंने कहा कि स्टेट डिजिटल रिपोजिटरी को नेशनल डिजिटल रिपोजिटरी के साथ जोड़ा जाएगा.

बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने पांडुलिपियों के वैज्ञानिक संरक्षण की तकनीकी बारीकियों पर रोशनी डालते हुए विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर विशेष प्रयोगशालाएं स्थापित की जा सकती हैं, क्योंकि पटना संग्रहालय एवं बिहार संग्रहालय में ऐसी आधुनिक प्रयोगशालाएं पहले से ही सक्रिय हैं. इस महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाने हेतु उन्होंने एक समर्पित विशेषज्ञ टीम गठित करने का सुझाव भी दिया.

इस बैठक में संग्रहालय एवं पुरातत्व निदेशालय के निदेशक श्री कृष्ण कुमार, प्रभारी कुलपति, नव नालन्दा महाविहार प्रो विश्वजीत कुमार, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, खुदा बख्श ओरिएंटल पब्लिक लाइब्रेरी मो असगर, अभिलेखागार निदेशक डॉ० मो० फैजल अब्दुल्ला, इतिहासकार व पूर्व निदेशक (खुदा बख्श लाइब्रेरी) डॉ० इम्तियाज अहमद, समन्वयक (अन्वेषण एवं उत्खनन), बिहार विरासत विकास समिति डॉ० अमित रंजन, अपर निदेशक, पटना संग्रहालय डॉ० सुनील कुमार झा एवं अपर निदेशक, बिहार संग्रहालय श्री अशोक कुमार सिन्हा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे.

बीएचयू में दो हॉस्टल के छात्रों में हुई मारपीट, एक घायल

वाराणसी,(ईएमएस): बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में गुरुवार को दो छात्रावासों के छात्रों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। रुइया हॉस्टल और बिरला-सी हॉस्टल के छात्रों के बीच मारपीट और पथराव की घटना में पीजी छात्र पीयूष तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके सिर में गहरी चोट आई है, जिसके बाद उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। घटना के बाद पूरे कैंपस में तनाव का माहौल बन गया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, कि रुइया हॉस्टल के गेट पर उस समय करीब ५०-६० छात्र प्रॉक्टोरियल बोर्ड से किसी मुद्दे पर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान पीयूष तिवारी बाइक से वहां से गुजरा। तभी उसकी बिरला-सी हॉस्टल के तीन छात्रों से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते बहस मारपीट में बदल गई, जिसमें पीयूष के सिर पर गंभीर चोट लग गई।

पीयूष के घायल होने की खबर फैलते ही रुइया हॉस्टल के छात्र आक्रोशित हो गए। इसी बीच आरोप है कि बिरला-सी हॉस्टल के ३०-४० छात्र, जिनमें कुछ के चेहरे कपड़े से ढंके थे, लाठी-डंडे और पत्थर लेकर रुइया हॉस्टल की ओर दौड़ पड़े और जमकर पथराव किया। अचानक हुए इस हमले से इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही लंका थाना पुलिस, बीएचयू चौकी प्रभारी और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी काशी गौरव स्वयं मौके पर पहुंचे। हालात काबू में करने के लिए करीब ५०० पुलिसकर्मियों, ३ एसीपी, ५ थानों की फोर्स, एक टीम पीएसी और आरपीएफ के जवानों को तैनात किया गया। इसी के साथ ही पूरे इलाके की ड्रोन से निगरानी रखी गई। पुलिस ने बिरला-सी हॉस्टल को चारों ओर से घेर लिया है। तलाशी अभियान के तहत कई कमरों के ताले तोड़कर जांच की गई है। इस दौरान विश्वविद्यालय का प्रॉक्टोरियल बोर्ड भी मौके पर मौजूद रहा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की तैयारी करने की बात कही है।

छात्रों का आरोप है कि घटना में कुछ निष्कासित छात्र भी शामिल थे, जिनके खिलाफ पहले से अनुशासनात्मक कार्रवाई हो चुकी है। घायल छात्र के समर्थन में रुइया हॉस्टल के छात्र आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। फिलहाल कैंपस में हालात नियंत्रण में हैं, लेकिन पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

शादी से पहले युवती पर ब्लेड अटैक पुलिस की गिरफ्त से आरोपी फरार

कानपुर,(ईएमएस): उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के नजीराबाद से एक रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। यहाँ एक सिरफिरे आशिक ने एकतरफा प्रेम में नाकाम होने पर एक युवती के चेहरे को सर्जिकल ब्लेड से बुरी तरह गोद दिया।

मिली जानकारी के मुताबिक, पीड़िता भदौरिया चौराहे के पास की निवासी है। आरोपी की पहचान गोलू के रूप में हुई है, जो पास के ही एल्युमिनियम कारखाने में काम करता था। जानकारी के मुताबिक, आरोपी युवती से एकतरफा लगाव रखता था और अक्सर उससे संपर्क करने की कोशिश करता था। बुधवार रात करीब ९:३० बजे, जब युवती रास्ते से जा रही थी, तब नशे में धुत गोलू ने युवती को रोकने का प्रयास किया।

युवती द्वारा विरोध करने पर अचानक सर्जिकल ब्लेड निकलकर उसके चेहरे पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। युवती ने खुद को बचाने की कोशिश की, जिससे उसके हाथों में भी गंभीर चोटें आई हैं।

हमाले से डरी युवती की चीख सुनकर लोग मौके पर जमा हो गए। उग्र भीड़ ने आरोपी गोलू को पकड़कर उसकी जमकर धुनाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें दो पुलिसकर्मी आरोपी को बाइक पर बैठाकर ले जाते दिख रहे हैं। लेकिन हैरान करने वाली बात यह है कि आरोपी पुलिस की अभिरक्षा से फरार हो गया। बात दें कि पीड़िता की ७ फरवरी को शादी होनी तय है। जिस घर में मंगल गीत गाए जा रहे थे, वहां अब सन्नाटा और डर का माहौल है। घायल युवती को एलएलआर (हैलेट) अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टर उसकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फरार आरोपी की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं। हालांकि, स्थानीय निवासियों और परिजनों में पुलिस की लापरवाही को लेकर भारी आक्रोश है।

भाजपा की सरकार में न्याय की आशा नहीं : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

वाराणसी (ईएमएस): शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने काशी पहुंचकर गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पूरे देश में लोगों ने वीडियो में देखा कि बटुकों को उनकी चोटी पकड़कर उन्हें अपमानित किया जा रहा है। अपनी गलती को गलती न मानना और अपने अपराध को न स्वीकार करना ये उन पर निर्भर करता है। जो अपराध किया वो सबके सामने आ ही गया है। अपने लोगों ने तो संयम से ११ दिन प्रयागराज में रहकर उनको मौका दिया कि आपसे जो अपराध हुआ है चाहे तो आप सुधार सकते हैं, लेकिन उन्होंने नहीं सुधारा। इसके बाद काशी वापस लौट गए हैं। इस पार्टी की सरकार में न्याय की कोई आशा न करे यही संदेश मिला है। यूजीसी के नए नियमों पर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि यह नियम इसी लिए लाया गया है कि उनकी कमियां जो हैं उसकी चर्चा कोई न करे। सवाल ये है कि यूजीसी जैसा नियम जो सनातन धर्म के लिए बहुत बड़ा खतरा है। सनातन धर्म में जातियां हैं, जातियां इसलिए नहीं हैं कि एक दूसरे से लड़ें, ये इसलिए है कि सभी लोगों की आजीविका सुरक्षित रहे।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गिरिडीह
(जिला पंचायत शाखा)
Email Id :- dpro-giridih@jharkhandmail.gov.in

''नगरपालिका आम निर्वाचन 2026– भवन–परिसर अधिग्रहण आदेश''

नगरपालिका आम निर्वाचन 2026 के निमित्त सचिव, राज्य निर्वाचन आयोग, झारखण्ड, राँची के द्वारा जारी प्रेस नोट संख्या 187 तिथि 27.01.2026 के द्वारा नगरपालिका आम निर्वाचन हेतु मतदान की तिथि दिनांक 23.02.2026(सोमवार) एवं मतगणना की तिथि दिनांक 27.02.2026 (शुक्रवार) को निर्धारित है। उक्त के निमित्त निम्न भवनों/परिसरो/मैदानों का अधिग्रहण उल्लेखित अवधि तक के लिए किया जाता है :–

1. मतपत्र/मतपेटिका विच्छेदन कोषांग एवं डिस्पैच सेंटर :–मतपत्र एवं मतपेटिका विच्छेदन कोशांग एवं मतदान दलों का डिस्पैच हेतु निम्न भवन/स्थलों का चयन किया गया है :–

क्रम	नगरपालिका निर्वाचन क्षेत्र की विवरणी	चयनित भवन का नाम	अधिग्रहण अवधि
01	गिरिडीह नगर निगम (वर्ग–ख)(महापौर एवं वार्ड पार्षद)	विवाह भवन – झण्डा मैदान, गिरिडीह (संपूर्ण परिसर मैदान आदि सहित)	दिनांक 29.01.2026 से दिनांक 28.02.2026 तक
02	बड़की सरैया नगर पंचायत(अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद)		
03	धनवार नगर पंचायत (अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद)		

2. Dispatch Centre हेतु वाहन कोषांग के रूप में :–

क्रम	नगरपालिका निर्वाचन क्षेत्र की विवरणी	चयनित भवन का नाम	अधिग्रहण अवधि
01	गिरिडीह नगर निगम (वर्ग–ख)	+2 उच्च विद्यालय, गिरिडीह का खेल मैदान (B.T. Field)	दिनांक 18.02.2026 से दिनांक 24.02.2026 तक
02	बड़की सरैया नगर पंचायत		
03	धनवार नगर पंचायत		

3. मतदान के उपरांत मतपेटिका तथा विधिक, अविधिक कागजातों के रख–रखाव तथा मतगणना हेतु चयनित भवन :–इस कार्य हेतु कृषि उत्पादन बाजार समिति, बिशुनपुर, पचम्बा, गिरिडीह में अवस्थित गोदाम, हॉल एवं अन्य कमरों का चयन किया गया है। उपरोक्त परिसर, परिसर में अवस्थित सभी भवन (मैदान आदि सहित) का अधिग्रहण दिनांक 05.02.2026 से दिनांक 28.02.2026 तक के लिए किया जायेगा।

4. मतदान एवं मतगणना हेतु वाहन पार्किंग हेतु:– मतदान दिवस एवं मतगणना दिवस के निमित्त कृषि उत्पादन बाजार समिति, बिशुनपुर, पचम्बा, गिरिडीह के समीप वाहन पार्किंग हेतु निम्न विद्यालयों का मैदान का चयन किया गया है :–

क्रम	विद्यालय/भवन का नाम	अधिग्रहण तिथि
01	रॉयल पब्लिक स्कूल, गिरिडीह	दिनांक 23.02.2026 से दिनांक 24.02.2026 तक एवं दिनांक 27.02.2026 से दिनांक 28.02.2026 तक
02	मिशन मैदान, बिशुनपुर, पचम्बा, गिरिडीह (पचम्बा मिशन स्कूल बोड़ो के पीछे अवस्थित)	
03	बिशप स्कूल पचम्बा, गिरिडीह।	

5.आयोग द्वारा अनुमोदित मतदान केन्द्र :– गिरिडीह नगर निगम(वर्ग –ख), धनवार नगर पंचायत एवं बड़की सरैया नगर पंचायत हेतु आयोग द्वारा अनुमोदित सभी मतदान केन्द्र भवनों का अधिग्रहण दिनांक 22.02.2026 से दिनांक 24.02.2026 तक के लिए किया जाना है।

उक्त के निमित्त उपरोक्त वर्णित सभी भवनों, भवन से संबद्ध संपूर्ण परिसर एवं मैदान आदि को मैं रामनिवास यादव,(भा.प्र.से.), जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त, गिरिडीह लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 160 में प्रदत्त शक्तियों के आलोक में उपरोक्त वर्णित अवधि तक के लिए अधिग्रहित करता हूँ।

{रामनिवास यादव,(भा.प्र.से.)}
जिला दण्डाधिकारी
सह उपायुक्त, गिरिडीह

PR 371900 Election(25-26).D

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, धनबाद।
(जिला भू-अर्जन शाखा)

ज्ञापांक–71/भू0अ0 दिनांक–17.01.2026।
असाधारण अंक सं0–17 दिनांक–22.01.2026।

-: अधिसूचना :-

राज्य सम्पोषित शंकरडीह–कमारडीह पथ परियोजना हेतु **मौजा–जमडीहा, थाना नं0–237**, अंचल–पूर्वी टुण्डी में अर्जित की जा रही भूमि के भू–अर्जन के लिए भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुरूप भूमि अर्जन किया जाना है। उक्त के आलोक में इस कार्यालय के द्वारा निम्नलिखित पत्रांक एवं दिनांक से पत्राचार किया गया है, जो निम्नवत है:–

क्रमांक	पत्रांक/दिनांक	कार्यालय का नाम	विषय/प्रयोजन
1	2	3	4
01	पत्रांक–324/भू0अ0, दिनांक–13.02.2024	कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद	पथांश पर पड़ने वाले संरचना मूल्यांकन संबंधी प्रतिवेदन।
02	पत्रांक–235/भू0अ0, दिनांक–30.01.2025		
03	पत्रांक–515/भू0अ0, दिनांक–11.03.2025		
04	पत्रांक–323/भू0अ0, दिनांक–13.02.2024	वन प्रमण्डल पदाधिकारी, धनबाद	वृक्ष की गणना से संबंधित प्रतिवेदन।
05	पत्रांक–236/भू0अ0, दिनांक–30.02.2024		
06	पत्रांक–518/भू0अ0, दिनांक–11.03.2025		
07	पत्रांक–1522/भू0अ0, दिनांक– 18.08.2025	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, धनबाद	भूनि का मुआवजा भुगतान हेतु प्राक्कलित राशि की मांग।
08	स्मार पत्रांक–1914/भू0अ0, दिनांक– 29.10.2025		

उपरोक्त पत्राचार के आलोक में यह पाया गया है, कि संबंधित प्रतिवेदन के अभाव में निर्धारित अवधि में अधिनियम की धारा–19(1) के अन्तर्गत अधिघोषणा ससमय निर्गत नहीं किया जा सका है।

अतः राज्य सम्पोषित शंकरडीह–कमारडीह पथ परियोजना हेतु **मौजा–जमडीहा, थाना नं0–237**, अंचल–पूर्वी टुण्डी में रकवा–**2.0935** एकड़ रैयती भूमि का भू–अर्जन के लिए भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा–19(7) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की धारा–19(1) के अन्तर्गत अधिघोषणा हेतु दिनांक–**08.12.2025 से 07.12.2026 तक** एक वर्ष की अवधि विस्तार की स्वीकृति प्रदान किया जाता है।

ह0/–
समुचित सरकार
–सह– उपायुक्त, धनबाद।

PR.NO.371974 Land Reforms(25-26):D

झारखण्ड सरकार
उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, धनबाद
(जिला भू–अर्जन शाखा)

ज्ञापांक–74/भू0अ0 दिनांक–17.01.2026।
असाधारण अंक सं0–20 दिनांक–22.01.2026।

-: अधिसूचना :-

राज्य सम्पोषित शंकरडीह–कमारडीह पथ परियोजना हेतु **मौजा–बादलपुर, थाना नं0–185**, अंचल–टुण्डी में अर्जित की जा रही भूमि के भू–अर्जन के लिए भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुरूप भूमि अर्जन किया जाना है। उक्त के आलोक में इस कार्यालय के द्वारा निम्नलिखित पत्रांक एवं दिनांक से पत्राचार किया गया है, जो निम्नवत है:–

क्रमांक	पत्रांक/दिनांक	कार्यालय का नाम	विषय/प्रयोजन
1	2	3	4
01	पत्रांक–324/भू0अ0, दिनांक–13.02.2024	कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, धनबाद	पथांश पर पड़ने वाले संरचना मूल्यांकन संबंधी प्रतिवेदन।
02	पत्रांक–235/भू0अ0, दिनांक–30.01.2025		
03	पत्रांक–515/भू0अ0, दिनांक–11.03.2025		
04	पत्रांक–323/भू0अ0, दिनांक–13.02.2024	वन प्रमण्डल पदाधिकारी, धनबाद	वृक्ष की गणना से संबंधित प्रतिवेदन।
05	पत्रांक–236/भू0अ0, दिनांक–30.02.2024		
06	पत्रांक–518/भू0अ0, दिनांक–11.03.2025		
07	पत्रांक–1522/भू0अ0, दिनांक– 18.08.2025	कार्यपालक अभियंता, पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, धनबाद	भूमि का मुआवजा भुगतान हेतु प्राक्कलित राशि की मांग।
08	स्मार पत्रांक–1914/भू0अ0, दिनांक– 29.10.2025		

उपरोक्त पत्राचार के आलोक में यह पाया गया है, कि संबंधित प्रतिवेदन के अभाव में निर्धारित अवधि में अधिनियम की धारा–19(1) के अन्तर्गत अधिघोषणा ससमय निर्गत नहीं किया जा सका है।

अतः राज्य सम्पोषित शंकरडीह–कमारडीह पथ परियोजना हेतु **मौजा–बादलपुर, थाना नं0–185**, अंचल–टुण्डी में रकवा–**2.3450** एकड़ रैयती भूमि का भू–अर्जन के लिए भूमि अर्जन पुर्नवासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 की धारा–19(7) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की धारा–19(1) के अन्तर्गत अधिघोषणा हेतु दिनांक–**08.12.2025 से 07.12.2026 तक** एक वर्ष की अवधि विस्तार की स्वीकृति प्रदान किया जाता है।

ह0/–
समुचित सरकार–सह–
उपायुक्त, धनबाद

PR 371977 Land Reforms(25-26)#D

विकसित भारत के लक्ष्य में झारखंड की होगी अहम भूमिका : राज्यपाल

रांची (एजेंसी): : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर और सशक्त भारत बनाने के लिए विकसित भारत एट द रेट २०४७ का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में झारखंड की अहम भूमिका होगी।

यह बात झारखंड के गवर्नर संतोष गंगवार ने गुरुवार को झारखंड माइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन शो का उद्घाटन करते वक्त कही। उन्होंने कहा कि देश के खनन क्षेत्र में झारखंड की काफी महत्वपूर्ण भूमिका है।

झारखंड में हैं देश का 40 प्रतिशत खनिज संसाधन

गौरतलब है कि ओलंपिया एग्जिबिशन प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में रांची के प्रभात तारा मैदान में तीन दिवसीय

झारखंड माइनिंग एवं कंस्ट्रक्शन शो २०२६ शुरू हुआ है। इसकी शुरुआत राज्यपाल ने दीप जलाकर की।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि देश के कुल खनिज संसाधनों का लगभग ४०% हिस्सा झारखंड में पाया जाता है। इससे राज्य में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार की अपार संभावनाएं हैं।

राज्यपाल ने कहा कि धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की यह पावन धरती सामाजिक और आर्थिक विकास के साथ ही देश की तरक्की में अहम भूमिका निभा रही है।

तकनीक आधारित खनन पर हुआ मंथन

राज्यपाल ने कहा कि झारखंड माइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन शो केवल खनन गतिविधियों के लिए नहीं बल्कि तकनीक आधारित खनन और संसाधनों के कुशलतम उपयोग जैसे विषय पर मंथन करता है।

गौरतलब है कि इस शो में माइनिंग, मिनरल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट, पावर, स्टील, सीमेंट और अन्य सहायक उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण अवसर मिलेंगे।

देश-विदेश की १०० से अधिक अग्रणी कंपनियां अपनी आधुनिक मशीनरी और तकनीक के साथ इस शो में आई हैं।

सीतारामडेरा में शार्ट सर्किट से घर में लगी आग, झुलस कर वृद्धा की मौत

जमशेदपुर (एजेंसी): जमशेदपुर के सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भालूबासा इंदिरा नगर बस्ती में शॉर्ट सर्किट से एक घर में आग लग गई। आग की चपेट में आने से ८५ वर्षीय शोभा मुखर्जी नामक वृद्ध की मौत हो गई है। घटना बुधवार की देर रात लगभग ३:०० बजे की बताई जा रही है। आग लगने का पता चलते ही इलाके के लोग मौके पर पहुंच गए। लेकिन, तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। शोभा मुखर्जी आग की चपेट में आ गई थी। वह चीखती रही। लेकिन कोई उनकी मदद को नहीं पहुंच सका। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वृद्धा की मौत पर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतका की बेटी शोभना मुखर्जी ने बताया कि रोज की तरह सभी लोग खाना खाकर सोने चले गए थे।

जमशेदपुर में बाबा राइस मिल समूह से जुड़े कारोबारी के ठिकानों पर आयकर की रेड

जमशेदपुर (एजेंसी): जमशेदपुर के सबसे पॉश इलाके बिष्टुपुर स्थित सीएच एरिया और सबसे व्यस्त व्यापारिक क्षेत्र जुगसलाई में गुरुवार सुबह आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन विंग ने एक साथ छापेमारी की। सुबह करीब ६ बजे केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ पहुंची टीम ने बिष्टुपुर के सीएच एरिया, रोड नंबर-३ स्थित बंगलों में दबिश दी। इसी क्रम में आयकर विभाग की एक अन्य टीम जुगसलाई नया बाजार निवासी कारोबारी संजय अग्रवाल के आवास पर भी पहुंची। बताया जा रहा है कि संजय अग्रवाल चावल के बड़े स्टॉकिस्ट व कारोबारी हैं। सूत्रों के अनुसार, आयकर विभाग की उक्त कार्रवाई संजय अग्रवाल के बाबा राइस मिल समूह से जुड़े व्यावसायिक संबंधों और लेन-देन को लेकर की गई है।

आयकर विभाग इसे सर्वे/जांच की कार्रवाई बता रहा है, जिसमें चावल कारोबार से जुड़े वित्तीय दस्तावेजों की बारीकी से पड़ताल की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, इस छापेमारी के दौरान कारोबारी के घर के सभी सदस्यों के मोबाइल फोन को भी जब्त कर लिया गया और किसी भी बाहरी व्यक्ति के प्रवेश पर रोक लगा दी गई। अधिकारियों का कहना है कि डिजिटल डेटा, बैंक खातों और लॉकरों की जांच पूरी होने के बाद ही अघोषित आय या संपत्ति का सही आकलन सामने आ सकेगा।

राष्ट्रपति पद पर द्रौपदी मुर्मु के आसीन होने से आदिवासी समाज का बढ़ा मान : अर्जुन मुंडा

चाईबासा (एजेंसी): चाईबासा स्थित बासा बासाटोंटो के बलिस ब्यनकेट हॉल में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) तइ-ऋठ-च् ऋ का जिला सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि सह मुख्य वक्ता के रूप में भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय जनजातीय मंत्री अर्जुन मुंडा शामिल हुए। उनके आगमन पर भाजपा जिला अध्यक्ष गीता बालमुचू सहित पार्टी कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और स्थानीय रीति-रिवाज के साथ उनका भव्य स्वागत किया। मुख्य वक्ता अर्जुन मुंडा ने अपने संबोधन में पश्चिम सिंहभूम जिले में पहली बार एक आदिवासी महिला के जिला अध्यक्ष बनने पर गीता बालमुचू को शुभकामनाएं दीं और सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

पृष्ठ एक का शेषांश

पीएम ने दिया---

वाले सभी सांसदों का आभार भी व्यक्त किया। कुल मिलाकर, प्रधानमंत्री के संबोधन ने यह साफ कर दिया कि बजट सत्र के दौरान सरकार का मुख्य फोकस आर्थिक विकास, वैश्विक व्यापार और आम आदमी के जीवन स्तर को सुधारने वाले बड़े नीतिगत फैसलों पर रहने वाला है।

बजट के लिए---

बढ़ रही है। ऐसे में बजट को भी उनकी जरूरतों और अपेक्षाओं के अनुरूप तैयार करना होगा। इसके लिए नवीन प्रयोगों को अपनाना जरूरी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के पास जल, जंगल, खनिज संपदा, मानव संसाधन, श्रम बल, किसान और खिलाड़ी जैसी अपार क्षमताएं हैं। जरूरत है इन संसाधनों के बेहतर और प्रभावी उपयोग की। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, कृषि, खेल, उद्योग और आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लक्ष्य के साथ सरकार आगे बढ़ रही है। कृषि में नए प्रयोग हो रहे हैं, खेतों तक पानी पहुंच रहा है और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। जल-जंगल-जमीन के संरक्षण और उपयोग के लिए भी ठोस रूपरेखा पर काम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड भले ही छोटा और पिछड़ा राज्य माना जाता हो, लेकिन देश की अर्थव्यवस्था में इसका योगदान महत्वपूर्ण है। राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए नई नीतियों और बेहतर प्रबंधन के साथ काम किया जा रहा है।

सुनेत्रा पवार बन---

ही मुंबई से बारामती के लिए निकले थे। लेकिन लैंडिंग के वक्त ये हादसा हो गया।

भारत ने ब्राजील से---

अब यूरोप नहीं, अमेरिका नहीं और चीन पहले से ही मोलभाव कर रहा था। भारत की सबसे बड़ी रिफाइनरी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन यानी आईओसी ने रूस को साइड में रखकर ब्राजील का रुख किया। मार्च महीने के लिए आईओसी ने ७० लाख बैरल कच्चा तेल ब्राजील की सरकारी कंपनी पेट्रोबस और अन्य सप्लायर से खरीदा और संदेश साफ दिया कि भारत के पास दूसरे विकल्प भी हैं। यहीं बात अब रूस को चूक गई। जैसे ही रूस को लगा कि भारत सच में हाथ से निकल सकता है, मॉस्को में अलार्म बच गया। रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने भारत को यूराल क्रूड पर करीब १० डालर प्रति बैरल की छूट ऑफर कर दी। यह डिस्काउंट पिछले साल से ३ से ५ डालर से ज्यादा है। साल २०२२ के बाद पहली बार इतनी बड़ी छूट भारतीय बंदरगाहों पर दी जा रही है। अब रूस की हालत समझना जरूरी है। यूरोप पहले ही हाथ से निकल चुका है। अमेरिका सीधे दुश्मन बन बैठा है। प्रतिबंधों से डॉलर कमाने के रास्ते बंद है। भारत जैसा बड़ा ग्राहक अगर चला गया, तब रूसी तेल के लिए बाजार ही नहीं बचेगा।

इसलिए रूस अब कह रहा है, सस्ता तेल लेकर बस हमारे साथ बने रहो। यहीं से बड़ा ट्विस्ट आया। भारत अब वहां देश नहीं जो सिर्फ सस्ते तेल के पीछे भागे। भारत जानता है आज सस्ता तेल मिलेगा। कल उसी सप्लायर की मजबूरी बढ़ेगी और परसों वही देश दबाव बनाएगा। इसलिए भारत खेल खेल रहा है। सेफ गेम का भारत की यह रणनीति वाशिंगटन में भी नोटिस की गई। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने संकेत दिए कि भारत पर लगाया गया २५ प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ हटाया जा सकता है क्योंकि भारत ने रूसी तेल के आयात में भारी कटौती की है।

यूजीसी के नए नियमों---

अब १९ मार्च को होगी। यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ मृत्युंजय तिवारी, एडवोकेट विनीत जिंदल और राहुल दीवान ने याचिकाएं दायर की हैं। इनमें आरोप लगाया गया था कि यूजीसी ने जाति आधारित भेदभाव की गैर-समावेशी परिभाषा अपनाई है और कुछ समुदाय को संस्थागत संरक्षण से बाहर रखा है। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि नए नियम अस्पष्ट हैं। कोर्ट के कहा कि नए यूजीसी नियमों का दुरुपयोग हो सकता है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और यूजीसी के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने इन रिट याचिकाओं की सुनवाई की। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि हमें जातिविहीन समाज की ओर बढ़ना चाहिए या हम पीछे जा रह हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि क्या हम उल्टी दिशा में जा रहे। जिन्हें सुरक्षा चाहिए, उनके लिए व्यवस्था होनी चाहिए। इसी के साथ उन्होंने केंद्र और यूजीसी से जवाब मांगा है। साथ ही कहा है कि एक विशेष कमेटी भी बनाई जा सकती है। इसी के साथ नए नियमों की भाषा को स्पष्ट करने के लिए विशेषज्ञों की जरूरत पर भी जोर दिया।

इजरायल ने भारत को---

भविष्य में होने वाले किसी भी संभावित आतंकी हमले को रोकने के प्रभावी तरीके खोज लिए जाएंगे। राजदूत अजार ने ७ अक्टूबर, २०२३ को इजरायल पर हुए बर्बर हमले की तुलना भारत में हुए पहलगाम हमले से की। उन्होंने तर्क दिया कि ७ अक्टूबर की घटना ने दुनिया भर के विभिन्न आतंकी संगठनों को हिंसक कृत्य करने के लिए उकसाया है। अजार के अनुसार, जिस तरह पहलगाम में लोगों को उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाया गया, वैसी ही मानसिकता हमास के हमलों में भी दिखाई देती है। द्विपक्षीय संबंधों पर बात करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित इजरायल यात्रा की भी पुष्टि की। अजार ने बताया कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पीएम मोदी को निमंत्रण भेजा है और इजरायल को उम्मीद है कि यह महत्वपूर्ण यात्रा जल्द ही संपन्न होगी। यह बयान ऐसे समय में आया है जब वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ गठबंधन मजबूत करने की कोशिशें तेज हो गई हैं।

लैंड फॉर जॉब केस---

सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है, जिससे मुकदमे की गति तेज हो सके। गौरतलब है कि ९ जनवरी को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में लालू परिवार के सदस्यों सहित कुल ४१ आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए थे। इसके साथ ही कोर्ट ने सबूतों के अभाव में ५२ लोगों को बरी भी कर दिया था। अब जिन आरोपियों पर चार्ज फ्रेम किए गए हैं, उनके खिलाफ नियमित ट्रायल चलेगा।

अजित पवार का पार्थिव---

सेकंड-इन-कमांड (एसआईसी) शाम्भवी पाठक-सवार थे। हादसे में विदित जाधव और पिंकी माली की भी मौत की पुष्टि हुई है। मंत्रालय के अनुसार, फ्लाइट क्रू ने पहले लैंडिंग के शुरुआती सीक्वेंस को रद्द किया था, जिसके बाद सुबह ८:४३ बजे रनवे ११ पर उतरने की अनुमति दी गई। जांच एजेंसियां तकनीकी खामी और ऑपरेशनल पहलुओं की गहन जांच कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि इसी ऑपरेटर के एक अन्य लीयरजेट ४५ विमान के साथ पूर्व में भी दुर्घटना हो चुकी है, जिसकी जांच अभी जारी है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यक्रम में आमंत्रित हुए हिमांशु कुमार, बजट को लेकर दिए अहम सुझाव

रांची (एजेंसी): अबुआ बजट को लेकर आयोजित बजट-पूर्व गोष्ठी में प्राप्त सुझावों में से अंतिम रूप से ३० लोगों के सुझावों का चयन किया गया है। इन चयनित सुझावों में हिमांशु कुमार द्वारा दिए गए प्रस्ताव भी शामिल हैं। इसी क्रम में हिमांशु कुमार को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया।

हिमांशु कुमार ने आगामी बजट को लेकर सुझाव देते हुए कहा कि नए निर्माण कार्यों को न्यूनतम रखते हुए पहले से निर्मित भवनों के उपयोग पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि राज्य के कई डिग्री कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज और आईटीआई भवन वर्षों से बनकर तैयार हैं, लेकिन वहां शैक्षणिक गतिविधियां शुरू नहीं हो पाई हैं। अनगड़ा और लातेहार में डिग्री कॉलेज, वहीं खूंटी, हजारीबाग, जामताड़ा, गोड्डा, पलामू, चतरा, बगोदर, लोहरदगा और बंसिया में पॉलिटेक्निक भवन तैयार होने के बावजूद उपयोग में नहीं हैं। इसी तरह सोनाहातू और बोकारो के कसमार में आईटीआई भवन लंबे समय से निष्क्रिय है।

उन्होंने सुझाव दिया कि सिल्ली के राढ़ जलाशय योजना और गाड़िय में सिंचाई के लिए पाइपलाइन योजना को आगामी बजट में शामिल किया जाए। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण को लेकर बजट में विशेष प्रावधान किए जाएं। उन्होंने सभी प्रमुख स्थानों पर -ख्व डिस्प्ले बोर्ड लगाने, पर्यावरण विभाग में ऑटोमेशन बढ़ाने और भ्रष्टाचार नियंत्रण पर जोर देने की बात कही।

पर्यटन क्षेत्र पर जोर देते हुए हिमांशु कुमार ने कहा कि राज्य के पर्यटन स्थलों में पीपीपी मॉडल के तहत निवेशकों को आकर्षित किया जाए। साथ ही राज्य में बने स्टेडियमों और खेल संरचनाओं का बेहतर उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उदाहरण के तौर पर उन्होंने सिल्ली में बने सिंथेटिक फुटबॉल स्टेडियम और कला केंद्र के सीमित उपयोग का उल्लेख किया।

उन्होंने डीएमएफटी मद से पीसीसी पथ निर्माण को न्यूनतम करने, कमर्शियल टैक्स विभाग में ऑटोमेशन बढ़ाने और मानव नियंत्रण प्रणाली को ऑटोमेटेड सिस्टम में बदलने का सुझाव दिया। इसके अलावा नए स्वास्थ्य केंद्र बनाने के बजाय पहले से निर्मित स्वास्थ्य केंद्रों और उप स्वास्थ्य केंद्रों को पूरी तरह कार्यशील बनाने पर जोर दिया। पर्यटन विकास के तहत उन्होंने जोन्हा और हुंडरू वॉटरफॉल में ग्लास ब्रिज निर्माण का प्रस्ताव रखा, ताकि राजधानी के नजदीक स्थित इन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ाई जा सके। साथ ही अन्य पर्यटन स्थलों पर पीपीपी मोड में होटल और रिसॉर्ट विकसित कर राज्य के राजस्व में वृद्धि की संभावना जताई। अब देखना होगा कि अबुआ बजट में इन चयनित सुझावों को किस स्तर तक शामिल किया जाता है और सरकार इन प्रस्तावों पर क्या निर्णय लेती है।

दिल्ली में झारखंड कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की बंद कमरे में बैठक, क्या मंत्रियों से नाराज़ चल रहे हैं पार्टी के अपने ही लोग

नई दिल्ली (एजेंसी): दिल्ली स्थित झारखंड भवन में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की एक अहम बैठक ने राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ा दी है। औपचारिक तौर पर इस बैठक को संगठन की मजबूती से जोड़कर देखा जा रहा है, लेकिन पार्टी के अंदरखाने यह चर्चा तेज है कि झारखंड कांग्रेस का एक गुट मौजूदा मंत्रियों से नाराज़ चल रहा है और उसी पृष्ठभूमि में यह बैठक अहम मानी जा रही है।

इस बैठक में झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, पार्टी प्रभारी बेला प्रसाद, विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल और युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रियाज अहमद शामिल हुए। सोशल मीडिया पोस्ट के अनुसार, बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत करने, उसे जमीनी स्तर पर सशक्त करने और कार्यकर्ताओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने को लेकर गहन चर्चा हुई। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या यह बैठक सिर्फ संगठनात्मक रणनीति तक सीमित थी या फिर इसके पीछे मंत्रियों के कामकाज और सरकार में भूमिका को लेकर असंतोष भी एक कारण है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के भीतर लंबे समय से यह चर्चा चल रही है कि कुछ नेता सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल की मांग कर रहे हैं। बैठक में शामिल नेताओं ने सार्वजनिक तौर पर संगठन को मजबूत करने और कांग्रेस को जमीनी स्तर पर सक्रिय बनाने पर जोर दिया, लेकिन दिल्ली में बंद कमरे में हुई इस चर्चा को झारखंड कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। फिलहाल कांग्रेस नेतृत्व की ओर से किसी तरह की नाराज़गी या मतभेद की औपचारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन दिल्ली बैठक के बाद यह साफ है कि झारखंड कांग्रेस के भीतर संगठन और सरकार को लेकर मंथन तेज हो गया है।

रामगढ़ में बच्चे का अपहरण करने की कोशिश के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

ठरासरीह : रामगढ़ जिले के सदर थाना क्षेत्र के छतरमांडू गांव से ११ वर्षीय किशोर आदित्य का अपहरण करने की कोशिश करने वाले आरोपी सुधांशु रंजन को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। सुधांशु रंजन को गुरुवार को जेल भेजा गया।

गौरतलब है कि सुधांशु रंजन ने बुधवार को अपनी ग्रैंड विटारा कार में किशोर को जबरन बैठा लिया था और उसे लेकर भागा जा रहा था। किशोर चिल्लाया तो उसका गला दबाकर धमकी दी कि जान से मार देंगे।

बताते हैं कि जब छतर मांडू से लोधमा जाने वाले रास्ते पर बंद फुलवार मोड़ के पास गाड़ी धीमी हुई तो किशोर ने कार का दरवाजा खोलकर बाहर छलांग लगा दी।

इसके बाद, वह दौड़कर नजदीक के होटल में छिप गया और शोर मचाकर लोगों को बुला लिया। जब मौके पर लोग जमा हो गए तो आरोपी सुधांशु रंजन कार लेकर वहां से फरार हो गया था।

जामताड़ा में नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए आज केवल एक नाम निर्देशन प्रपत्र की हुई बिक्री

जामताड़ा (एजेंसी): जामताड़ा जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा जारी ताज़ा प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार नगरपालिका (आम) निर्वाचन २०२६ के तहत जामताड़ा नगर पंचायत एवं मिहिजाम नगर परिषद (वर्ग ख) में नाम निर्देशन प्रपत्रों की बिक्री प्रारंभ हो गई है, हालांकि अभी तक किसी भी अभ्यर्थी द्वारा नाम निर्देशन दाखिल नहीं किया गया है। जामताड़ा नगर पंचायत में अध्यक्ष पद के लिए आज कुल ०१ नाम निर्देशन प्रपत्र की बिक्री हुई है, जबकि कुल बिक्री भी ०१ ही रही है। वहीं वार्ड पार्षद पद के लिए आज १७ नाम निर्देशन प्रपत्रों की बिक्री हुई, जिससे कुल बिक्री १८ प्रपत्रों तक पहुंच गई है। अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षद दोनों ही पदों के लिए अभी तक किसी भी अभ्यर्थी द्वारा नाम निर्देशन दाखिल नहीं किया गया है। मिहिजाम नगर परिषद (वर्ग ख) में अध्यक्ष पद के लिए आज ०४ नाम निर्देशन प्रपत्रों की बिक्री हुई है, जिससे कुल बिक्री ०५ प्रपत्र हो गई है।

यूजीसी पर सुप्रीम कोर्ट की रोक स्वागतयोग्य कदमः सरयू राय

जमशेदपुर (एजेंसी): जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने यूजीसी विनियम पर सर्वोच्च न्यायालय की रोक को स्वागत योग्य कदम बताया है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर सरयू राय ने लिखा कि इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी, पूर्व में व्यक्त उनकी प्रतिक्रिया को सही साबित करती है। सरयू राय के अनुसार, इस विनियमन को वापस लिया ही जाना चाहिए। शिक्षण संस्थाओं में समता संवर्धन के लिए अग्रसोची व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। गौरतलब है कि विगत दिनों सरयू राय ने सोशल मीडिया साइट्स पर अपनी टिप्पणी शेयर की थी। उन्होंने लिखा था: उच्च शिक्षा में समानता का संवर्द्धन करने के नाम पर यूजीसी द्वारा हाल में जारी विनियमन नख-दंत विहीन है। अनावश्यक भ्रम फैलानेवाला है। यह हड़बड़ी में बना है। यह असमानता बढ़ाने वाला है। इसके प्रस्तावना एवं उद्देश्य के साथ इसके प्रावधानों का तालमेल नहीं है।

सोनारी में मिनी गन फैक्ट्री का संचालन करने वाले सरदार गैंग के फरार आरोपियों के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

रांची (एजेंसी): झारखंड में जमशेदपुर के सोनारी थाना क्षेत्र में अवैध हथियार निर्माण और नशीले पदार्थों के कारोबार का बड़ा खुलासा हुआ था।

पुलिस ने सरदार गैंग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए फरार आरोपियों के घरों पर इश्तेहार चस्पा कर प्रेशर बढ़ा दिया है। इस मामले में सामने आई मिनी गन फैक्ट्री ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है।

टिल्लू भट्टा बस्ती में चल रहे इस अवैध नेटवर्क की आड़ नट-बोल्ट सप्लाई का कारोबार था, जबकि अंदर ही अंदर देसी हथियार, गांजा और शराब की तस्करी का संगठित धंधा संचालित किया जा रहा था।

जांच में पता चला है कि समीर सरदार और उसके सहयोगी लेथ मशीन और भट्टी की मदद से देसी पिस्टल और अन्य हथियार तैयार करते थे।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामग्री बरामद की थी।

इनमें ७.६५ एमएम की ९ गोलियां, एक देसी पिस्टल, तीन लेथ मशीनें, लोहे के औजार, भट्ठी, लगभग १४०० ग्राम गांजा, २,४१,६०० रुपये नकद, चार मोबाइल फोन और बड़ी संख्या में शराब की बोतलें शामिल थीं।

सूत्रों के मुताबिक, इस गैंग का सुराग पटना में दर्ज एक मामले की जांच के दौरान मिला था। इसके बाद पुलिस टीम जमशेदपुर पहुंची और गुप्त सूचना के आधार पर टिल्लू भट्ठा बस्ती में छापा मारा।

एसएसपी के निर्देश पर सीएसआर डीएसपी मनोज ठाकुर के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई ने पूरे नेटवर्क की परतें खोल दी थीं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई अभी शुरुआती चरण में है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है और आने वाले दिनों में इस गिरोह से जुड़े और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

सोनारी में मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़, सरदार गैंग पर पुलिस कार्रवाई, फरार आरोपियों के घर इश्तेहार चस्पा, पटना कनेक्शन से जांच तेज।

महिलाओं को सबसे ज्यादा क्यों होता है सर्वाइकल कैंसर का खतरा?

कैंसर एक बहुत ही खतरनाक बीमारी है। यह कई प्रकार के होते हैं। इन्हीं में से एक है सर्वाइकल कैंसर। यह महिलाओं में होने वाले सबसे गंभीर कैंसरों में से एक है। ब्रेस्ट कैंसर के बाद भारत में इस बीमारी से सबसे ज्यादा महिलाएं पीड़ित है। यह महिलाओं की मौत का एक प्रमुख कारण माना जाता है। इस गंभीर बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने के मकसद से हर साल जनवरी के महीने को सर्वाइकल कैंसर अवेयरनेस मंथ के तौर पर मनाया जाता है। सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय ग्रीवा में होता है। इसे गर्भाशय के मुंह का भी कैंसर कहा जाता है। महिलाओं में गर्भाशय और योनि को जोड़ने वाले हिस्से को सर्विक्स कहते हैं। इस वजह से इसमें होने वाले कैंसर को सर्वाइकल कैंसर कहा जाता है। यह कैंसर एचपीवी यानी कि ह्युमन पैपिल्लोमा वायरस के कारण होता है । एचपीवी शरीर में अंदर प्रवेश करके यूटरस के अंदरूनी हिस्से को नुकसान पहुंचता है और धीरे-धीरे कैंसर का रूप ले लेता है। दरअसल इसके लक्षण काफी आम होते हैं जिसकी वजह से अक्सर महिलाएं से नजरअंदाज कर देती हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक 30 की उम्र की महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर खतरा ज्यादा रहता है। सर्वाइकल कैंसर होने के पीछे कई कारण जिम्मेदार होते हैं, जिसमें से है एक से अधिक साथी के साथ संबंध बनाना, खराब हाइजीन, बर्थ कंट्रोल पिल्स का इस्तेमाल करना, स्मोकिंग और परिवार का इतिहास इस कैंसर के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं।

सर्वाइकल कैंसर के बारे में ऐसे चलता है पता

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण वैसे दिखाई नहीं देते हैं,लेकिन फिर भी आपको शक है तो इसलिए इसकी स्क्रीनिंग टेस्ट होती है। पैप स्मीयर टेस्ट सबसे महत्वपूर्ण टेस्ट होता है। इसमें गर्भाशय ग्रीवा के ऊतकों का नमूना लिया जाता है। अगर इसमें असामान्य कोशिकाएं मिलती हैं तो एचपीवी टेस्ट की जाती है।इन जांचों से सर्वाइकल कैंसर का पता लगता है। इसके बाद इलाज शुरू किया जाता है।

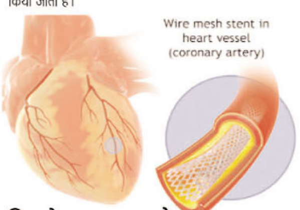

कितने साल चलता है हार्ट का कोरोनरी स्टेंट

कोरोनरी स्टेंट एक तकनीकी उपाय है जिसका उपयोग धमनियों (कोरोनरी आर्टरीज) को खोलने के लिए किया जाता है ताकि रक्त स्वतंत्रता से ह्रदय में पहुंच सके। इसका उपयोग ह्रदय संबंधित समस्याओं, जैसे कि दिल का दौरा, कोरोनरी आर्टरी रोग, या अन्य धमनीक बीमारियों के इलाज में किया जाता है। कोरोनरी स्टेंट जिस तकनीकी साधन का उपयोग किया जाता है, वह साधन धातु से बना होता है और धातु की दरबारी विशेषता और रक्त की प्रवाह की गति के आधार पर इसकी जीवनकाल की अधिकतम विशेषता को निर्धारित करती है। कई प्रकार के स्टेंट्स उपलब्ध हैं, जिनमें शास्त्रीय (बेयर-मेटलिक) और ड्रग-एलूटिंग स्टेंट्स शामिल हैं। शास्त्रीय स्टेंट्स का जीवनकाल आमतौर पर कुछ साल से लेकर कई दशक तक हो सकता है, जबकि ड्रग-एलूटिंग स्टेंट्स में शास्त्रीय स्टेंट्स के मुकाबले ड्रगों का उपयोग किया जाता है जो आराम से विघटित होते हैं और उनका प्रभाव अधिक समय तक बना रहता है। यह निर्भर करता है कि रोगी का स्वास्थ्य, सामान्य शारीरिक स्थिति, और स्थानांतरण का उपयोग किस तकनीकी साधन पर किया गया है। आपके चिकित्सक से यह सवाल करना हमेशा उचित होता है।

अजवाइन है सबसे सस्ता फैट बर्नर

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं या कब्ज की समस्या से परेशान हैं, तो आपके लिए अजवाइन का सेवन फायदेमंद है। इसमें कई ऐसे गुण होते हैं, जो आपकी कई शारीरिक समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। क्या आप काफी समय से वजन कम करने की कोशिश में लगे हुए हैं और नहीं कर पा रहे हैं या पेट की समस्या से परेशान है, तो ऐसी कई समस्याओं का उपाय, आपके किचन में रखा यह एक मसाला कर सकता है। हम बात कर हैं अजवाइन की, यह एक सबसे सस्ता और फायदेमंद मसाला होने के साथ एक अच्छा फैट बर्नर भी है।

अजवाइन का इस्तेमाल भारतीय रसोई में काफी सालों से किया जा रहा है। इसके सेवन से आप आसानी से वजन कर सकते हैं । यह कई स्वास्थ्य संबंधित फायदे भी देती है, जैसे कि पेट दर्द, गैस और पेट के कई रोगों को भी यह दूर करने में मदद करती है। जिन लोगों को गठिया है, उसके उपचार में भी यह काफी लाभदायक साबित हो सकता है। इसका उपयोग हर्बल औषधि में किया जाता है।

वेट लॉस में मदद करता है

अजवाइन में थाइमोल नामक एक तत्व होता है, जो आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है। जब आपका मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है, तो नया फैट बन नहीं पता है और पुराना फैट आसानी से बर्न होता है, तो अजवाइन का सेवन इस तरह से वजन कम करने में मदद कर सकता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए अच्छा है

अजवाइन में फाइबर, विटामिन ए और अन्य तरह के पोषण पाए जाते हैं, जो दिल के स्वास्थ्य को सुधार सकती हैं। इस पर हुए शोध में पता चला है कि इसमें एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा पाई जाती है, जो शरीर में कोलेस्ट्रॉल से लड़ने में काफी सहायक होती है।

दर्द निवारक है

पेट के दर्द में अजवाइन काफी काम आती है, क्योंकि इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते है, जो दर्द को कम करने में मदद करते हैं।दर्द के अलावा यह सूजन को भी कर सकती है। अजवाइन में थाइमोल नामक तत्व होता है, जो एंटी-इन्फ्लेमेटरी और एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है।

ब्लड प्रेशर कंट्रोल

इसमें मौजूद पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स की मात्रा ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में मदद कर सकता है। हाई पोटैशियम डाइट से उच्च ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद मिलती है।

पाचन स्वास्थ्य के लिए

अजवाइन पाचन को सुधारने में मदद कर सकता है। अगर आपको गैस, एसिडिटी, और कब्ज की समस्या बनी रहती है, तो आपको इसका रोजाना सेवन जरूरी करना चाहिए।

ठंड में हार्ट के मरीज बरतें ये सावधानियां

ठंड के मौसम में हमारे शरीर में कई तरह के बदलाव आने लगते हैं। सर्दी के कारण जहां सर्दी और खांसी की समस्या बढ़ जाती है। वहीं इस मौसम में दिल की बीमारी को खतरा भी काफी बढ़ जाता है। दरअसल सर्द हवाओं के चलते रक्त वाहिकाएं संकुचित हो जाती है जिसके कारण ब्लड का फ्लो सही से नहीं हो पता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ता है। दिल पर दबाव पड़ता है और हार्ट अटैक का कारण बनता है। वहीं इस मौसम में हमारी लाइफस्टाइल भी काफी ज्यादा बदल जाती है। इसके कारण भी हार्ट अटैक का खतरा बना रहता है। अगर आप हार्ट के पेशेंट हैं और खुद को सर्दियों में सुरक्षित रखना चाहते हैं तो आप इन बातों को जरूर ध्यान में रखें।

सर्दियों में हार्ट के मरीज ऐसे बरतें सावधानियां

- सर्दियों के मौसम में आप अनहेल्दी फूड खाने से बचें। अगर आप ठंड के दिनों में ज्यादा तला भुना या फाइड चीज खाते हैं,तो यह आपके हार्ट को नुकसान पहुंचा सकता है। ब्लड फ्लो वैसे ही कम हो जाता है और ऑयली चीज खाने से ब्लड वेसल में फैट जमा हो जाएगा तो ब्लड फ्लो पूरी तरह से बाधित हो सकता है। यह हार्ट हेल्थ के मरीजों को बुरी तरह से नुकसान पहुंचता है।
- हार्ट के मरीजों को एक्सरसाइज रेगुलर बेसिस पर करना जरूरी होता है। सर्दियों में लोग अक्सर ज्यादा खाते हैं और कंफर्टेबल फूड खाने के आदी हो जाते हैं। ऐसे में वजन बढ़ने का रिस्क बढ़ जाता है और इससे हार्ट पर ज्यादा दबाव पड़ने लगता है। इससे बचने का बेहतर उपाय यह है कि आप बहुत ज्यादा एक्सरसाइज नहीं भी कर पाए तो हल्की-फुल्की एक्सरसाइज हर रोज करें। इससे आप एक्टिव रहेंगे और हार्ट भी ठीक से फंक्शन करेगा।
- सर्दियों के मौसम में अक्सर धूप की कमी के चलते मेंटल हेल्थ खराब हो जाता है। अक्सर लोग डिप्रेशन और स्ट्रेस के शिकार हो जाते हैं। ऐसे में आप कोशिश करें कि तनाव कम लें, स्ट्रेस मैनेज करें। क्योंकि स्ट्रेस की वजह से बीपी बढ़ सकता है और यह हार्ट अटैक का कारण बन सकता है।
- हार्ट को हेल्दी रखने के लिए ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखना जरूरी होता है। ऐसे में सर्दियों में जितना कम हो सके उतना नमक का सेवन करें, शरीर में नमक पानी को रोकता है और हार्ट को इस लिक्विड को पंप करने में ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।
- अक्सर लोग सर्दियों में धूम्रपान ज्यादा करते हैं। इससे भी हार्ट अटैक की आशंका ज्यादा होती है। इससे धमनियों में प्लाक जमा होता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी घटता है। कोशिश करें कि धूम्रपान ना करें

फेफड़ों की बीमारी के लिए चुकंदर का रस फायदेमंद!

एक शोध से यह बात सामने आई है कि 12 सप्ताह तक चुकंदर का रस लेने से क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) से पीड़ित लोगों में सुधार हुआ है। सीओपीडी एक गंभीर फेफड़ों की स्थिति है जो दुनिया भर में लगभग 400 मिलियन लोगों को प्रभावित करती है, जिसमें क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और वातस्फीति (एम्फाइजिमा) शामिल है, जिससे सांस लेने में कठिनाई होती है और लोगों की शारीरिक गतिविधि की क्षमता गंभीर रूप से सीमित हो जाती है। इससे दिल के दौरे और स्ट्रोक का खतरा भी बढ़ जाता है। यूरोपियन रेस्पिरेटरी जर्नल में प्रकाशित नए शोध में एक केंद्रित चुकंदर के रस के पूरक का परीक्षण किया गया, जिसमें चुकंदर के रस के मुकाबले नाइट्रेट की मात्रा अधिक होती है, जो दिखने और स्वाद में समान था। लेकिन, नाइट्रेट हटा दिया गया था।

इंपीरियल कॉलेज लंदन यूके के प्रोफेसर निकोलस हॉपकिंसन ने कहा, कुछ सबूत हैं कि नाइट्रेट के स्रोत के रूप में चुकंदर के रस का उपयोग एथलीटों द्वारा अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है और साथ ही रक्तचाप को देखते हुए कुछ अल्पकालिक अध्ययन भी किए गए हैं।

हॉपकिंसन ने कहा, रक्त में नाइट्रेट का उच्च स्तर नाइट्रिक ऑक्साइड की उपलब्धता को बढ़ा सकता है, एक रसायन जो रक्त वाहिकाओं को आराम देने में मदद करता है। यह मांसपेशियों की कार्यक्षमता को भी बढ़ाता है यानी समान कार्य करने के लिए उन्हें कम ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। अध्ययन में सीओपीडी वाले 81 लोगों को शामिल किया गया और जिनका सिस्टोलिक रक्तचाप 130 मिलीमीटर पारा (एमएमएचजी) से अधिक था। मरीजों के रक्तचाप की निगरानी करने के साथ-साथ, शोधकर्ताओं ने परीक्षण किया कि अध्ययन की शुरुआत और अंत में मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं।

प्रतिभागियों को 12 महीने के कोर्स में नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का रस दिया गया और कई रोगियों को बिना नाइट्रेट वाला चुकंदर का रस दिया गया।

शोधकर्ताओं ने पाया कि नाइट्रेट युक्त पूरक लेने वालों ने नाइट्रेट लेने वालों की तुलना में सिस्टोलिक रक्तचाप में 4.5 मिमी/एचजी की औसत कमी का अनुभव किया। नाइट्रेट से भरपूर चुकंदर का जूस पीने वाले मरीज छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं, इसमें भी औसतन लगभग 30 मीटर की वृद्धि हुई। प्रोफेसर हॉपकिंसन ने कहा, अध्ययन के अंत में हमने पाया कि नाइट्रेट युक्त चुकंदर का जूस पीने वाले लोगों का रक्तचाप कम था और उनकी रक्त वाहिकाएं कम कठोर हो गईं। जूस से यह बात भी सामने आई कि सीओपीडी वाले लोग छह मिनट में कितनी दूर तक चल सकते हैं। यह इस क्षेत्र में अब तक के सबसे लंबी अवधि के अध्ययनों में से एक है। परिणाम बहुत आशाजनक हैं, लेकिन इसके लिए दीर्घकालिक अध्ययनों की आवश्यकता होगी।

स्वीडन में कारोलिंस्का इंस्टिट्यूट के प्रोफेसर अपोस्टोलोस बोसियोस ने कहा, सीओपीडी को ठीक नहीं किया जा सकता है, इसलिए मरीजों को इस स्थिति के साथ बेहतर जीवन जीने और उनके ह्रदय रोग के खतरे को कम करने में मदद करने की सख्त जरूरत है। हालांकि, बोसियोस ने निष्कर्षों की पुष्टि के लिए लंबी अवधि तक रोगियों का अध्ययन करने की आवश्यकता पर बल दिया।

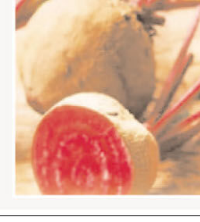

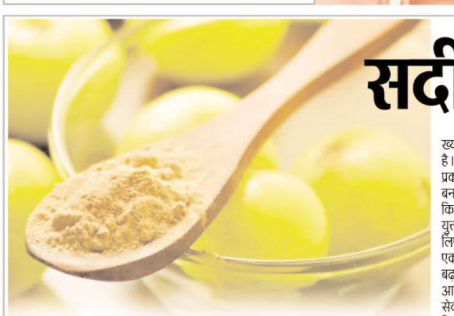

सर्दी में सेहत ना पड़ जाए ठंडी

सर्दियों का मौसम उत्तर भारत में दस्तक दे चुका है। कहते हैं कि सर्दी का मौसम सेहत के नजरिए से बेहतर होता है। ऐसे में हम आपको बता रहे हैं इस मौसम में आपकी डाइट कैसी होनी चाहिए ताकि आप भी सर्दी में अपनी सेहत बेहतर बना सकें और सर्दियों को एंजॉय कर सकें।

आमतौर पर हम गर्मियों में कम खाना खाते हैं तो उसकी तुलना में सर्दियों में भूख में भी इजाफा होता है। सर्दियों में शरीर से मेहनत भी कम होती है। खासकर इस मौसम में सभी को अपनी हेल्थ का ख्याल रखना काफी जरूरी है। यहां हम आपको बता रहे हैं कि सर्दियों के मौसम में किस प्रकार से अपना ख्याल रखा जाता है और किन-किन सावधानियों को ध्यान में रखा जाता है। अपनी डाइट का इस तरह रखें खास ख्याल सर्दियों के मौसम में खानपान का खास ख्याल रखना काफी ज्यादा जरूरी हो जाता है। क्योंकि इस मौसम में शरीर में कई प्रकार की बीमारियां भी लगने का खतरा बना रहता है। इस बारे में डॉक्टर बताते हैं कि सर्दियां आते ही सिट्रस या विटामिन सी युक्त पदार्थों के सेवन पर ध्यान दें। इसके लिए संतरा, नींबू, आंवला आदि में से कोई एक दिन में जरूर खाएं। इससे इम्युनिटी बढ़ाने में मदद मिलेगी और सर्दी खांसी आदि से भी बचाव होगा। विटामिन डी के सेवन का भी ध्यान रखें व धूप में भी वक्त बिताएं। इसके अलावा भोजन में हल्दी, अदरक व लहसून की मात्रा जोड़ें। इसके लिए व्यंजनों में पिसा अदरक जोड़ा जा सकता है और सलाद में ऊपर से कद्दूकस करके भी डाला जा सकता है।

वजन कम करने में मदद करते हैं ये फूड

वहीं एक्सपर्ट का कहना है कि अगर आप साबुत अनाज, दलिया आदि का सेवन करते हैं तो ये वजन कम करने में भी असरदार हैं और दिल के लिए भी फायदेमंद साबित होते हैं। इस मौसम में सब्जियों और फलों का भरपूर सेवन करना चाहिए। इस मौसम में फाइड और सैचुरेटेड फूड्स का उपयोग नहीं करना चाहिए।

खाने के आधे घंटे बाद पीएं पानी

वैसे तो गर्मियों की तुलना में सर्दियों में कम पानी पिया जाता है, लेकिन इस मौसम में आवश्यक मात्रा में पानी पीना चाहिए। याद रखें कि पानी खाना खाने के तुरंत बाद ना लेकर आधे घंटे के अंतराल पर पीएं। वहीं, अगर आप इस मौसम में हर्बल-टी पीते हैं, तो इससे एलडीएल कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का लेवल भी डाउन होता है।

एक्सरसाइज करना है जरूरी

अगर आप अपनी बॉडी फिट रखना चाहते हैं, तो इसके लिए सर्दियों से अच्छा मौसम और कोई नहीं हो सकता है। इस दौरान आप अपने वजन को कंट्रोल करें। बॉडी को फिट रखने के लिए रेगुलर एक्सरसाइज कीजिए। अगर आप जिम में जाकर एक्सरसाइज नहीं कर पा रहे हैं तो रोजाना वॉक पर जाएं। चलने से शरीर में गर्मी पैदा होती है और इससे खून का दौरा बढ़ता है। सर्दियों के मौसम में ब्लड शुगर और कोलेस्ट्रोल को कंट्रोल करना चाहिए। इस मौसम में नमक का कम मात्रा में सेवन करना चाहिए क्योंकि अधिक नमक का सेवन करने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

नींद लें पूरी, गर्म चीजों का करें सेवन

सर्दियों के मौसम में ठंड से बचाव के लिए खुद को गर्म कपड़ों से कवर रखना चाहिए। इस दौरान पैर, सिर और कानों को खासतौर से ढककर रखना चाहिए। सर्दियों में कम से कम 6 से 8 घंटे की नींद लेनी चाहिए। ठंड के मौसम में शरीर को ठंड से बचाने के लिए जैसे गर्म कपड़ों का इस्तेमाल किया जाता है, ठीक इसी प्रकार से गर्म चीजों का सेवन भी किया जाता है। इस दौरान स्किन सूखने लग जाती और फटने भी लगती है तो इसके लिए ऑयल या बॉडी लोशन का उपयोग कर सकते हैं।

फटाफट आटे को गूंथने का आसान सा हैक

आटे को गूंथने में समय और मेहनत लगती है और आपको ये काम सबसे ज्यादा बोरिंग लगता है तो फूड ब्लॉगर रोहन ने बिल्कुल आसान सा हैक शेयर किया है। जिसकी मदद से झटपट आटा गुंथ जाएगा। सीख ले ये तरीका।

खाना बनाने का काम मेहनत और धैर्य का होता है। आराम से और पूरे प्रोसेस को फॉलो करने के बाद ही खाने में स्वाद आता है जैसे रोटियां। रोटी को बनाने के लिए आटे को सही तरीके से गूंथना जरूरी होता है। नहीं तो रोटियां कड़क बनती है और पकाते वक्त फूलती भी नहीं है, जिससे कई बार कच्ची रह जाती हैं। नर्म, मुलायम और पूरी तरह से पकी रोटियों को बनाने के लिए आटा गूंथना है। लेकिन मेहनत नहीं करना चाहतीं तो फूड ब्लॉगर के इस छोटे से हैक को जरूर सीख लें। जिससे कुछ ही सेकंड में पूरा आटा गूंथ लेंगी।

आसान हैक से गूंथे आटा

आटे को पानी डालकर लपेटना और फिर जोर लगाकर उसे गूंथना मुश्किल लगता है तो बस ये आसान सा तरीका फॉलो कर लें। जिससे कुछ ही सेकेंड में फूड प्रोसेसर की तरह आपके हाथ से ही आटा गुंथ जाएगा।

सबसे पहले किसी ऊंचे किनारे वाले प्लास्टिक के बाउल में आटा लें। अगर प्लास्टिक का बाउल नहीं है तो आप स्टील या कांच का भी ले सकती हैं। लेकिन प्लास्टिक का बाउल हल्का होता है। जिसे हाथ से पकड़ना आसान होगा।

अब आरओ या वाटर फिल्टर का नल ऑन कर लें। ध्यान रहे कि नल से निकलने वाले पानी की स्पीड बिल्कुल धीमी हो। नहीं तो एक साथ ढेर सारा पानी गिर जाएगा।

बस अब रोहन के बताए हैक के मुताबिक हाथों को आटे में घुमाते जाएं कुछ ही सेकेंड में पूरा आटा आपस में लिपट जाएगा और आटा आसानी से गुंथ जाएगा।

एक बार आटा लिपट जाए तो पानी बंद कर दें और बस फटाफट आटे पर हाथ से मुक्के मारकर उसे अच्छी तरह से लपेटकर रख दें।

15 मिनट बाद रोटियां बनाएं, बिल्कुल मुलायम और सफेद बनकर तैयार होंगी।

ये ट्रिक भी करें ट्राई

अगर आपके पास नल नही है तो एक हाथ में किसी गिलास या बर्तन में पानी लें और बहुत ही धीमी स्पीड में पानी को आटे के बर्तन में गिराए। ध्यान रहे कि आटा किसी बाउल में ही हो। जिससे ये साइड में गिरे नहीं। अब दूसरे हाथ से हाथों को तेजी से घुमाएं और आटे को लपेटें। कुछ ही सेकेंड में सारा आटा लिपटकर गूंथ जाएगा। जिसे बाद में आप हाथों से मुक्का मारकर अच्छी तरह से गूंथ सकते हैं। अगर आटे में पानी ज्यादा हो गया है तो थोड़ा आटा मिला लें। और अगर पानी कम है तो थोड़ा सा पानी और लेकर नर्म कर लें।

दूध में ये 1 सफेद चीज मिलाकर जमाएं दही, बिल्कुल बाजार जैसी गाढ़ी मलाईदार जमेगी!

घर पर कितनी भी ट्रिक लगाकर दही जमा लो वैसा स्वाद ही नहीं आ पाता। तो चलिए आज आपको बताते हैं वो सीक्रेट इंग्रीडिएंट जिसे दही जमाते हुए डाल देंगी तो दही इतनी क्रीमी और टेस्टी बनेगी कि बाजार वाली दही भी फीकी लगेगी।

दही खाना बहुत ही फायदेमंद होता है। इतना ही नहीं अगर रोटी, सब्जी के साथ आप एक कटोरी दही खाते हैं तो खाने का टेस्ट भी बढ़ जाता है। अक्सर लोग घर में ही दही जमाना पसंद करते हैं क्योंकि घर की दही में कोई मिलावट का डर नहीं होता। हालांकि घर की दही से ज्यादा टेस्टी बाजार वाली दही लगती है। ये ज्यादा गाढ़ी और मलाईदार होती है और इसका टेस्ट भी काफी क्रीमी सा होता है। वहीं घर पर कितनी भी ट्रिक लगाकर दही जमा लो वैसा स्वाद ही नहीं आ पाता। तो चलिए आज आपको बताते हैं वो सीक्रेट इंग्रीडिएंट जिसे दही जमाते हुए डाल देंगी तो दही इतनी क्रीमी और टेस्टी बनेगी कि बाजार वाली दही भी फीकी लगेगी। चलिए स्टेप बाय स्टेप जान लेते हैं परफेक्ट दही जमाने का राज।

ये डालकर बाजार जैसी गाढ़ी मलाईदार जमेगी दही

बाजार जैसी गाढ़ी और मलाईदार दही जमाने के लिए चीजों की सही मात्रा जानना जरूरी है। उदाहरण के लिए अगर आप आधा लीटर दूध की दही जमा रही हैं, तो उसमें 1 चम्मच दही यानी जामन की जरूरत पड़ेगी। इसके बाद एक सीक्रेट इंग्रीडिएंट आपको इसमें मिलाना है, जिससे दही एकदम क्रीमी जमेगी, वो है 'मिल्क पाउडर'। आपको इसमें लगभग दो चम्मच मिल्क पाउडर डालना है।

रिश्तों में दूरी क्यों जरूरी है?

प्यार का अर्थ अक्सर गलत समझ लिया जाता है। हम मान लेते हैं कि जितना ज्यादा हम साथ रहते हैं, उतना ही गहरा रिश्ता होता है। हर पल साथ रहना, हर बात शेयर करना और हर सांस में साथी की मौजूदगी, इसे ही लोग सच्चा प्यार समझ बैठते हैं। लेकिन सच्चाई थोड़ी अलग होती है। प्यार का मतलब हर वक्त साथ रहना नहीं होता। रिश्ते भी सांस लेते हैं और सांस लेने के लिए स्पेस चाहिए। जहां स्पेस खत्म होता है, वहीं घुटन शुरू होती है।

आज के रिश्तों में सबसे बड़ी गलती यही हो रही है कि लोग अपने पार्टनर संग इतनी ज्यादा करीबी चाहते हैं कि खुद को खो बैठते हैं। मोबाइल, चैट, कॉल और हर पल की अपडेट, इनसब के कारण प्यार अब साथ रहने से ज्यादा नजर रखने का नाम बनता जा रहा है। इसका नतीजा है, रिश्ते में घुटन, शक और चिड़चिड़ापन बढ़ना।

थोड़ी दूरी प्यार को कमजोर नहीं करती, बल्कि उसे मजबूत बनाती है। जीवन में संतुलन के लिए कुछ समय खुद के लिए, कुछ समय दोस्तों के लिए और कुछ समय रिश्ते के लिए देना चाहिए। रिश्ते में दूरी के कई फायदे हैं। दूरी से भावनाओं को समझने का मौका मिलता है, संवाद बेहतर होता है और साथ बिताया गया समय बोझ नहीं लगता है। आइए जानते हैं कि मजबूत रिश्ते के लिए दूरी क्यों जरूरी है और बहुत ज्यादा करीबी का रिश्ते पर क्या असर पड़ता है?

अपनी पहचान खोने लगती है

जब हर समय पार्टनर के साथ रहने की आदत बन जाती है, तो व्यक्ति अपनी रुचियां, दोस्त और स्पेस खो देता है।

एक ही रिश्ते में सिमटकर रह जाने से व्यक्ति के भीतर खालीपन और चिड़चिड़ापन पैदा होता है।

लगातार साथ रहने से रोमांच खत्म होने लगता है।

जो चीज हमेशा उपलब्ध हो, उसकी कद्र धीरे-धीरे कम हो जाती है।

प्यार में रोमांस कम आदत ज्यादा शामिल हो जाती है।

इस तरह के रिश्ते भावनाओं पर नहीं, जरूरतों पर निर्भर हो जाते हैं।

शक और कंट्रोल बढ़ता है

हर वक्त साथ रहने की चाह अक्सर कंट्रोल में बदल जाती है।

कुछ देर की दूरी कई सवाल खड़े कर देती है, जैसे- कहां हो, किससे हो, क्यों जवाब नहीं दिया।

यहीं से रिश्ते जहरीले होने लगते हैं।

जब दो लोग हर समय एक-दूसरे के स्पेस में होते हैं, तो छोटी-छोटी बातें भी बड़ी लगने लगती हैं।

दूरी इन टकरावों को शांत करती है।

हमेशा साथ रहने पर मनमुटाव ज्यादा होने की संभावना रहती है।

बिना तेल के पापड़ सेंकने का सही तरीका सीख लें

एकदम कुरकुरे और टेस्टी बनकर तैयार होंगे!

यूं तो बिना तेल के पापड़ सेंकने के भी कुछ तरीके हैं, जिनमें नमक या रेत का इस्तेमाल किया जाता है। ये तरीके ठीक हैं लेकिन बहुत झंझट भरे हैं। चलिए जान लेते हैं कुछ सिंपल तरीके जिनकी मदद से आप ऑयल फ्री क्रंची पापड़ फटाफट बना पाएंगी-

खाने के साथ या चाय के साथ पापड़ मिल जाए तो मजा आ जाता है। ये क्रंची स्नैक खाने में बेहद टेस्टी लगता है। हालांकि पापड़ के साथ एक समस्या है कि इन्हें तेल में फ्राई किया जाता है। इस वजह से पापड़ में बहुत ऑयल होता है और कई लोग इन्हें खाना अवॉइड करते हैं। यूं तो बिना तेल के पापड़ सेंकने के भी कुछ तरीके हैं, जिनमें नमक या रेत का इस्तेमाल किया जाता है। ये ट्रेडिशनल तरीके ठीक हैं लेकिन बहुत झंझट भरे हैं। ऐसे में लोग इन्हें ज्यादा ट्राई करने से बचते हैं। तो फिर बिना तेल के पापड़ बनाने के लिए क्या किया जाए? चलिए जान लेते हैं कुछ सिंपल से तरीके जिनकी मदद से आप ऑयल फ्री क्रंची पापड़ फटाफट बना पाएंगी, बिना ज्यादा झंझट के।

तवे पर सेंक लें पापड़

पापड़ को बिना तेल सेंकने का ये सबसे सिंपल और बेस्ट तरीका है। इसके लिए बस तवे को गर्म होने दें। इसके बाद गैस की फ्लेम को एकदम धीमा कर दें। फिर इसपर पापड़ सेंकने के लिए रखें और दोनों तरफ से अच्छी तरह रोस्ट कर लें। बिना तेल के ये बढ़िया रोस्ट हो जाता है। आप चाहें तो तवे पर हल्का सा ऑयल डालकर पापड़ सेंक सकती है। इससे पापड़ एकदम क्रंची बनता है और टेस्ट भी एकदम फ्राइड पापड़ जैसा आता है।

गैस की फ्लेम पर डायरेक्ट सेंक लें

गैस की फ्लेम पर भी आप डायरेक्ट पापड़ सेंक सकती हैं। इसके लिए फ्लेम को धीमा रखें, फिर पापड़ को चिमटे की मदद से इसपर रखें। इस प्रॉसेस में पापड़ के जलने का खतरा ज्यादा होता है, इसलिए तेजी से पापड़ को रोस्ट करें। रोटी की तरह आप इसे आराम से सेंक सकती हैं, बहुत ही क्रिस्पी बनकर तैयार होता है। सर्व करने से पहले चाहें तो हल्का तेल लगा सकती हैं।

माइक्रोवेव में बनेगा ऑयल फ्री पापड़

आप माइक्रोवेव में ऑयल फ्री पापड़ बना सकती हैं। इसके लिए पहले पापड़ को एक तरफ से सेंकने के लिए माइक्रोवेव में रख दें। लगभग 20 सेकेंड में ये एक तरह से रोस्ट हो जाएगा। अब दूसरी साइड से 20 सेकेंड के लिए सेंकने रख दें। लगभग 40 सेकेंड में बहुत ही क्रिस्पी और टेस्टी पापड़ बनकर तैयार हो जाएगा। इसके लिए आपको एक बूंद तेल की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

स्टील स्ट्रेनर में सेंक लें पापड़

फटाफट बिना तेल के पापड़ सेंकने हैं, तो स्टील स्ट्रेनर यानी बड़ी वाली स्टील की छलनी का इस्तेमाल करें। ये तरीका इसलिए भी बेस्ट है क्योंकि इसमें पापड़ जलते नहीं है और बहुत ही क्रिस्पी बनकर तैयार होते हैं। बस स्टील स्ट्रेनर में पापड़ रखें और गैस की फ्लेम पर इधर-उधर हिलाते हुए पापड़ को दोनों तरफ से सेंक लें। इस दौरान गैस की फ्लेम बिल्कुल लो रखें। इस तरीके से पापड़ बहुत ही जल्दी सेंक लेंगी और ये बहुत ही कुरकुरे बनेंगे।

पालक-मेथी-धनिया जल्द खराब हो जाते हैं? अपनाएं ये आसान स्टोरेज हैक्स

पालक, मेथी और धनिया जैसी पत्तेदार सब्जियां जल्दी खराब हो जाती हैं। लेकिन सही स्टोरेज ट्रिक अपनाकर आप इन्हें कई दिनों तक ताजा, हरा-भरा और पौष्टिक बनाए रख सकते हैं।

पालक, मेथी, धनिया और सरसों जैसी पत्तेदार सब्जियां भारतीय रसोई का अहम हिस्सा हैं, लेकिन इन्हें लंबे समय तक ताजा रखना अक्सर एक चुनौती बन जाता है। बाजार से लाने के कुछ ही दिनों में ये सब्जियां मुरझाने लगती हैं, पत्तियां पीली पड़ जाती हैं या बदबू आने लगती है, जिससे ज्यादातर लोग इन्हें फेंकने पर मजबूर हो जाते हैं। दरअसल, गलत स्टोरेज और अधिक नमी पत्तेदार सब्जियों के जल्दी खराब होने की सबसे बड़ी वजह होती है। अगर सही तरीके से इन्हें स्टोर किया जाए, तो ये सब्जियां कई दिनों तक फ्रेश और पौष्टिक बनी रह सकती हैं।

ये है काम का हैक

विशेषज्ञों के अनुसार, पत्तेदार सब्जियों के खराब होने की सबसे बड़ी वजह होती है अतिरिक्त नमी। जब सब्जियां गीली हालत में फ्रिज में रखी जाती हैं तो उनमें बैक्टीरिया जल्दी पनपने लगता है। इसलिए सबसे पहला और जरूरी कदम है नमी को कंट्रोल करना।

सब्जियां लाने के बाद सबसे पहले उनकी मोटी डंठल या स्टेम हटा दें। ये हिस्सा सबसे ज्यादा नमी छोड़ता है, जिससे पत्तियां

जल्दी सड़ती हैं। इसके बाद पत्तियों को हल्के पानी से धोकर अच्छी तरह सुखा लें। ध्यान रखें कि पत्तियों पर पानी की एक भी बूंद ना रहे।

अब एक साफ कंटेनर लें और उसके नीचे किचन पेपर या टिश्यू पेपर बिछा दें। उसके ऊपर पत्तेदार सब्जियां रखें और फिर ऊपर से दोबारा टिश्यू पेपर की परत लगा दें। यह टिश्यू एक्स्ट्रा नमी को सोख लेता है जिससे सब्जियां लंबे समय तक फ्रेश बनी रहती हैं। इस लेयरिंग टेक्नीक से पालक और मेथी 7-10 दिन तक खराब नहीं होतीं।

इन बातों पर दें ध्यान-

एक और जरूरी बात यह है कि सब्जियों को पूरी तरह एयरटाइट डिब्बे में बंद ना करें। हल्की हवा का प्रवाह जरूरी होता है, इसलिए ढक्कन थोड़ा ढीला रखें या ऐसे कंटेनर का इस्तेमाल करें जिसमें वेंटिलेशन हो।

इसके अलावा, पत्तेदार सब्जियों को फ्रिज के सबसे ठंडे हिस्से में रखने से बचें। वेजिटेबल क्रिस्पर ड्रॉअर इसके लिए सबसे सही जगह होती है। समय-समय पर टिश्यू बदलते रहें ताकि नमी जमा ना हो।

इन आसान किचन हैक्स को अपनाकर आप ना सिर्फ पत्तेदार सब्जियों को लंबे समय तक ताजा रख सकते हैं, बल्कि हर दिन पौष्टिक और ताजा भोजन का आनंद भी ले सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

2 लोगों की मौत, वाहन छोड़कर भागा ड्राइवर...

लैंडस्लाइड हादसे का वीडियो देखकर खड़े हो जाएंगे रोंगटे

जकार्ता, एजेंसी। 16 जनवरी 2026 को इंडोनेशिया के उत्तरी मालुकु प्रांत के पूर्वी हलमहेरा इलाके में स्थित पीटी मेगा हाल्टिम मिनरल निकल खदान में एक भीषण भूस्खलन हो गया। इस हादसे ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। भूस्खलन के दौरान तीन मजदूर मलबे में दब गए, जिनमें से दो की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि एक मजदूर अब भी लापता बताया

जा रहा है, राहत और बचाव कार्य जारी है।

वायरल वीडियो ने खड़े किए रोंगटे

इस हादसे से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि जैसे ही भूस्खलन शुरू होता है, ड्राइवर जान बचाने के लिए गाड़ी छोड़कर भाग जाता है। कुछ ही सेकंड में भारी मलबा वाहन पर गिर पड़ता है और वह पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाता है। वीडियो में दिख रही तबाही की रफ्तार इतनी भयावह है कि इसे देखकर लोगों के रोंगटे खड़े हो रहे हैं।

चंद सेकंड में बदल गया सब कुछ- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, भूस्खलन इतना अचानक हुआ कि मजदूरों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इलाके में काम कर रहे अन्य मजदूरों में भी दहशत फैल गई और काम तुरंत रोक दिया गया।

रूस-यूक्रन युद्ध ने तोड़े द्वितीय विश्व युद्ध के सारे रिकॉर्ड, भारी नुकसान के आंकड़े आए सामने

लंदन, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच करीब चार साल से जारी युद्ध अब आधुनिक इतिहास की सबसे खतरनाक और जानलेवा लड़ाइयों में गिना जा रहा है। एक नई अमेरिकी रिपोर्ट ने इस युद्ध के भयावह आंकड़े दुनिया के सामने रख दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फरवरी 2022 से अब तक रूस और यूक्रेन के मिलाकर करीब 20 लाख सैनिक हताहत हो चुके हैं। यह संख्या द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किसी भी युद्ध में दर्ज किए गए हताहतों से कहीं अधिक है।

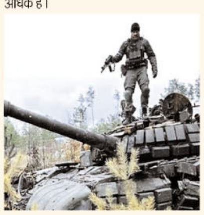

सीएसआईएस रिपोर्ट: रूस को सबसे ज्यादा नुकसान- अमेरिका के थिंक टैंक सामरिक और अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन केंद्र (सीएसआईएस) की रिपोर्ट में बताया गया है कि रूस को इस युद्ध में सबसे बड़ा सैन्य नुकसान उठाना पड़ा है। रूसी सेना के करीब 12 लाख हताहत हुए हैं, जिनमें से लगभग 3.25 लाख सैनिक मारे गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारी हताहतों के बावजूद रूस की जमीनी बढ़त बेहद धीमी रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किसी भी देश ने इतने सैनिक गंवाए, और इसके बावजूद जमीन पर कोई बड़ी सफलता हासिल नहीं हुई।

यूक्रेन की स्थिति भी चिंताजनक- यूक्रेन को भी भारी नुकसान झेलना पड़ा है। फरवरी 2022 से दिसंबर 2025 तक यूक्रेनी सेना के लगभग 5ङ्क6 लाख सैनिक हताहत हुए हैं। इनमें से करीब 11.4 लाख सैनिकों की मौत हुई है।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष में बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई ट्रंप की भूमिका

अमेरिकी सांसद ने खोल दी पोल

वाशिंगटन, एजेंसी। एक प्रभावशाली अमेरिकी सीनेटर मार्क वार्नर ने कहा है कि इस बात को बढ़ा-चढ़ाकर बताया गया है कि राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप प्रशासन ने अकेले ही भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष को खत्म करवाया था।

इन दावों से संघर्ष के समाधान की वास्तविकता खो जाने का खतरा है। उन्होंने चेताया कि इस तरह की बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई बातें क्षेत्रीय कूटनीति के संवेदनशील मोड़ पर तनाव बढ़ा रही हैं।

भारत-पाक संघर्ष में बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई ट्रंप की भूमिका- शक्तिशाली सीनेट इंटेलिजेंस कमेटी के अध्यक्ष और सीनेट इंडिया काकस के सह-अध्यक्ष मार्क वार्नर ने कहा कि उपलब्ध जानकारी इस दावे का समर्थन नहीं करती कि वॉशिंगटन ने अकेले ही गतिरोध का समाधान किया था। एक विशेष साक्षात्कार में वार्नर ने बताया, मैंने भारत सरकार के सदस्यों, खुफिया समुदाय और अमेरिकी खुफिया कमेटी से जो कुछ भी सुना और पढ़ा है, उससे यही पता चला कि समाधान पाकिस्तान और भारत के बीच किया गया था। उन्होंने कहा कि ऐसे मौकों के लिए नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच स्थापित संचार माध्यम मौजूद थे। इस तरह के अवसरों पर भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत होती रहती है।

ट्रंप के सीधे दखल के दावों को किया खारिज

वार्नर ने माना कि अमेरिका ने सहायक की भूमिका निभाने की कोशिश की होगी, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के सीधे दखल के दावों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, अमेरिका ने मदद करने की कोशिश की होगी, लेकिन ट्रंप ने व्यक्तिगत रूप से ऐसा नहीं किया होगा।

उन्होंने इस तरह के चित्रण को अहंकार से प्रेरित बताया। क्या इस संघर्ष के कारण दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी तबाही के करीब आ गए थे, इस सवाल पर वार्नर ने कहा कि स्थिति गंभीर थी, लेकिन अभूतपूर्व नहीं।

भारत-पाकिस्तान ने अतीत में ऐसे कई संकटों का अनुभव किया है। पाकिस्तान के बारे में वार्नर ने कहा कि वह भारत पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करता है। अक्सर ऐसा लगता है कि पाकिस्तान भारत को लेकर बहुत जुनूनी है। इसके विपरीत, भारत उस प्रतिद्वंद्विता से आगे बढ़ गया है। भारत जब से पहली दुनिया की शक्ति बन गया है, वह उस प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़ गया है।

न्यूयॉर्क में बिखरी भारतीय संस्कृति-पर्यटन की छटा

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क में आयोजित प्रमुख प्रदर्शनी में भारत के पर्यटन व सांस्कृतिक स्थलों की छटा बिखरी। प्रदर्शनी के जरिये हजारों आगंतुकों को देश की समृद्ध विरासत व पाक कला के बारे में जानने का अवसर मिला। न्यूयॉर्क स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने जैकब जेविट्स सेंटर में आयोजित ट्रैवल एंड एडवेंचर शो 2026 में भाग लिया। यहां 10 हजार से अधिक आगंतुकों ने भारत के पर्यटन व सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक देखी। इस वर्ष भारत मंडप विशाल कन्वेंशन सेंटर के मुख्य प्रवेश द्वार पर ही तैयार किया गया। भारतीय महावाणिज्य दूतावास के कांसुल जनरल बिनय प्रधान ने 24-25 जनवरी को आयोजित कार्यक्रम में भारत मंडप का उद्घाटन किया। भारत मंडप में विशेष रूप से भारत की टूर एवं ट्रैवल कंपनियों ने भाग लिया और अपनी योजनाएं प्रदर्शित कीं। प्रधान ने बताया, हमारा प्रयास भारतीय पर्यटन को अमेरिका की मुख्यधारा में लाना है और भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों की दूसरी, तीसरी और चौथी पीढ़ी को अपने पैतृक देश की यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित करना है। अमेरिका में रहने वाले 52 लाख प्रवासी भारतीय सांस्कृतिक रूप से भारत से जुड़े हुए हैं।

अमेरिका में बर्फीले तूफान का कहर

अब तक 38 लोगों की मौत

लाखों घरों की बिजली गुल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में भीषण सर्दी और बर्फीले तूफान ने भारी तबाही मचाई है। 23 जनवरी से शुरू हुए इस शक्तिशाली विंटर स्टॉर्म के कारण 14 राज्यों में अब तक कम से कम 38 लोगों की मौत हो चुकी है। स्थानीय अधिकारियों और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश के मध्य और पूर्वी हिस्सों में भारी बर्फबारी, बर्फ जमने (आइसिंग) और शून्य से नीचे तापमान ने जनजीवन ठप कर दिया।

कैसे फैला तूफान और क्या असर पड़ा- 23 जनवरी को विकसित हुआ यह तूफान सप्ताहांत में बड़े इलाके में फैल गया। सड़कों पर जमी बर्फ से ट्रैफिक ठप हो गया, हजारों फ्लाइट्स कैंसिल करनी पड़ीं और बिजली आपूर्ति बाधित हुई। 26 जनवरी तक बर्फबारी कम हुई, लेकिन इसके बाद कड़ाके की ठंड रह गई, जिसके लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। 27 जनवरी तक 5.5 लाख से ज्यादा घरों और कारोबारों में बिजली नहीं थी।

न्यूयॉर्क सिटी में सबसे ज्यादा असर- न्यूयॉर्क सिटी में 10 लोगों की मौत हुई। मेयर जोहरान ममदानी के मुताबिक, 27 जनवरी को तापमान माइनस 13 डिग्री

सेल्सियस तक गिर गया, जो पिछले 8 साल में सबसे ठंडा दिन था। सभी मृतक बाहर पाए गए, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वे बेघर थे या नहीं।

मेयर ने कहा कि कुछ मृतकों का पहले शेल्टर सिस्टम से संपर्क रहा था, लेकिन मौत के कारणों पर अभी जांच जारी है। इसी वजह से शहर ने बेघर लोगों की वार्षिक गिनती (जो अमेरिकी हाउसिंग विभाग के तहत होती है) फरवरी की शुरुआत तक टाल दी। मेयर का साफ संदेश-अत्यधिक मौसम किसी की निजी नाकामी नहीं है। हमारी प्राथमिकता लोगों को सुरक्षित जगहों पर लाना है, न कि सिर्फ आंकड़े जुटाना। 19 जनवरी से अब तक करीब 500 बेघर लोगों को शेल्टर में पहुंचाया गया। गंभीर स्वास्थ्य जोखिम वाले 350 बेघर लोगों की हर दो घंटे में जांच की जा रही है।

मौतों के अलग-अलग कारण

- इस तूफान से हुई मौतों के कारण अलग-अलग रहे-
- हाइपोथर्मिया (अत्यधिक ठंड से शरीर का ताप गिरना)
- बर्फ हटाते समय दिल का दौरा

ठंड और फिसलन से जुड़े हादसे- टेक्सास के बोनहम में तीन छोटे बच्चों की मौत बर्फ जमी झील में गिरने से हुई। ऑस्टिन (टेक्सास) में एक व्यक्ति की मौत एक बंद पेट्रोल पंप में शरण लेने की कोशिश के दौरान हाइपोथर्मिया से हुई। इसके अलावा कैनसस, केंटकी, लुइसियाना, मिसिसिपी, साउथ कैरोलाइना, टेनेसी और मिशिगन से भी ठंड से जुड़ी मौतों की खबरें आई हैं।

कुल मिलाकर स्थिति

अमेरिका इस समय भीषण सर्दी की आपदा से जूझ रहा है। प्रशासन का फोकस खासतौर पर बेघर और कमजोर लोगों को सुरक्षित रखने, बिजली बहाल करने और आपात सेवाओं को मजबूत करने पर है। ठंड अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है, इसलिए आने वाले दिनों में भी हालात चुनौतीपूर्ण बने रह सकते हैं।

लव इंश्योरेंस ने बदल दी जिंदगी महिला बनी 50 गुना अमीर

बीजिंग, एजेंसी। चीन में पेश किया गया एक अजीबो-गरीब इंश्योरेंस प्रोडक्ट, जिसे 'लव इंश्योरेंस' कहा जाता है, अचानक से वायरल हो गया है। कहानी एक महिला वू की है, जिन्होंने 2016 में इस पॉलिसी को सिर्फ 199 युआन में खरीदा था। लगभग 10 साल बाद, इस छोटी निवेश पर उन्हें 10,000 युआन (यूएस1,400) का फायदा हुआ, यानी उनके ओरिजिनल निवेश का लगभग 50 गुना रिटर्न।

लव इंश्योरेंस एक छोटा लेकिन काफी चर्चा में रहने वाला इंश्योरेंस प्रोडक्ट था। इसे 2015-16 में कुछ चीनी इंश्योरेंस कंपनियों ने लॉन्च किया था। यह पारंपरिक हेल्थ, लाइफ या प्रॉपर्टी इंश्योरेंस की तरह नहीं था। इसका मकसद रोमांटिक रिलेशनशिप्स को सपोर्ट करना था। इसे खासकर कॉलेज स्टूडेंट्स और युवा कपल्स को टारगेट करके बनाया गया था।

इसका आइडिया बेहद आसान था- अगर कोई कपल लंबे समय तक साथ रहता है और अंत में शादी कर लेता

है, तो उन्हें फाइनेंशियल इनाम मिलता। लेकिन अगर रिश्ता टूट जाता है, तो इंश्योरेंस कंपनी कोई पेमेंट नहीं करती।

इस पॉलिसी में एक विशेष नियम था। कपल को उसी पार्टनर से पॉलिसी लेने के बाद शादी करनी थी। शादी की अवधि पॉलिसी खरीदने के 3 साल बाद से लेकर 10 साल के अंदर होनी चाहिए थी। केवल इस तय समय में रजिस्टर्ड शादी को ही वैध माना गया और इनाम के लिए योग्य ठहराया गया।

कंपनियों ने क्यों पेश किया यह प्रोडक्ट- इंश्योरेंस कंपनियों के लिए यह एक कैलकुलेटेड रिस्क था। उनके डेटा के अनुसार, 98त्न से ज्यादा कॉलेज रिलेशनशिप 3 साल के भीतर टूट जाती हैं। इसका मतलब था कि ज्यादातर मामलों में कंपनी प्रीमियम तो ले जाएगी, लेकिन कोई पेमेंट नहीं करना पड़ेगा। केवल कुछ ही कपल्स इतने लंबे समय तक साथ रहेंगे कि पॉलिसी क्लेम के लिए योग्य होंगे।

क्यों बंद किया गया यह प्रोडक्ट

हालांकि यह पॉलिसी लोगों में लोकप्रिय थी, चीनी सरकार ने इसे सही इंश्योरेंस उत्पाद नहीं माना। 2017 – 18 के बीच, लव इंश्योरेंस पर बैन लगा दिया गया। सरकारी अधिकारियों का कहना था कि यह असली रिस्क कवर करने वाला उत्पाद नहीं था, बल्कि इसे जुए और मार्केटिंग के तौर पर ज्यादा देखा गया।

सऊदी क्राउन प्रिंस का ऐलान: ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के लिए हमारा हवाई क्षेत्र या ज़मीन इस्तेमाल नहीं होगी

अबुधावी, एजेंसी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने साफ शब्दों में कहा है कि ईरान के खिलाफ किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई के लिए सऊदी अरब अपना हवाई क्षेत्र या अपनी जमीन इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं देगा। यह बयान ऐसे समय आया है जब मध्य पूर्व में तनाव लगातार बना हुआ है। सऊदी सरकारी समाचार एजेंसी एसपीए के मुताबिक, यह बात क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियान के बीच हुई एक फोन बातचीत के दौरान कही गई। यह बातचीत मंगलवार देर रात हुई।

ईरान की संप्रभुता के सम्मान पर ज़ोर- क्राउन प्रिंस ने बातचीत में कहा कि सऊदी अरब ईरान की संप्रभुता (सॉवरेन्टी) का पूरा सम्मान करता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सऊदी अरब न तो अपने हवाई क्षेत्र और न ही अपने क्षेत्र का इस्तेमाल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई या किसी भी पक्ष द्वारा किए जाने वाले हमले के लिए करने देगा, चाहे हमला कहीं भी किया जाना हो। इस बयान का मतलब साफ है कि अगर कोई भी देश या ताकत ईरान पर हमला करने की योजना बनाती है, तो सऊदी अरब उसमें किसी भी तरह की मदद या रास्ता नहीं देगा।

बातचीत से समाधान का समर्थन- मोहम्मद बिन सलमान ने यह भी दोहराया कि सऊदी अरब क्षेत्र में शांति और स्थिरता चाहता

है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब हर उस प्रयास का समर्थन करता है, जो संवाद और बातचीत के ज़रिए विवादों को सुलझाने की दिशा में हो, ताकि पूरे क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता मजबूत हो सके।

क्यों अहम है यह बयान?

मध्य पूर्व में ईरान को लेकर कई देशों के बीच तनाव बना हुआ है ऐसे में सऊदी अरब का यह रुख साफ संकेत देता है कि वह सैन्य टकराव से दूरी बनाए रखना चाहता है

ब्रिटिश पीएम 8 साल बाद चीन पहुंचे

● कोरोनाकाल में चीनी कंपनी हुआवे को निकाला था ● अब बोले- अमेरिका अपनी जगह, लेकिन चीन जरूरी

बीजिंग, एजेंसी। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर बुधवार को 8 साल बाद तीन दिन के दौरे पर चीन पहुंचे। इससे पहले 2018 में तत्कालीन ब्रिटिश पीएम थेरेसा मे चीन पहुंची थी। पिछले 8 सालों में ग्लोबल राजनीति काफी बदल चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की आक्रमक नीतियों और बयानों की वजह से यूरोपीय देश नए पार्टनर तलाश रहे हैं, ऐसे में चीन उन्हें एक मजबूत विकल्प नजर आ रहा है। चीन रवाना होने से पहले स्टार्मर ने मीडिया से कहा था कि ब्रिटेन को अमेरिका और चीन में से किसी एक को चुनने की जरूरत नहीं है। अमेरिका के साथ रिश्ते बने रहेंगे, लेकिन चीन को नजरअंदाज करना सही नहीं होगा। वहीं, चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस यात्रा से दोनों देशों के बीच भरोसा बढ़ेगा और रिश्तों में स्थिरता आएगी। ब्रिटेन भले ही आज चीन को जरूरी देश बता रहा है, लेकिन 2020 में कोरोना के वक्त ही उसने चीनी टेक कंपनी हुआवे को जासूसी के शक में अपने देश से निकाल दिया था।

ब्रिटेन ने चीनी कंपनी को 5जी प्रोजेक्ट से निकाला था- ब्रिटिश सरकार ने 2010 में चीनी कंपनी हुआवे को देश में मोबाइल नेटवर्क पर काम करने की इजाजत दी। उसी समय हुआवे के ऑफिस में 'द सेल' नाम का एक खास दफ्तर बनाया गया, जिसके जरिए सरकार कंपनी के काम पर नजर रखती थी। इसे कई सालों तक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अहम माना गया। इस दफ्तर में ब्रिटेन के साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट्स काम करते थे। हुआवे के खर्च पर वे उसके हर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर की जांच करते थे, ताकि कोई ऐसा कोड न हो जिसका गलत इस्तेमाल किया जा सके। फिर भी ब्रिटेन की सरकार को इस सिस्टम से पूरी तरह भरोसा नहीं हुआ। करीब 10 साल तक हुआवे को काम करने देने के बाद, सरकार ने साल 2020 में फैसला किया कि उसे ब्रिटेन के 5जी नेटवर्क से बाहर कर दिया जाएगा। उसी साल संसद की एक जांच में कहा गया कि हुआवे और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बीच मिलीभगत के साफ सबूत हैं। जो 5 जी इक्विपमेंट पहले से लगे हैं, उन्हें हटाना होगा।

अब 'द सेल' इस बात की मिसाल बन गया है कि चीन के साथ रिश्तों में ब्रिटेन को कितनी मुश्किलें झेलनी पड़ती हैं। एक तरफ खुफिया एजेंसियों की सुरक्षा से जुड़ी चिंताएं हैं, दूसरी तरफ प्राइवेट कंपनियां सस्ती तकनीक चाहती हैं और सरकार को अर्थव्यवस्था सुधारने की उम्मीद है। एक्सपर्ट्स और पूर्व डिप्लोमेट्स का कहना है कि अलग-अलग सरकारें चीन को लेकर सही संतुलन नहीं बना पाई हैं। इसकी वजह से ब्रिटेन की पॉलिसी में शक और डर नजर आता है।

एक्सपर्ट्स बोले- चीनी ऐसी हकीकत जिसका सामना करना जरूरी- स्टार्मर की ये यात्रा चीन को लेकर बने शक और डर को कम करने की कोशिश है। ये विजिट ऐसे समय हो रही है जब यूरोप और चीन के बीच कूटनीतिक गतिविधियां तेज हैं। हाल के हफ्तों में फिनलैंड और आयरलैंड के प्रधानमंत्री भी चीन जा चुके हैं। जर्मन चांसलर के भी फरवरी में चीन जाने की संभावना है।

युवराज सिंह बोले-

सम्मान नहीं मिलने के कारण लिया था संन्यास

खुद से सवाल करने लगा था कि क्रिकेट क्यों खेल रहा हूं

नईदिल्ली (एजेंसी)।

क्रिकेटर युवराज सिंह ने जून 2019 में क्रिकेट से संन्यास लेने के पीछे की असली वजह बताई है। युवराज ने सानिया मिर्जा के साथ एक पॉडकास्ट में कहा कि उन्हें उस समय न खेल में खुशी मिल रही थी, न ही टीम मैनेजमेंट और माहौल से वह सम्मान, जिसके वे हकदार थे। 44 साल के युवराज ने कहा, मैं अपने खेल का आनंद नहीं ले पा रहा था। जब मजा ही नहीं आ रहा था, तो खुद से सवाल करने लगा कि आखिर क्रिकेट क्यों खेल रहा हूं। सपोर्ट और सम्मान की कमी भी महसूस हो रही थी। युवराज ने आखिरी इंटरनेशनल मैच 30 जून 2017 को एंटीगुआ में खेला था। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ इस वनडे मैच में 39 रन बनाए थे।

वर्ल्ड कप 2019 में चयन न होना टर्निंग पॉइंट बना

युवराज को 2019 वनडे वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। उन्हें टीम में नंबर-4 स्लॉट के लिए चुने जाने की चर्चा थी। लेकिन, उन्हें खुद इसकी उम्मीद नहीं थी। चयन न होने के बाद युवराज ने मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इंटरनेशनल क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास का ऐलान कर दिया था। आईपीएल में उनका आखिरी सीजन 2019 रहा। इसमें वे मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे थे। युवी को इस सीजन में ज्यादा मैच खेलने को नहीं मिले थे। युवराज ने माना कि जब आप मानसिक रूप से खेल का लुत्फ उठाना बंद कर देते हैं, तो मैदान पर प्रदर्शन करना और भी कठिन हो जाता है।

मानसिक और शारीरिक रूप से थक चुका था

युवराज सिंह ने साफ किया कि संन्यास लेने के बाद उन्हें मानसिक शांति मिली। उन्होंने माना कि क्रिकेट ने उन्हें बहुत कुछ दिया, लेकिन सही समय पर रुकना भी जरूरी होता है। युवराज ने कहा, मैं मानसिक और शारीरिक रूप से थक चुका था। यह सोचकर परेशान था कि मैं क्या साबित करने के लिए खेल रहा हूं। जिस दिन मैंने क्रिकेट छोड़ा, उसी दिन मुझे लगा कि मैंने फिर से खुद को पा लिया है।

● **एक क्रिकेटर ने पिता से कहा था कि युवराज में प्रतिभा नहीं है** - युवराज ने अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि एक समय ऐसा भी था जब उनकी काबिलियत पर शक किया गया था। उन्होंने बताया, जब मैं 13-14 साल का था, तब एक सीनियर खिलाड़ी (जो उस समय टीम इंडिया के लिए खेल रहे थे) ने मेरे पिता से शायद औपचारिकता में कुछ कह दिया था। उन्हें लगा होगा कि मुझमें उतनी प्रतिभा नहीं है। मैंने इसे व्यक्तिगत रूप से नहीं लिया, लेकिन मेरे पिता को यह बात बहुत बुरी लगी थी।

2011 वनडे वर्ल्ड कप के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे युवराज

वनडे वर्ल्ड कप 2011 में युवराज सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार जीता था। उन्होंने 8 पारियों में 90.50 की औसत से कुल 362 रन बनाए थे, जिसमें चार अर्धशतक और एक शतक शामिल था। उन्होंने टूर्नामेंट में 15 विकेट भी झटके थे। युवराज टूर्नामेंट में चार बार प्लेयर ऑफ द मैच बने और अंत में उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। टूर्नामेंट के बाद युवराज को कैंसर होने का पता चला, जिसके बाद उनका इलाज चला। इसके बाद वे एक साल से ज्यादा समय तक टीम इंडिया से बाहर रहे। पूरी तरह स्वस्थ होने के बाद उन्होंने सितंबर 2012 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की।

शिवम दुबे की भारत के लिए तीसरी सबसे तेज फिफ्टी

101 मीटर लंबा सिक्स भी लगाया, रिंकू ने चार कैच पकड़े, बने रिकॉर्ड्स

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने टी-20 सीरीज के चौथे मुकाबले में भारत को 50 रन से हरा दिया। विशाखापट्टनम में 216 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 18.4 ओवर में 165 रन पर ऑलआउट हो गई।इस हार के बावजूद भारत के लिए सबसे बड़े पॉजिटिव शिवम दुबे रहे। उन्होंने महज 16 गेंदों में अर्धशतक जड़कर टी-20 इंटरनेशनल में भारत की ओर से तीसरी सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड अपने नाम किया। पारी की पहली ही गेंद पर उन्होंने 101 मीटर लंबा छक्का लगाया। फील्डिंग में रिंकू सिंह छाए रहे। उन्होंने मुकाबले में चार शानदार कैच लपककर इतिहास रच दिया और एक पारी में चार कैच पकड़ने वाले भारत के दूसरे आउटफील्डर बन गए।

1. दुबे की भारत के लिए तीसरी सबसे तेज फिफ्टी

शिवम दुबे ने भारत के लिए तीसरी सबसे तेज टी-20 फिफ्टी लगा दी। उन्होंने 15वीं बॉल पर सिक्स लगाकर अर्धशतक पूरा किया।इससे पहले इसी सीरीज में अभिषेक शर्मा ने सिर्फ 14 गेंदों में अर्धशतक लगाकर दूसरी सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड बनाया था।भारत के लिए टी-20 में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड युवराज सिंह के नाम है, जिन्होंने 2007 टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था।

हेनरी दूसरे बॉलर जिन्होंने सीरीज में दोनों ओपनर्स को पहली बॉल पर आउट किया - मैट हेनरी टी-20 इंटरनेशनल इतिहास में दूसरे ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने एक ही सीरीज में दो बार किसी टीम के ओपनर को पारी की पहली गेंद पर आउट किया।इसी सीरीज में हेनरी ने पहले गुवाहाटी में संजू सैमसन को और फिर विशाखापट्टनम में अभिषेक शर्मा को पहली ही गेंद पर पवेलियन भेजा।इससे पहले ऐसा कारनामा 2023 में नॉर्डिक टी20 कप के दौरान अब्दुल नासिर बलूच (स्वीडन) ने किया था। -

न्यूजीलैंड का भारत के खिलाफ सेकेंड हाईएस्ट टी-20 टोटल - न्यूजीलैंड ने भारत के खिलाफ टी-20 में अपना दूसरा सबसे बड़ा टोटल बनाया। टीम ने 215 रन बनाए। इससे पहले न्यूजीलैंड ने वेलिंगटन में 219 रन बनाए थे।

2022 के बाद भारत के खिलाफ पहली बार 100+ ओपनिंग साझेदारी - टी-20 में भारत के खिलाफ 2022 के बाद पहली बार 100 से ज्यादा की ओपनिंग साझेदारी देखने को मिली। इससे पहले ऐसा कारनामा टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के सेमीफाइनल में हुआ था, जब जोस बटलर और एलेक्स हेल्स ने एडिलेड में नाबाद 170 रन की ओपनिंग साझेदारी की थी।वहीं अगर भारत की सरजमीं की बात करें, तो भारत में यह 2017 के बाद पहली 100+ ओपनिंग पार्टनरशिप रही। इससे पहले राजकोट में कॉलिन मुनरो और मार्टिन गप्टिल ने 105 रन की ओपनिंग साझेदारी की थी।

पाकिस्तान में टी20 वर्ल्ड कप का बॉयकॉट करने की हिम्मत नहीं, अजिंक्य रहाणे का दावा

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर पाकिस्तान की भागीदारी पर चल रही अटकलों के बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजिंक्य रहाणे का बयान चर्चा का केंद्र बन गया है। रहाणे का मानना है कि पाकिस्तान के पास इस मेगा टूर्नामेंट का बॉयकॉट करने की न तो क्षमता है और न ही साहस। यह टिप्पणी उस समय आई है जब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किए जाने के बाद नाराज़गी जताई थी। पूरे मामले ने क्रिकेट से इतर राजनीति और दबाव की परतें भी खोल दी हैं।

बांग्लादेश विवाद से शुरू हुआ पूरा मामला - यह विवाद तब शुरू हुआ जब बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत आने से इनकार कर दिया। इसके बाद आईसीसीने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टी20 वर्ल्ड कप 2026 में शामिल कर लिया। इस फैसले से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड नाराज़ हो गया और पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने टूर्नामेंट से हटने तक की बात कह डाली। पाकिस्तान ने खुद को आईसीसी और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के बीच चल रही इस खींचतान में खड़ा कर लिया, जिससे विवाद और गहरा गया।

पाकिस्तान की धमकियां और आईसीसी का रुख - पीसीबी की ओर से बयानबाज़ी यहीं नहीं रुकी। पाकिस्तान ने बांग्लादेश के मैच अपने देश में कराने की पेशकश भी की, लेकिन आईसीसी ने इस सुझाव को खारिज कर दिया। ग्लोबल बॉडी ने साफ संकेत दिया कि टूर्नामेंट का बहिष्कार करने पर पाकिस्तान को कड़े प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। आईसीसी का यह सख्त रुख बताता है कि वह किसी भी सदस्य बोर्ड को दबाव की राजनीति के जरिए नियम बदलने की इजाजत नहीं देना चाहता।

वर्ल्डकप से पहले पाकिस्तान पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम

3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी, कमिंस, मैक्सवेल और हेजलवुड नहीं खेल रहे

लाहौर (एजेंसी)। मिचेल मार्श की कप्तानी में ऑस्ट्रेलियाई टीम बुधवार को लाहौर पहुंच गई थी। जहां वह पाकिस्तान के खिलाफ 3 टी-20 मैचों की सीरीज खेलेगी। यह सीरीज ऐसे समय में खेली जा रही है। जब 7 फरवरी से होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खेलने पर संशय है। कंगारुओं के लिए यह सीरीज वर्ल्ड कप के लिहाज से अहम है। इसे पाकिस्तान की तैयारियों के फाइनल स्टेज के रूप में देखा जा रहा है। सीरीज का पहला मैच 29 जनवरी को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा।

पाकिस्तानी टीम को सरकार की मंजूरी का इंतजार - पाकिस्तानी टीम को भारत और श्रीलंका में होने जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप में खेलने के लिए सरकार की मंजूरी का इंतजार है। देखना यह है कि क्या पाकिस्तानी सरकार अपनी टीम को वर्ल्डकप खेलने की अनुमति देती है या नहीं? पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रेसिडेंट मोहसिन नकवी ने प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के साथ बैठक के बाद कहा था कि सभी विकल्प खुले हैं और फैसला शुक्रवार या अगले सोमवार तक लिया जाएगा।मोहसिन नकवी ने कहा कि जब भारत और पाकिस्तान को न्यूट्रल वेन्यू मिल रहे हैं तो बांग्लादेश को क्यों नहीं।

आईसीसी ने बांग्लादेश को वर्ल्ड कप से हटाया - बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड और वहां की अंतरिम सरकार ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देकर भारत में टी20 वर्ल्ड कप के मैच खेलने से इनकार कर दिया था। इसके बाद इंटरनेशनल क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बांग्लादेश के स्थान पर स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल कर दिया था। पाकिस्तान इसका विरोध कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के कई सीनियर प्लेयर नहीं खेल रहे - ऑस्ट्रेलिया की टीम पैट कमिंस समेत अपने कुछ अनुभवी खिलाड़ियों के बिना लाहौर पहुंची है। वर्ल्ड कप से पहले चोटों से उबरने के लिए कमिंस, जोश हेजलवुड, ग्लेन मैक्सवेल, टिम डेविड और नाथन एलिस को पाकिस्तान दौरे से बाहर रखा गया है। ऑस्ट्रेलिया की टीम 2022 के बाद पहली बार पाकिस्तान का दौरा कर रही है।

ऑस्ट्रेलिया की टीम - मिचेल मार्श (कप्तान), शॉन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, महली बियर्डमैन, कूपर कॉनॉली, बेन ड्वार्शियस, जैक एडवर्ड्स, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), मैथ्यू कुहनेमैन, मिचेल ओवेन, जोश फिलिप (विकेटकीपर), मैथ्यू रेनशॉं, मैट शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

थाईलैंड मास्टर्स में अश्मिता चालिहा का दमदार वापसी, मेन ड्रॉ में बनाई जगह

पटुमवान (एजेंसी)। भारत की अश्मिता चालिहा ने पटाया में खेले गए दो कड़े क्वालिफाइंग मुकाबले जीतकर थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स मेन ड्रॉ में जगह बना ली। 26 वर्षीय अश्मिता ने अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे की ऊंची रैंकिंग वाली हंग यी टिंग के खिलाफ तीन गेम के रोमांचक मुकाबले से की, जिसे उन्होंने 15-21, 21-12, 21-12 से अपने नाम किया। पहला गेम गंवाने के बाद दुनिया की 87वीं रैंक वाली अश्मिता ने शानदार वापसी करते हुए दूसरे और तीसरे गेम में पूरा नियंत्रण बनाए रखा और मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने इस लय को अंतिम क्वालिफाइंग राउंड में भी बरकरार रखा, जहां उन्होंने कोरिया गणराज्य की किम जूउन को 21-11, 10-21, 21-16 से हराकर मेन ड्रॉ का टिकट पक्का किया। निर्णायक गेम में स्कोर 15-15 की बराबरी पर पहुंचने के बाद अश्मिता ने जबरदस्त धैर्य और आक्रामक खेल दिखाया और लगातार अंक जुटाकर मुकाबला अपने नाम किया। सुपर 300 श्रेणी के इस टूर्नामेंट में क्वालिफाइंग राउंड से आगे बढ़ने वाली वह एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रहीं। डबल्स वर्ग में भारत का सफर जल्दी समाप्त हो गया। पुरुष डबल्स में साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय को मलेशिया की जोड़ी नूर मोहम्मद अजरीन अयूब और टैन वी कियोंग ने 22-20, 22-20 से हराया।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना खुद का इतिहास रचना चाहते हैं नोवाक जोकोविच

मेलबर्न (एजेंसी)। पुरुष टेनिस के इतिहास में सबसे सफल खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह खुद का इतिहास रचने पर ध्यान दे रहे हैं। अब तक रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले जोकोविच जब सिनर के खिलाफ मुकाबले के संदर्भ में सवालों का जवाब दे रहे थे तब एक सवाल पर उन्हें अपमान महसूस हुआ।

जोकोविच वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में रिकॉर्ड 11वां खिताब जीतने की कवायद में हैं। जोकोविच से उस दौर से तुलना करने के लिए कहा गया जब उन्होंने टेनिस जगत में कदम रखा था तथा उस समय रोजर फेडरर और राफेल नडाल शीर्ष पर थे और अब जबकि सिनर और कार्लोस अल्काराज़ ने पिछले दो सत्र से उन्हें कोई भी ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने से रोक रखा है। जोकोविच ने सवालिया अंदाज में कहा, 'मैं यानिक और कार्लोस का पीछा कर रहा हूं। किस अर्थ में। मैं हमेशा पीछा करने वाला खिलाड़ी ही रहा हूं। मेरा कभी पीछा नहीं किया जाता।

उन्होंने कहा, 'मुझे यह थोड़ा अपमानजनक लगता है कि आप उस दौर के बीच की घटनाओं को नजरअंदाज कर रहे हैं जब मैंने आपके अनुसार राफा और रोजर का पीछा करना शुरू किया था और अब मैं कार्लोस और यानिक का पीछा कर रहा हूं। शायद बीच में लगभग 15 साल का ऐसा समय था जब मैं ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए हुए था। जोकोविच ने कहा, 'इसे सही परिप्रेक्ष्य में देखना महत्वपूर्ण है। सच कहूं तो मुझे ऐसा नहीं लगता कि मैं किसी का पीछा कर रहा हूं। मैं अपना खुद का इतिहास रच रहा हूं।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के पुरुष वर्ग में शीर्ष चार वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। पहला सेमीफाइनल दूसरी वरीयता प्राप्त सिनर और जोकोविच के बीच खेला जाएगा जबकि नंबर एक कार्लोस अल्काराज और नंबर तीन अलेक्जेंडर ज़्वेरेव शुक्रवार को दूसरे सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे। इन दोनों मैच के विजेता रविवार को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगे। इसमें कोई शक नहीं कि 38 वर्षीय जोकोविच मेलबर्न में एक ही लक्ष्य के साथ आए हैं। वह है अपना 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतना। इससे वह सर्वकालिक सबसे सफल टेनिस खिलाड़ी बन जाएंगे। पिछले साल वह चारों ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन फाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहे थे।

पीडब्ल्यूएल की अंक तालिका में हरियाणा थंडर्स नंबर वन

● 5 मैचों के मुकाबलों में 29 बाउट जीते, लीग चरण का समापन

झज्जर (एजेंसी)। अनिरुद्ध गुलिया ने हेवीवेट वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा थंडर्स को रात की पांचवीं बाउट जीत दिलाई और यूपी डोमिनेटर्स पर 6-3 की जीत सुनिश्चित की। इसके साथ ही हरियाणा थंडर्स ने प्रो रेसलिंग लीग 2026 के लीग चरण में पहला स्थान पक्का कर लिया। इस जीत के साथ हरियाणा ने पांच मुकाबलों में आठ अंकों और कुल 29 बाउट जीत के साथ लीग चरण का समापन करते हुए अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। छह बाउट्स के बाद मुकाबला 3-3 की बराबरी पर था, जिसके बाद प्लेयर ऑफ द मैच इरीना कोलियादेंको ने सातवीं बाउट में फॉल से नाटकीय वापसी करते हुए मुकाबले की दिशा निर्णायक रूप से हरियाणा के पक्ष में मोड़ दी। यूपी डोमिनेटर्स, जो लीग चरण में दो जीत, चार अंक और 23 बाउट जीत के साथ चौथे स्थान पर रहे, अब सेमीफाइनल में अपनी किस्मत जानने के लिए पंजाब रॉयल्स और दिल्ली दंगल वॉरियर्स के मुकाबले के नतीजे का इंतजार करेंगे। यूपी डोमिनेटर्स के लिए शानदार प्रदर्शन के चलते तपस्या गहलावत को फाइटर ऑफ द मैच चुना गया।

● **हर बाउट का रहा कड़ा मुकाबला** - हरियाणा ने शुरुआती दो बाउट्स में बेहद करीबी और दबाव भरी जीत के साथ मजबूत शुरुआत की। 76 किग्रा महिला वर्ग में काजल धोचक ने मानसी लाथर के खिलाफ कड़े मुकाबले में 3-3 की बराबरी के बाद आखिरी अंक के आधार पर जीत दर्ज की। शुरुआती टेकडाउन के जवाब में दूसरे पीरियड में अहम टेकडाउन और पैसिविटी प्वाइंट ने काजल को जीत दिलाई। इसके बाद 57 किग्रा पुरुष वर्ग में अंकुश चंद्रम और राहुल देसवाल के बीच मुकाबला 4-4 से बराबरी पर था, लेकिन आखिरी क्षणों में अंकुश के स्कोरिंग सीक्वेंस ने आखिरी अंक के आधार पर हरियाणा की बढ़त को दोगुना कर दिया।

तपस्या गहलावत को मिला फाइटर ऑफ द मैच

बेहतरीन प्रदर्शन के लिए झज्जर की तपस्या गहलावत को फाइटर ऑफ द मैच दिया गया। 57 किग्रा महिला वर्ग में तपस्या गहलावत के जरिए यूपी डोमिनेटर्स ने जोरदार वापसी की। शुरुआती बराबरी के बाद तपस्या ने पावर मिनट में पूरा नियंत्रण हासिल करते हुए फेज 6 में दो निर्णायक टेकडाउन लगाए और 10-3 की शानदार जीत दर्ज कर अंतर कम किया।

इसके बाद 65 किग्रा पुरुष वर्ग में विशाल काली रमन ने तुमुर ओचिर तुलगा के खिलाफ जबरदस्त वापसी करते हुए पैसिविटी कॉल्स, सफल चैलेंज और पावर मिनट में निर्णायक टेकडाउन के बाद पुश-आउट के दम पर 9-6 से जीत दर्ज की और मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया।तपस्या गहलावत को चुना गया फाइटर ऑफ द मैच।